RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 313
नई दिल्ली, शनिवार, 19 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

घरेलू, यौन हिंसा पर राष्ट्रमंडल में रखे शबाना आज़मी ने अपने विचार

विविध-12

कृषि विधेयकों से उबाल, सड़क पर हजारों किसान

- हरियाणा, पंजाब पश्चिमी उप्र, महाराष्ट्र में जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन पंजाब में किसान ने की आत्महत्या की कोशिश
- किसान संगठनों ने 24 26 सितंबर को किया रेल रोको आंदोलन का आह्वान किसान विरोधी बिलों को वापस लेने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा के सबसे पुराने सहयोगी दल शिरोमणि अकाली दल के विरोध जताने के एक दिन बाद लोकसभा ने दो कृषि विधेयकों को पारित कर दिया। अकाली दल ने इसे 'किसान विरोधी' कदम करार दिया था।

इस बीच विधेयकों के विरोध में किसान पहले ही सड़क पर उतर चुके हैं और आंदोलन की यह आग महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और पश्चिम उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में फैल गई है। पंजाब में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान एक किसान ने जहरीला पदार्थ खाकर जान देने की भी कोशिश की। किसान संगठनों ने 24 से 26 सितंबर तक रेल रोको आंदोलन शुरू करने का फैसला किया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हजारों किसानों ने शुक्रवार को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर धरना दिया। कांग्रेस ने कृषि विधेयकों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है और मोदी सरकार को घेरने के लिए वह इस संबंध में अन्य विपक्षी दलों से भी बातचीत कर रही है। पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल ने शुक्रवार को कहा कि इन विधेयकों के चलते अकेले पंजाब को हर साल (शेष पेज 9)

श्री मुक्तसर साहिब में तीन कृषि संबंधी बिलों के विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के आवास के बाहर नारेबाजी करते किसान

बिचौलियों के साथ खड़े कुछ लोग कर रहे विरोधः मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा द्वारा पारित कृषि विधेयकों के विरोधियों पर 'बिचौलियों के साथ खड़े होने' का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश के किसानों को आश्वस्त किया कि सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर उनके उत्पादों की खरीद जारी रहेगी। उन्होंने किसानों कहा वे 'उन लोगों के झूठ से गुमराह न हों जिन्होंने दशकों इस देश पर शासन किया है। पीएम ने कहा कि लोकसभा से पारित कृषि सुधार संबंधी विधेयक उनके लिए रक्षा कवच का काम करेंगे और नए प्रावधान लागू (शेष पेज 9)

हरसिमरत के इस्तीफे से जेजेपी पर दबाव, खट्टर से मिले दुष्यंत

मनोज कुमार। चंडीगढ़

विवादित कृषि विधेयकों के विरोध में अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल के केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफे के बाद, हरियाणा के उप मुख्यमंत्री और जजपा नेता दुष्यंत चौटाला ने राज्य में किसानों संगठनों के सड़कों पर उतरने से बढ़ते दबाव के बीच रास्ता ढूंढ़ने की मंशा से शुक्रवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की।

सूत्रों ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और उनके संगठनों से संपर्क कर यह संदेश देगी की ये विधेयक वास्तव में उनकी जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। दुष्यंत चौटाला के भाई और जजपा नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी के साथ उनके दल का गठबंधन मजबूती से आगे बढ़ रहा है। इसी के साथ चौटाला ने विपक्षी दल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह कृषि विधेयक के मुद्दे पर किसानों को गुमराह कर रही है। चौटाला की इस टिप्पणी से एक दिन पहले उन्होंने पिछले सप्ताह कुरुक्षेत्र के पीपली में किसानों पर हुए लाठीचार्ज पर माफी मांगी थी। किसान, केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि विधेयकों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। यह पूछे जाने पर कि क्या जजपा पर भाजपा के साथ गठबंधन का कोई दबाव है, चौटाला ने कहा कि हमारा गठबंधन मजबूत है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि किसानों की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाए और हम आने वाले फसल खरीद सीजन में यह सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि एमएसपी सबसे बड़ा मुद्दा है। यह किसानों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है कि हम उनकी फसल को एमएसपी से कम दाम पर नहीं खरीदेंगे। उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के बीच यहां हुई बैठक के बाद दिग्विजय ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। दिग्विजय ने कहा कि खट्टर और दुष्यंत के बीच हुई बैठक में कई मुद्दों पर बातचीत हुई जिसमें आगामी फसल सीजन में खरीदने पर भी चर्चा हुई। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि कांग्रेस और कुछ अन्य तत्व कृषि विधेयकों के मुद्दे पर गलत जानकारी फैला रहे हैं और किसानों को भ्रमित करने का काम कर (शेष पेज 9)

नेहरू गांधी परिवार पर तीखी टिप्पणी

लोस में जबर्दस्त हंगामा, अपने बयान पर मंत्री ने मांगी माफी

- वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने नेहरू गांधी परिवार पर मढ़ा देश को धोखा देने का आरोप, भड़क उठा विपक्ष

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सोनिया और गांधी-नेहरू परिवार पर देश को धोखा देने की टिप्पणी पर शुक्रवार को लोकसभा में भारी हंगामे और चार बार के स्थगन के बाद, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने माफी माफी। अपने कहे पर मलाल करते ठाकुर ने सदन में कहा कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उनका इरादा नहीं था लेकिन यदि कोई आहत हुआ है तो वे माफी मांगते हैं।

लोकसभा में हंगामा तब शुरू हुआ जब कांग्रेसी सांसद ने शशि थरूर व मनीष तिवारी और तृणमूल सांसद सौगत रॉय पीएम केयर्स फंड का विरोध किया। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर को विपक्ष के आरोपों का जवाब देने को कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फंड की सराहना करते ठाकुर ने विपक्ष खासकर नेहरू गांधी परिवार पर हमला बोल दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जवाहरलाल नेहरू के बनाए फंड -पीएमएनआरएफ में कांग्रेस अध्यक्ष (सोनिया) को शामिल कर गांधी परिवार ने देश को मूर्ख बनाया, उसे धोखा दिया। विपक्ष सिर्फ इसी कारण से पीएम केयर्स फंड का विरोध कर रहा है।

यह ईवीएम के विरोध जैसा ही है जिसके बाद उन्हें अनेक चुनावों में मात खानी पड़ी। विपक्षी दल जनधन, नोटबंदी, तीन तलाक और जीएसटी को भी खराब फैसले बताकर मुखालफत करते रहे हैं। उन्हें हर बात में खोट नजर आता है जबकि सचाई यह है कि नेहरू जी ने 1948 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष बनाने का राजसी आदेश दिया था लेकिन इसका रजिस्ट्रेशन आज तक नहीं कराया गया। इसे एफसीआरए मंजूरी कैसे मिल गई, यह सवाल करते ठाकुर ने दावा किया कि गांधी परिवार ने लोगों (शेष पेज 9)

सेना ने जांच में जवानों को दोषी माना, करेगी कार्रवाई

शोपियां विवादित मुठभेड़

- आतंकवादी नहीं मजदूर थे ऑपरेशन में मारे गए राजौरी के तीनों युवक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी कश्मीर के शोपियां में बीते 18 जुलाई को मुठभेड़ में मारे गए तीन लोग आतंकी नहीं, बल्कि मजदूर थे। यह बात सेना की जांच में सामने आई है। मुठभेड़ पर उठे विवाद के बाद सेना ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए थे, जिसकी रिपोर्ट आ गई है।

मारे गए तीनों लोगों की पहचान राजौरी के इम्तियाज अहमद, अबरार अहमद और मोहम्मद इबरार के रूप में हुई है। सेना को इन तीनों के आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। जांच पूरी होने के बाद भारतीय सेना ने प्रथमदृष्टया दोशी पाए गए जवानों के खिलाफ सेना अधिनियम के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए कहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सेना की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि सबूत यह दिखाते हैं कि मुठभेड़ में सशस्त्र सेना विशेषाधिकार कानून (अफस्पा) 1990 के तहत मिली शक्तियों का दुरुपयोग किया गया। श्रीनगर स्थित रक्षा प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने अपने लिखित बयान में कहा कि पूछताछ में यह बात सामने आई है कि ऑपरेशन के दौरान अफस्पा के तहत निहित शक्तियों और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) के दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया गया है।

शोपियां के आमशीपोरा इलाके में 18 जुलाई को हुई कथित मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मारने का दावा किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, जो लोग सेना की इस मुठभेड़ में मारे गए थे, उनके परिवार का कहना था कि उनके लड़कों का आतंकवाद से कोई संबंध नहीं था। ये सभी राजौरी के रहने वाले मजदूर थे और एक दिन पहले ही यानी 17 जुलाई को रोजी-रोटी की तलाश में शोपियां गए थे। उसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा था।

परिवार वालों ने 10 अगस्त को कोटरानका तहसील के पीरु थाने में इन तीनों मजदूरों के गायब होने की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। जब शोपियां मुठभेड़ में मारे गए लोगों की तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल हुईं, जिनमें राजौरी के इन तीनों मजदूरों के फोटो भी थे तो विवाद खड़ा हो गया और परिवार के लोग फौरन पुलिस के पास पहुंचे। अपने बयान में कर्नल राजेश कालिया ने भी इसकी पुष्टि की है कि ऑपरेशन आमशीपोरा में मारे गए लोगों की पहचान इम्तियाज अहमद, अबरार अहमद और मोहम्मद इबरार के रूप में हुई है। हालांकि उन्होंने कहा कि उनकी डीएनए रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस भी यह जांच कर रही है कि कहीं तीनों आतंकवाद या संबंधित गतिविधियों में शामिल तो नहीं थे।

कोविड-19: देश में अब तक 52.47 लाख केस

- अभी 10.18 लाख मरीजों का चल रहा है इलाज, आठ हजार से ज्यादा की हालत गंभीर

नई दिल्ली (पीएनएस)। देश में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 52 लाख 47 हजार 627 हो गया है। इनमें 41 लाख 43 हजार 247 लोग ठीक हो चुके हैंए जबकि 10 लाख 18 हजार 926 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है। संक्रमण के चलते अब तक 84 हजार 717 लोग जान गंवा चुके हैं।इस बीच, राजस्थान सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। इसके मुताबिकए अस्पताल में भर्ती कोरोना मरीज से उनके परिजन मुलाकात कर सकेंगे। हालांकि, इसके लिए परिजन को पीपीई किटए ग्लव्सए फेस मास्क पहने रहना अनिवार्य होगा। शुक्रवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके लिए आदेश भी जारी कर दिया।उधर, दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कोरोना संकट के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने प्राइवेट और सरकारी स्कूलों को आदेश दिया है कि वह अपने यहां पढ़ने वाले गरीब बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई के लिए गैजेट्स और इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध कराएं। प्राइवेट स्कूल इसके लिए राज्य सरकार से शुल्क ले सकेंगे। वेंटिलेटर या आईसीयू में भर्ती मरीजों के मामले में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सबसे ज्यादा ऐसे मरीज अमेरिका में हैं। तीसरे नंबर पर ब्राजील है। हालांकि, रूस में भारत की तुलना में एक चौथाई गंभीर मरीज ही हैं। दुनियाभर में 61 हजार 275 गंभीर मरीज हैं। राहत की बात यह है कि देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 10 लाख 17 हजार 414 है। इस तरह गंभीर मरीजों का प्रतिशत महज 0.87 है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को राहत जारी रहेंगी दुबई की उड़ानें

- एयरलाइन के माफी मांगने के बाद डीसीएए ने उड़ान निलंबन का फैसला वापस लिया

राजेश कुमार। नई दिल्ली

एयर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई उड़ानों पर रोक लगाने के कुछ घंटों बाद ही दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी (डीसीएए) ने अपना फैसला वापस ले लिया है।

अब एयरलाइन की उड़ानें 19 सितंबर से तय शैड्यूल के अनुसार ही जारी रहेंगी। डीसीएए ने दो कोविड पॉजिटिव यात्रियों को यूएई जाने की अनुमति देने के आरोप में एयर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई उड़ानों पर 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रतिबंध लगा दिया था। एयरलाइन ने दुबई आने-जाने वाली उड़ानें बहाल होने की सूचना अपने फेसबुक और ट्वीटर अकाउंट पर दी। इससे पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पत्र लिखकर डीसीएए से माफी मांगी और घटना के दोशी ग्राउंड हैंडलिंग एजेंट पर कार्रवाई की रिपोर्ट भी पेष की थी। एयरलाइन ने दिल्ली, कोझिकोड, मुंबई, कन्नूर और तिरुअनंतपुरम से शारजाह के लिए पहले से बुक यात्रियों को भेजने के लिए पांच फ्लाइट का इंतजाम किया था।

अब इन्हें दोबारा भेजा जाएगा। एयर इंडिया एक्सप्रेस पर कार्रवाई ऐसे समय की गई थी जब 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में मेगा टी-20 क्रिकेट इवेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) शुरू हो रहा है। डीसीएए ने आरोप लगाया था कि कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट होने के बावजूद अलग-अलग मौकों पर दो लोग एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान से दुबई पहुंच गए। कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग का आयोजन इस साल भारत से बाहर यूएई में किया जा रहा है। आईपीएल का पहला मैच मुंबई इंडियन और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच शनिवार को दुबई में होगा। इस दौरान दुबई जाने वालों की संख्या बढ़ना तय है।

इसलिए यूएई सरकार ने नियम बना दिया है कि भारत से दुबई जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यात्रा से 96 घंटे पहले किए गए आरटी-पीसीआर टेस्ट की मूल कोविड निगेटिव रिपोर्ट आवश्यक रूप से साथ ले जानी होगी। इस सख्त नियम के बावजूद कोरोना पॉजिटिव मरीज एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से दुबई पहुंच गए। डीसीएए ने एयरलाइन को पत्र लिखकर कहा था कि नियमों के उल्लंघन के कारण उसका परिचालन 15 दिनों के लिए अस्थायी रूप से निलंबित रहेगा। यह 18 सितंबर को 00.01 बजे से 2 अक्टूबर के 23.59 बजे तक प्रभावी रहेगा और दोनों यात्रियों के इलाज व क्वॉरंटीन का खर्च भी (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	38,845	↓	134	
निफ्टी	11,504	↓	11	
सोना	52,672	↑	224	/10g
चांदी	69,841	↑	620	/kg

क्विक न्यूज

हफ्ते भर में लौटेगा मानसून

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिमी राजस्थान से दक्षिण पश्चिम मानसून की वापसी अगले सप्ताह के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। विभाग ने कहा कि अगले दो दिनों में मानसून के वापसी के लिए स्थितियां अनुकूल होने की उम्मीद है। उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों मे तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, ये उन मौसम के पैटर्न में से एक है जो हम तब देखते है कि जब मानसून की वापसी के लिए स्थितियां अनुकूल होती हैं। 20 सितंबर से हम पश्चिम राजस्थान में मानसून की बारिश की संभावना नही देखते है। आईएमडी ने इस वर्ष मानसून की वापसी की तारीखों को संशोधित किया है। नई सारणी के अनुसार, मानूसन के 17 सितंबर को वापस जाने की उम्मीद थी।

एनसीबी ने पांच लोगों को किया गिरफ्तार

सुशांत मामला

पीएनएस/भाषा। मुंबई

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े नशीले पदार्थों के मामले में शुक्रवार को पांच लोगों को गिरफ्तार किया और 1.4 किलोग्राम मादक द्रव्य जब्त किया। एनसीबी के अधिकारियों ने बताया कि राहिल विश्राम (42) को उपनगर वर्सोवा में उसके आवास से पकड़ा गया और राजपूत की मौत से जुड़े मादक द्रव्य के मामले में पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि एनसीबी की मुंबई इकाई की टीम ने पूर्व में गिरफ्तार अंकुश अरेंजा (28) से पूछताछ के बाद विश्राम के आवास पर छापा मारा। अधिकारियों ने बताया कि विश्राम के आवास पर छापे के दौरान टीम ने 928 ग्राम चरस और 4,36,000 रुपए नकदी जब्त की। अरेंजा से मिली

सुशांत की फाइल फोटो

जानकारी के बाद चार लोगों के पास से 490 ग्राम गांजे की जब्ती की गई। विशाल साल्वे (25) और जयचेतन रायचरा (29) को ठाणे जिले में बदलापुर से गिरफ्तार किया गया जबकि रोहन तलवार(29) और नोंगथुंग लोठा (30) को पवई से गिरफ्तार किया गया। एनसीबी सुशांत की मौत से जुड़े नशीले पदार्थों के मामले में अदाकारा रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक समेत 12 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पूर्वी लद्दाख में संपूर्ण स्थिति, अभियानगत तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली। सरकार ने पूर्वी लद्दाख में भारत की अभियानगत तैयारियों सहित क्षेत्र में संपूर्ण स्थिति की शुक्रवार को व्यापक समीक्षा की। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चीनी सेना के लगातार आक्रामक रुख अपनाए रखने और क्षेत्र में भारतीय सैनिकों को फिर से डराने की कोशिश किए जाने के मद्देनजर यह बैठक की गई। सूत्रों ने बताया कि उच्चाधिकार प्राप्त चाइना स्टडी ग्रुप की करीब 90 मिनट चली बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम सेक्टरों समेत करीब 3,500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास सतर्कता और बढ़ाए जाने पर भी विचार किया।

महंगे रेल सफर को हो जाएं तैयार

- निजी कंपनियां तय करेंगी भाड़ा
- संबंधित रूट पर एसी बसों व विमान किराए को ध्यान में रखकर वसूला जाएगा रेल किराया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महंगे रेल सफर के लिए देशवासी तैयार हो जाएं। अब किराए की घोषणा बजट में नहीं होगी, बल्कि भाड़ा रेल चलाने वाली निजी कंपनियां अपने हिसाब से तय करेंगी।

मोदी सरकार ने रेल परिचालन में निजी कंपनियों को लुभाने के लिए उन्हें किराया तय करने की अनुमति दे दी है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वीके यादव ने कहा कि निजी कंपनियों को अपने तरीके से किराया तय करने की स्वतंत्रता दी गई है, लेकिन यह संबंधित रूटों पर वातानुकूलित बसों और विमान के किराये को ध्यान में रखकर लागू किया जाएगा। माना जा रहा है कि यह कदम रेल परिचालन में निजी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए उठाया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, सरकार के इस फैसले से भारतीय रेलवे में निजी कंपनियां अगले पांच वर्षों में लगभग 7.5 बिलियन अमरीकी डालर निवेश कर सकती हैं। अलस्टॉम एसए, बॉम्बार्डियर इंक, जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड जैसी विभिन्न कंपनियों ने कथित तौर पर रेल परियोजनाओं में अपनी रुचि दिखाई है। भारतीय रेलवे यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं देने और राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से उन स्टेशनों पर यात्रियों से ट्रेन किराए के रूप में लेवी यूजर्स शुल्क वसूलना शुरू कर देगा, जिनका पुनर्विकास किया गया है और वहां उच्च स्तर की सुविधाएं दी जा रही हैं। इस तरह का शुल्क रेलवे के इतिहास में यात्रियों पर पहली बार लगाया जा रहा है। चेयरमैन ने कहा कि यह षुल्क नाममात्र का होगा और देश भर के 7,000 रेलवे स्टेशनों में से लगभग 10-15 प्रतिशत में ही लागू किया जाएगा। उन सभी स्टेशनों पर यूजर्स चार्ज वसूला जाएगा जो पुन: विकसित हो चुके हैं या किए जा रहे हैं। इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की जाएगी।

भारतीय रेलवे ने बीते जुलाई में ही निजी कंपनियों द्वारा यात्री ट्रेनें चलाने का औपचारिक रूप से ऐलान किया था। इसके लिए 109 जोड़ी मार्गों पर 151 आधुनिक रेलगाड़ियां चलाने के लिए निजीं कंपनियों से आवेदन मांगे थे। निजी कंपनियों द्वारा बोली लगाने की प्रक्रिया के तौर-तरीके तय करने और इस काम में तेजी लाने को अन्य संबंधित फैसले लेने के लिए रेलवे बोर्ड ने पिछले साल अक्टूबर में ही नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत की अगुवाई में सचिवों के एक अधिकार प्राप्त समूह का गठन किया था।

आढ़तियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

कुरुक्षेत्र। केंद्र सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के लिए लाए जा रहे तीन अध्यादेशों के खिलाफ जिलभर के आढ़तियों ने शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। पहले से किए एलान के अनुसार शुक्रवार सुबह आढती मार्किट कमेटी कार्यालय में एकत्रित हुए और धरने पर बैठ गए।

आढ़तियों ने धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रधान अजेमर सिंह ने कहा कि जब तक सरकार तीनों अध्यादेशों को वापस नहीं लेती है, आंदोलन जारी रहेगा। आढती जगतार काजल ने कहा कि आज से सभी मंडी पूर्ण रुप से बंद रहेंगी और मंडी में किसी भी उत्पाद का क्रय विक्रय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के नए अध्यादेशों के मुताबिक अनाज मंडियों में व अनाज मंडियों के बाहर टैक्स में असमानता है इसलिए उनकी मांग है कि सरकार मंडी में व मंडी के बाहर उत्पादों पर टैक्स की दर को एक समान करे। उन्होंने कहा कि सरकार अपने तीनों अध्यादेश वापिस ले और पहले की तरह मंडीयों की व्यवस्था करे क्योकि आढ़ती व किसान का चोली दामन का साथ है। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन किसानों के साथ है और 20 सितंबर को भाकियू द्वारा पूरे प्रदेश में किए जा रहे चक्के जाम में आढती पूरा समर्थन करेंगे।

कृषि अध्यादेशों पर हो विधानसभा का विशेष सत्र

राज्यपाल से मुलाकात करने पहुंचे हुड्डा, नहीं मिले राज्यपाल

केंद्र के कानून के खिलाफ सभी दलों को एक मंच पर आने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पारित किए गए तीन कृषि अध्यादेशों का विरोध करते हुए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा शुक्रवार को हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायाण आर्य से मुलाकात करने पहुंचे। कांग्रेसियों ने ध्वनि मत से कृषि अध्यादेशों के मुद्दे पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने और अध्यादेशों को रद्द करने का प्रस्ताव पारित करने की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस विधायकों की राज्यपाल के साथ मुलाकात नहीं हो सकी। पूर्व सीएम को राज्यपाल की सचिव जी अनुपमा को ज्ञापन सौंपकर अपनी कार्रवाई पूरी करनी पड़ी। इसके बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज प्रदेश के किसानों पर तीन काले कानूनों का संकट मंडरा रहा है। इसलिए जरूरी है कि सभी पार्टियां किसान हित में एक साथ इसके खिलाफ आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि पंजाब की तर्ज पर विधानसभा का सत्र बुलाकर इन तीनों कानूनों को सिरे से खारिज किया जाए। इन कानूनों पर सदन में चर्चा करवाई जाए ताकि लोगों को भी पता चले कि कौन सी पार्टी और विधायक किसान समर्थक है और कौन सी विरोधी। ज्ञापन के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसके लिए विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाए कि कृषि और मंडी व्यवस्था राज्य का मामला है। इसको ध्वस्त करने वाले और बिना एमएसपी गारंटी के ये कानून राज्य को मंजूर नहीं है। हुड्डा ने कहा कि प्रदेश सरकार विधानसभा में एक बिल लाए,जिसमें किसानों को स्वामीनाथन के सी-टू फार्मूले के तहत एमएसपी की गारंटी दी जाए। अगर सरकार ऐसा नहीं करती तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक हर मंच पर इसका विरोध करेगी और सरकार को कानून वापिस लेने पर मजबूर कर देगी। अगर फिर भी सरकार अपनी जिद्द पर अड़ी रही तो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही इन काले कानूनों को खत्म किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधारोपण

कुरुक्षेत्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन्म सप्ताह के अंतर्गत भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार सैनी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शकुंतला शर्मा, जिला महामंत्री रविन्द्र सांगवान, सुशील राणा, जिला मीडिया प्रभारी विनीत क्वातरा, सचिव अमित रोहिल्ला, युवा नेता साहिल सुधा, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंदीप विर्क, मण्डल अध्यक्ष दीपक चौहान, हरीश अरोड़ा, रमेश सैनी, ओमबीर, विनीत बजाज, जितेंद्र धुराला, प्रीतपाल सैनी, कृष्ण लाल शर्मा, हिमांशु शर्मा, यशपाल शर्मा, रमेश शर्मा, पुष्पिन्द्र शर्मा, नरेन्द्र शर्मा आदि ने सेक्टर 2 में पौधा रोपण किया। देश को पोलथीन मुक्त बनाने के लिए पोलथीन को ना मोदी जी को हां निमित्त कपड़े से निर्मित बैग घरों में बांटे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार ने कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि हमारा परम सोभाग्य है जो हमें ऐसा यशस्वी प्रधानमंत्री मिला जो सैनिकों के सम्मान एवं होसला अफजाई के लिए उनके साथ सीमा पर दीपावली का त्योहार मनाते हैं, किसानों की आय को दुगुनी करने के कार्य में लगातार प्रयासरत हैं जिन्होंने जय जवान जय किसान के साथ जय विज्ञान जोडकर देश के विकास में वैज्ञानिकों के योगदान को सम्मान दिया है।

नगर निगम चुनाव न होने से रुका शहर का विकास

सोनीपत। समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान शहर के कोट मोहल्ला में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे और लोगों की समस्याओं को सुना। लोगों ने निखिल मदान को बताया कि यहां की मुख्य समस्या पानी की निकासी और सीवरेज जाम होना है। पिछली बरसात में लोगों के घरों में पानी घुसने के चलते लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। सभी समस्याओं को सुनने के बाद निखिल मदान ने लोगों को आश्वासन दिया कि निगम चुनाव के बाद सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करवाया जाएगा। सरकार द्वारा पिछले 5 सालों से नगर निगम चुनाव को लटकाया जा रहा है, जिस वजह से आज सभी शहरवासी परेशान है। मदान ने सभी लोगों से कोरोना महामारी से बचाव हेतु सभी सावधानी बरतने की भी अपील की। कार्यक्रम में सुरेश प्रधान, राजा भाई, आदित्य, सिद्धार्थ, अजय, विक्की, राम किशन दादा, आत्म, सुरेन्द्र, सुनीता, रेखा, गुड्डी, प्रकाशी देवी, नीता देवी, सन्दीप मलिक, दिनेश हुड्डा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

रणदीप सुरजेवाला के कारण हरियाणा की ताकत हुई मजबूत : बवेजा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के इतिहास में पहली बार हरियाणा से एकमात्र नेता रणदीप सुरजेवाला को राष्ट्रीय महासचिव के साथ-साथ कर्नाटक का प्रभारी नियुक्त होने की जि मेवारी बाद कुरुक्षेत्र में प्रवेश करते ही जिस प्रकार बुधवार को अपार जन समूह और पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया था, उससे सिद्ध हुआ की हरियाणा सहित कुरुक्षेत्र के पार्टी कर्यकर्ताओं में कितना जोश है। कुरुक्षेत्र किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष एम एस बवेजा ने सुरजेवाला के स्वागत समारोह की सफलता के बाद वीरवार को कहाकि सुरजेवाला के कारण हरियाणा में पार्टी की ताकत मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि सुरजेवाला से मिलने और उन्हें मिठाई खिलाने के लिए भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में होड़ लगी रही। बवेजा ने कहा कि सुरजेवाला के हाईकमान में आने से पूरे राज्य में ख़ुशी की लहर का प्रमाण है कि हर जगह उनका जबरदस्त स्वागत समारोह आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहाकि हरियाणा अब अधिक महत्व मिलेगा। इस बात का सुरजेवाला ने कुरुक्षेत्र भी विश्वास दिलाया है। उल्लेखनीय है कि सुरजेवाला राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार व कांग्रेस कार्यसमिति के मूलभूत सदस्य भी मनोनीत हुए हैं। सुरजेवाला राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कोर कमेटी के सदस्य सहित राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी व राष्ट्रीय प्रवक्ता भी है। बवेजा ने कहाकि अब पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय होकर सुरजेवाला के विश्वास पर खरा उतरना चाहिए। इस अवसर पर बलदेव सिंह, संजय अरोड़ा, दीपक व अमरीक इत्यादि भी मौजूद थे।

वेबिनार में छात्रों को करियर के लिए किया जागरूक

पलवल। एनजीएफ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में छात्रों की कैरियर काउंसलिंग के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया। कॉलेज के चेयरमैन डॉ अश्वनी प्रभाकर के निर्देशन में डिग्री कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ अश्वनी गुप्ता, डिप्टी डायरेक्टर मनप्रीत कौर, एचओडी कुलदीप तोमर, काउंसलर अबिर भौमिक द्वारा छात्रों का मार्गदर्शन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि 12वीं के बाद छात्रों को अक्सर कन्फ्यूजन रहता है कि वे आगे क्या करें। छात्रों को अपनी रूचि व योग्यता के अनुसार ही विषय का चयन करना चाहिए। जिससे उनका भटकाव न हो और वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। उन्हें अपनी दिनचर्या के मुताबिक टाइम टेबल निर्धारित करना चाहिए। जिससे समय का सदुपयोग हो सके और छात्र गलत दिशा में न जा पाए। डॉ गुप्ता ने कहा कि कॉलेज में इस बार एक बहुत ही सराहनीय कदम उठाया गया है। जिसके तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कोचिंग की व्यवस्था की गई है। जिससे प्रतिस्पर्धा के दौर में वह पीछे न रहें और उन्हें रोजगार प्राप्त करने

बिजली निगमों के साढ़े छह सौ करोड़ अटके

हरियाणा में सरकारी विभाग ही नहीं भर रहे बिजली बिल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

एक तरफ हरियाणा सरकार अपने उपभोक्ताओं पर बिजली के बिल भरने के लिए तरह-तरह से दबाव बना रही है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के कई सरकारी विभाग ऐसे हैं जिनके द्वारा समय पर बिजली के बिलों की अदायगी नहीं की जा रही है।

सरकारी विभागों की तरफ हरियाणा बिजली निगमों के करीब 640 करोड़ रुपए अटके हुए हैं। विभाग द्वारा इस धनराशि की वसूली के लिए विभागों के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। सरकारी विभागों द्वारा बिजली बिलों की अदायगी नगदी के रूप से नहीं बल्कि ट्रेजरी के माध्यम से की जाती है। आमतौर पर बिलों के मामले में विभाग द्वारा ट्रेजरी को जानकारी भेजी जाती है और ट्रेजरी द्वारा एक विभाग के खाते से दूसरे विभाग में धनराशि ट्रांसफर कर दी जाती है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अपने विभागों की तरफ 467 करोड़ तथा उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अपने विभागों की तरफ 173 करोड़ रुपए पेंडिंग हैं। इनमें सर्वाधिक धनराशि जनस्वास्थ्य विभाग की तरफ पेंडिंग है। इसके माध्यम से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पानी सप्लाई किया जाता है। इसके अलावा सिंचाई विभाग, स्थानीय निकाय विभाग, विकास एवं पंचायत विभागों की तरफ बिजली बिलों की धनराशि पेंडिंग है। यही नहीं प्रदेश में जिला स्तर पर चल रहे लघु सचिवालयों की तरफ भी बिजली बिलों की धनराशि बकाया खड़ी है।

भिवानी के युवक की महम में हत्या

भिवानी। महम पुलिस चौकी के नजदीक सुबह चार बजे तीन युवकों ने मिलकर एक युवक की इंटों से पीट पीट कर हत्या कर दी। पूरी घटना साथ में एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मृतक की पहचान अमित पुत्र सुशील निवासी राजीव कालोनी, हनुमान गेट भिवानी के रुप में हुई है। मृतक की उम्र बीस से बाईस साल बताई जा रही है। पुलिस ने घटना स्थल से दो बाइक बरामद की हैं। जिसमें आशंका जताई जा रही है कि एक बाइक मृतक का तथा दूसरा हत्यारों का हो सकता है। पुलिस को सूचना मिलने पर डीएसपी शमशेर सिंह दहिया, एफएसएल इंचार्ज सरोज दहिया व थाना प्रभारी नवीन जाखड़ ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक तथ्य एकत्रित कर कार्रवाई शुरु कर दी है।

झोपड़ियां तोड़ने के विरोध में किया प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। जनसंघर्ष मंच हरियाणा की ओर से दिल्ली में 48 हजार झोपड़ियां तोड़ने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ छोटा रेलवे स्टेशन थानेसर पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व मंच की जिला उपाध्यक्ष उषा कुमारी व मनरेगा मजदूर यूनियन के नेता नरेश कुमार ने किया।

ये विरोध प्रदर्शन दिल्ली के 48 हजार व फरीदाबाद के 1200 झुग्गियों में रहने वाले परिवारों के साथ एकजुटता के लिए किया गया है। उषा कुमारी ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में रेलवे लाइनों के पास स्थित झुग्गियों को बिना पुनर्वास के प्रबंध किए तोड़ने का आदेश दिया है जो अत्यंत निंदनीय व अमानवीय है। इस फैसले के कारण कोरोना महामारी के समय में भी लगभग तीन लाख गरीब बेघर कर दिए जाएंगे। मंच व यूनियन नेताओं ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में 48 हजार झोपडियों को तोडने के फैसले को वापिस ले, मोदी सरकारउजाड़ने से पहले सभी झोपड़ीवासियों के पुनर्वास के लिये उचित स्थान पर आवास/घर बना कर मुहैया करवाए, हरियाणा की भाजपा सरकार फरीदाबाद में व अन्य जगहों पर उजाड़े गए स्लम एरिया के गरीबों, झोपड़ीवासियों को उचित जगहों पर पक्के मकान उपलब्ध कराये, रेलवे का निजीकरण बंद किया जाए अन्यथा मंच व मजदूर यूनियनें झोपड़ीवासियों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

अनाजमंडी में हड़ताल पर बैठे आढ़ती व किसान

निगदू। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में लाए गए तीन नए अध्यादेशों के खिलाफ कस्बे की अनाजमंडी में आढ़ती और किसान अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ गए हैं। इस दौरान आढ़तियों और किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना रोष प्रदर्शन किया। आढ़तियों का कहना है कि सरकार उन्हें खत्म करने की कोशिश कर रही है। आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान राजबीर सागवाल ने कहा कि नए नियमों के अनुसार मंडी में खरीद करते समय तो मार्केट फीस देनी होगी, जबकि बाहर खुली खरीद करने पर मार्केट फीस देने का कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनेंगे रेन वाटर हार्वेस्टर

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

नगर निगम कार्यालय करनाल के परिसर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनाया जा रहा रेन वाटर हार्वेस्टर।

शहर को स्मार्ट बनाने के लिए चल रहे प्रोजेक्ट में एक प्रोजेक्ट रेन वाटर हार्वेस्टर का भी है। इसके तहत शहर की भिन्न-भिन्न 30 लोकेशन पर रेन वाटर हार्वेस्टर बनाए जाने हैं, लोकेशन सरकारी कार्यालय, स्कूल, कॉलेज व पार्क वगैरह की हैं। फिलहाल 9 जगहों पर काम भी चल रहा है। नगर निगम के महिला आश्रम स्थित कार्यालय परिसर में भी रेन वाटर हार्वेस्टर बनाया जा रहा है, इस पर डेढ से 2 लाख रूपये तक खर्चा आएगा। निगम आयुक्त व करनाल जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बताया कि पिछले कुछ सालों से करनाल में भूमिगत जल स्तर काफी नीचे चला गया है, जो भविष्य के लिए खतरा है। इसका सीधा सा एक ही कारण है, भूमिगत पानी का अत्याधिक व लापरवाही से किया गया दोहन। यदि जल संरक्षण के बारे में नहीं सोचा गया, तो अगली पीढ़ी के लिए वर्तमान में रह रहे लोगों की ही जवाबदेही होगी। प्रकृति की अनमोल नेमत जल को जीवन भी कहा गया है, जाहिर है कि इस ओर ध्यान देने की सख्त जरूरत है। इन सब बातों को देखते स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में रेन वाटर हार्वेस्टर प्रोजेक्ट को भी जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि वर्षा के दिनों में हजारों-लाखों लीटर पानी व्यर्थ में नालों में जाकर गंदगी का रूप धारण कर लेता है। रेन वाटर हार्वेस्टर से इस तरह के पानी को भूमिगत पानी में रिचार्ज किया जा सकता है। शहरीकरण में पक्के रास्ते और सड़कें, जमीन पर पड़े पानी को रिचार्ज नहीं होने देते, इसका बेहतर विकल्प रेन वाटर हार्वेस्टर है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी में सरकारी भवनो और सरकारी जगहों को इस काम के लिए चयनित किया गया है। इसके साथ-साथ नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने घरों, परिसर और प्लाटों में रेन वाटर हार्वेस्टर बनवाएं। जल संरक्षण की दिशा में नागरिकों की ओर से यह सराहनीय कदम होगा।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

कैथल। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान जैसा महादान करके हम मानवहित का बहुत बड़ा कार्य करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान करना चाहिए ताकि उसके दान से किसी को बहुमूलय जीवन की सौगात मिल सके। ये शब्द महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में गांव बाता के बाबा ब्रह्मपुरी मंदिर में आयोजित रक्तदान शिविर में कहे। इस अवसर पर राज्यमंत्री ने सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद देते हुए उन्हें बैज लगाए और साथ ही प्रमाण पत्र भी दिए।

आंगनबाड़ी केंद्रों में हों बिजली पानी व शौचालय की सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

एसडीएम महेश कुमार की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की उपमंडल स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पोषण माह अभियान व विभाग की अन्य गतिविधियों की समीक्षा की गई। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों में बिजली-पानी व अन्य समुचित सुविधाएं मुहैया करवाने को लेकर पंचायती राज विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग व शिक्षा व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों जरूरी निर्देश दिए।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की समीक्षा करते हुए एसडीएम महेश कुमार ने कहा कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय सुचारू रूप से होने चाहिए। इसी प्रकार से यहां पर स्वच्छ पेयजल का प्रबंध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय या पेयजल का समुचित प्रबंध नहीं है, उन केंद्रों की सूची तैयार की जाए ताकि वहां पर इस तरह की कमी को पूरा किया जा सके। उन्होंने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है, उनमें गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। एसडीएम ने महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ऐसे आंगनवाड़ी सेंटरों की सूची मुहैया करवाएं जहां पर बिजली-पानी या शौचालय की सुविधा नहीं है।

नुक्कड़ नाटक से कलाकारों ने कोरोना के प्रति चेताया

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

वैश्विक संक्रमित महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए नगर सुधार मण्डल मार्केट में नरेंद्रा फिल्मस, महादेव कला एवं संस्कृति विकास समिति के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक कोरोना महायोद्धा के माध्यम से दुकानदारों व राहगीरों को जागरूक किया।

मास्क लगाने व साबुन-सैनेटाइजर का प्रयोग करने का संकल्प भी दिलाया। नुक्कड़ नाटक में चिकित्सकों, पुलिस प्रशासन, जनसुचना विभाग, पत्रकारों, सफाई कर्मचारियों, बैंक कर्मचारियों, अध्यापकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कलाकारों ने उपस्थित लोगों को बताया कि यह एक संक्रमित महामारी है। इससे बचने के लिए हैं एक दूसरे से आपसी दूरी बनाए रखनी होगी। समय-समय पर साबुन या सैनेटाइजर से हाथों को साफ करते रहना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय मुंह पर मास्क का प्रयोग करना चाहिए। अपने-अपने घरों की साफ-सफाई रखनी चाहिए। नरेंद्रा फिल्मस के सचिव संदीप शर्मा ने कहा कि महामारी से लोगों को बचाने के लिए वे अपनी टीम के साथ शहर के हर क्षेत्र व गांवों-गांवों में जाकर जागरूकता अभियान चलाएंगे। कलाकार प्रवीण कुमारी ने कहा कि वे महामारी से बचाव के लिए अधिक से अधिक महिलाओं को जागरूक करेंगी।

महादेव कला एवं संस्कृति विकास समिति के अध्यक्ष महादेव ने कहा कि यह कठिन समय है मगर चीजें जरूर ठीक होंगी। हमारे वास्तविक जीवन के सुपर हीरो बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में अपना सर्व श्रेष्ठ योगदान दे रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपिल करते हुए कहा कि महामारी से बचाने के लिए सावधानियों का विशेष ध्यान रखें। नुक्कड़ नाटक में रामेहर, सुशील, मोहन सिंह, मुकेश, अन्नू, नेहा, दिव्यांशु, कनिष्का, आर्यन व खुशी ने अपनी विशेष भूमिका निभाई।

डबल मर्डर में तीन आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना औद्योगिक क्षेत्र बड़ी की पुलिस ने रिमाण्ड के दौरान डबल मर्डर की घटना में शामिल तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी नवरत्न, नीरज व अंकुश निवासी मलिकपुर जिला सोनीपत के रहने वाले है। आरोपियों को न्यायालय में पेशकर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है

पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि 13 सितंबर को पवन निवासी रामनगर ने थाना औद्योगिक क्षेत्र बड़ी में शिकायत दी थी कि कुलदीप, सोनू निवासी मलिकपुर, बिट्टू, संजय निवासी पपनेरा व अन्य युवकों ने उसके पिता नरसी व जगमोहन निवासी रामनगर की चाकूओं से मारकर हत्या कर दी है। थाना औद्योगिक क्षेत्र बड़ी टीम ने घटना में शामिल आरोपियों सतेन्द्र निवासी कुठिन जिला जालनी यूपी, संजय, सोनू, कुलदीप हाल मलिकपुर निवासी, छोपरा महेशपुर जिला बागपत यूपी व बिट्टू उर्फ बुटा सिंह निवासी पपनेरा जिला सोनीपत को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर वेबिनार आयोजित

देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की जरूरत है: भारद्वाज

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को विशेष बनाने के लिए मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर पंचायत भवन में एक वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सेवा सप्ता के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष शंकर धूपड़ की अध्यक्षता में किया गया। मंच का संचालन संदीप श्योराण ने किया। कार्यक्रम में सीबीएलयू के रजिस्ट्रार जितेन्द्र भारद्वाज ने मुख्यवक्ता के रूप में शिरकत की तथा मुख्यअतिथि विधायक घनश्याम दास सर्राफ व विशिष्ट अतिथि हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के पूर्व चेयरमैन ऋषिप्रकाश शर्मा थे। मुख्यवक्ता सीबीएलयू के रजिस्ट्रार जितेन्द्र भारद्वाज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर प्रकाश डाला। उनके जीवन से संबंधित लघु कथा को दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक ऐसे व्यक्तित्व के धनी हैं जिनका डंका हमारे देश में ही नहीं बल्कि दुनिया में बज रहा है।

हम सभी को उनके जीवन से सिखने की जरूरत है और देश को आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अंतिम स्तर पर जो व्यक्ति बैठा है उसको लाभ कैसे मिले उसके लिए अनेकों योजनाएं शुरू की हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्या के मार्ग पर चल कर वे कार्य कर रहे हैं। छोटी की आयु में ही वे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ गए थे। किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं।

जिला प्रशासन को 1400 रैपिड एंटीजेन कोविड टेस्टिंग किट भेंट कीं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे यूनाइटेड वे दिल्ली ने स्वस्थ समाज की सहभागिता में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए 1400 रैपिड एंटीजेन कोविड टेस्टिंग किट और 21 लैपटॉप (कॉरपोरेट पार्टनर जेनपेक्ट के समर्थन के साथ) जिला प्रशासन गुरुग्राम को सौंपे। इस दौरान प्रमुख वक्ता गुरुग्राम मंडल के कमिश्नर अशोक सांगवान, बोर्ड चेयर यूनाइटेड वे दिल्ली कपिल कुमारिया, यूनाइटेड वे दिल्ली के सीईओ सचिन गोलवालकर मौजूद रहे।

गुरूग्राम कमिश्नर अशोक सांगवान ने कहा कि आज पूरा देश कोरोना जैसी महामारी से लड़ रहा है। ऐसे में यूनाइटेड वे दिल्ली के महामारी से लड़ने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय है। इन प्रयासों से निश्चित तौर पर हम करो ना जैसी महामारी से लड़ने में कामयाब होंगे। सचिन गोलवलकर, सीईओ, यूनाइटेड वे दिल्ली ने कहा यूनाइटेड वे दिल्ली कोविड-19 से लड़ने की दिशा में हरियाणा सरकार के प्रयासों को पूरा करने के लिए योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम बड़े पैमाने पर हमारे हस्तक्षेप यूनाइटेड अगेंस्ट कोविड-19 के तहत काम कर रहे हैं। यह आवश्यक है कि डब्ल्यू एच ओ द्वारा अनुशंसित कोविड प्रभावित रोगियों के उपचार के लिए परीक्षण किया जाए। गौरतलब है कि बीती 11 जुलाई को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सेक्टर 10 सिविल अस्पताल गुरुग्राम के लिए एक नई आरटी-पीसीआर कोविद परीक्षण सुविधा का उद्घाटन किया था। लैब की सुविधा यूनाइटेड वे दिल्ली द्वारा स्थापित की गई थी।

प्रेरणा

विकेश भारतीय

वन में फूल सदा नहीं खिलते, सदा नहीं यौवन होता,
नभ से मेह सदा ना बरसे, सदा नहीं सावन होता,
करना है जो कर डालो यूं कब तक सोच विचारोगे,
ऐसा ना हो उम्र निकल जाए सदा नहीं जीवन होता।

सरकार का आदेश-5 तक बंद रहेंगे स्कूल

21 सितंबर से आंशिक तौर पर खुलने थे, कोरोना मामलों में तेजी के कारण लिया फैसला

सिर्फ ऑनलाइन क्लास

फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों को पांच अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला लिया है। शिक्षा निदेशालय के आदेश में कहा गया है कि सभी सरकारी और निजी स्कूल अगले आदेश तक बंद रहेंगे। इस दौरान पहले की तरह ऑनलाइन क्लासेस समेत अन्य गतिविधियां जारी रहेंगी। स्कूल के प्राचार्यों को ऑनलाइन कक्षाओं या किसी अन्य कार्य के सुचारू संचालन के लिए आवश्यकता के अनुसार, कर्मचारी बुलाने के लिए अधिक्रत किया गया है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने यह फैसला बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए किया है।

कोविड-19 महामारी फैलने के बाद देश भर के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों 16 मार्च से बंद कर दिया गया था। 25 मार्च को संक्रमण रोकने के लिए केंद्र सरकार ने लॉकडाउन का ऐलान किया था। हालांकि आठ जून से अनलॉक के विभिन्न चरणों में कई प्रतिबंधों को कम कर दिया गया है, लेकिन शैक्षणिक संस्थान अब भी बंद हैं। अनलॉक के तहत ताजा दिशा निर्देशों के अनुसार, स्कूलों को कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को 21 सितंबर से स्वैच्छिक आधार पर स्कूल बुलाने की अनुमति दी गई थी।

गरीब बच्चों को मुहैया कराएं इंटरनेट व लैपटॉप : कोर्ट

नई दिल्ली। उच्च न्यायायल ने निजी एवं सरकारी स्कूलों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को ऑनलाइन क्लास के लिए मुफ्त में लैपटॉप और इंटरनेट मुहैया कराने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि ऐसी सुविधाओं की कमी बच्चों को मूलभूत शिक्षा प्राप्त करने से रोकती है। न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति संजीव नरुला की पीठ ने कहा कि गैर वित्तपोषित निजी स्कूल, शिक्षा के अधिकार कानून-2009 के तहत उपकरण और इंटरनेट पैकेज खरीदने पर आई तर्कसंगत लागत की प्रतिपूर्ति राज्य से प्राप्त करने के योग्य हैं, भले ही राज्य यह सुविधा उसके छात्रों को मुहैया नहीं कराती है। पीठ ने गरीब और वंचित विद्यार्थियों की पहचान करने और उपकरणों की आपूर्ति करने की सुचारु प्रक्रिया के लिए तीन सदस्यी समिति गठित करने का निर्देश दिया। समिति में केंद्र के शिक्षा सचिव या उनके प्रतिनिधि, दिल्ली सरकार के शिक्षा सचिव या प्रतिनिधि और निजी स्कूलों का प्रतिनिधि शामिल होगा।

दिल्ली में कोविड-19 के 4,127 नए मामले सामने आए, 30 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 4,127 नए मामले सामने आने के साथ ही शहर में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 2,38,828 तक पहुंच गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 30 मरीजों की मौत के बाद इस घातक वायरस के कारण जान गंवाने वालों की संख्या 4,907 तक पहुंच गई। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक, अब तक सामने आए कुल मामलों में से 2,01,671 मरीज संक्रमणमुक्त हो चुके हैं जबकि 32,250 मरीज उपचाराधीन हैं।

इसके मुताबिक, संक्रमण की दर 6.76 फीसदी है। वहीं, निषिद्ध क्षेत्रों की संख्या बढ़कर।,751 हो गई है। इससे पहले दिल्ली में 12 सितंबर को एक ही दिन में सर्वाधिक 4,321 नए मामले सामने आए थे।

कृषि बिलों के खिलाफ एक्सप्रेसवे पर धरना

महिलाओं समेत जुटे 12 गांव के सैकड़ों किसान, यातायात जाम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

केंद्र सरकार के नये कृषि विधेयक के विरोध व एक समान मुआवजा भुगतान की मांग को लेकर यहां के एक दर्जन गांव के सैकड़ों किसानों ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बेमयादी धरना शुरू कर दिया है। इस धरने में शामिल महिला एवं पुरूष चूल्हा जलाकर अपना विरोध दर्ज कर रहे हैं। महिलाएं जहां चूल्हे पर खाना बना रही हैं वहीं पुरूष खाना बना रही महिलाओं का सहयोग कर रहे है। साथ ही महिलाएं भजन-कीर्तन भी कर रही हैं।

किसानों का कहना है कि यह धरना अब तभी समाप्त होगा जब केंद्र सरकार नये कृषि विधेयक कानून को वापस लेने का ऐलान नहीं कर देती है। एक्सप्रेसवे पर लगातार किसानों की भीड़ उमड़ रही है । जिस तरह से एक्सप्रेसवे पर शामियाने के नीचे चूल्हे जल रहे हैं उससे ऐसा लगता है कि यह आंदोलन बहुत लंबा चलेगा।

दिल्ली-मेरठ एक्प्रेसवे पर चूल्हा जलाकर धरना देते महिला व पुरूष किसान।

किसानों ने एक्सप्रेसवे पर चल रहे काम को भी बन्द करवा दिया है। अभी इस आन्दोलन में मोदीनगर के आसपास के बारह गांव के किसान शामिल हुए हैं।

किसानों का कहना है कि केंद्र सरकार के नये अध्यादेश से किसानों का कोई भला नहीं होगा , बल्कि किसान और दलदल में फंस जायेगा । उनका कहना है कि एक ही गांव में जहां जमीन अधिग्रहित की गई है वहां मुआवजा रेट भी एक समान नहीं है। इन तमाम मुददों को लेकर किसानों में आक्रोश व्याप्त हैं। किसान संघर्ष समिति के संयोजक धर्मपाल का कहना है कि जब तक किसानों की मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक यह आन्दोलन जारी रहेगा।

निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए जोड़े 500 अतिरिक्त बेड : जैन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 मरीजों के लिए अब 500 से अधिक अतिरिक्त आईसीयू बिस्तर उपलब्ध हैं। जैन ने कहा कि ऐसा हाल में वह आदेश देने के बाद हुआ है जिसमें कई निजी अस्पतालों को ऐसे बिस्तरों में से निर्दिष्ट प्रतिशत इस उद्देश्य के लिए आरक्षित करने को कहा गया था।

जैन ने पहले कहा था कि गत सप्ताह एक आदेश दिया गया था कि यहां 33 निजी अस्पतालों में 80 प्रतिशत आईसीयू बिस्तर कोविड-19 मरीजों के लिए आरक्षित किए जाएं।

उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि कोरोना ऐप के अनुसार अब कोविड-19 मरीजों के लिए 500 से अधिक आईसीयू बिस्तर उपलब्ध हैं। प्राधिकारियों ने कहा कि दिल्ली में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 4,432 नए मामले सामने आए जिससे शहर में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2.34 लाख से अधिक हो गई। दिल्ली सरकार के बुलेटिन के अनुसार बृहस्पतिवार को उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 31,721 हो गई।

एनआईसी साइट पर साइबर हमला, जांच में जुटी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि संदिग्ध मालवेयर हमले को लेकर राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की शिकायत के बाद उसने एक मामला दर्ज किया है। कंप्यूटर पर आधिकारिक ई-मेल अकाउंट तक पहुंच में एक कर्मचारी को दिक्कतें आने के बाद एनआईसी ने शिकायत की थी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनआईसी के एक कर्मचारी के आधिकारिक आईडी पर एक ई-मेल भेजा गया और लिंक पर क्लिक करने के बाद ऐसा लगा कि उस कंप्यूटर में मालवेयर सेट हो गया। एनआईसी ने दावा किया है कि डाटा को नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि एनआईसी की शिकायत पर सितंबर के पहले सप्ताह में प्राथमिकी दर्ज की गई जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच की और स्रोत की पहचान की। हालांकि, पुलिस ने बताया कि फिलहाल वे स्रोत का खुलासा नहीं कर सकते क्योंकि मामले में आगे जांच की जा रही है।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि बड़े कार्यालयों में साइबर सेंधमारी के बारे में मीडिया के कुछ धड़े में आई खबरें बेबुनियाद हैं और मौजूदा जांच से उसका संबंध नहीं है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय का एनआईसी केंद्र और राज्य सरकारों, जिलों और अन्य सरकारी विभाग को डिजिटल बुनियादी ढांचा मुहैया कराता है और ई-गवर्नेंस परियोजनाओं में मदद करता है।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त पीआरओ (जनसंपर्क अधिकारी) अनिल मित्तल ने कहा, एक कर्मचारी ने हाल में बताया था कि एनआईसी द्वारा प्रदान किए गए आधिकारिक ई-मेल अकाउंट तक पहुंच में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने कहा, एनआईसी ने पाया है कि अज्ञात साइबर तत्वों ने इसमें सेंध लगाने का प्रयास किया लेकिन मजबूत साइबर सुरक्षा तंत्र से इसकी पहचान कर ली गई।

सिपाही ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में दिल्ली पुलिस के सिपाही ने आत्महत्या कर ली। कांस्टेबल का शव उसके घर में पंखे से लटका मिला। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मरने वाले की पहचान सतेंद्र के रूप में हुई है। वह मध्य जिले के दरियागंज में एसीपी कार्यालय में तैनात था।

पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि सतेंद्र मालवीय नगर में पीटीसी कॉलोनी में अपनी पत्नी और एक बच्चे के साथ रहते थे। बृहस्पतिवार की रात करीब 10 बजे अपने घर आए थे। कुछ देर बाद पंखे से लटके मिले। परिवार वालों ने देखा तो नीचे उतार कर उन्हें तुरंत मैक्स अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विपक्षी दल रास में करें कृषि बिल का विरोध : केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कृषि विधेयकों को लेकर केंद्र सरकार और विपक्षी दलों में रार जारी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को सभी गैर-भाजपा दलों से राज्यसभा में वह एकजुट होकर कृषि से जुड़े तीनों विधेयकों का विरोध करने का अनुरोध किया है। केजरीवाल इन विधेयकों को किसान विरोधी करार दिया है।

केजरीवाल ने ट्वीट किया कि तीनों विधेयक किसानों को बड़ी कंपनियों के हाथों शोषण के लिए छोड़ देंगे। उनकी सभी गैर भाजपा पार्टियों से विनती है कि राज्यसभा में एकजुट होकर इन विधेयकों का विरोध करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आपके सभी सांसद मौजूद हों और वॉकआउट का ड्रामा ना करें। देशभर को किसानों की नजर राज्यसभा पर होगी।

केंद्र सरकार संसद के मौजूदा मानसून सत्र में सोमवार को किसानों से संबंधित किसान उपज व्यापार व वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर किसान (सशक्तीकरण और संरक्षण) समझौता विधेयक तथा आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 लेकर आई है। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक मंगलवार को लोकसभा में पारित हो गया।

परिवार को बताए बिना गांव पहुंची तीन बहनें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- चार दिन से थीं लापता पुलिस ने ढूंढा

दिल्ली पुलिस ने लापता बच्चियों को उनके परिवार से मिलाने में अहम भूमिका निभाई है। आदर्श नगर इलाके से चार दिन पहले अचानक लापता हुई तीन बहनों को पुलिस ने ढूंढकर उनकों सकुशल परिवार को सौंप दिया है। परिवार वालों ने पुलिस का शुक्रिया अदा किया है।

पुलिस के अनुसार, आदर्श नगर के आजादपुर इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी तीन बेटियों के अचानक घर से लापता होने की शिकायत थाने में दर्ज करवाई थी। एसएचओ सुधीर कुमार की देखरेख में एसआई मीता, सिपाही मुकेश को बच्चियों को तलाशने का जिम्मा सौंपा गया। परिवार से पता चला कि तीनों बच्चियों में सबसे बड़ी 15 साल छोटी 8 साल की है। उन्होंने यह भी बताया कि तीनों को कभी भी नहीं डांटा था।

बच्ची के पिता राजेश कुमार का कहना है कि बैग में कुछ कपड़े और स्कूल का पहचान पत्र और जन्मपत्री लेकर बाहर निकली है। पिता ने पुलिस को यह भी बताया कि वह मूलरूप से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं तथा यहां दिल्ली में एक कोठी में ड्राइविंग का काम करते हैं। पुलिस ने इलाके में लगे दो दर्जन से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। जिसमें तीनों बच्चियां एक साथ जाती हुई दिखाई दीं।

पुलिस ने रिश्तेदारों से भी संपर्क किया। इस बीच पता चला कि तीनों बच्चियां अपने गांव लखीमपुर खीरी पहुंच गई हैं। इसके बाद एक टीम को तुरंत लखीमपुर खीरी रवाना किया गया। टीम के सदस्य बच्चियों को लाकर उनके परिवार को सौंप दिया।

कोरोना मरीजों पर योग के असर की होगी स्टडी

नई दिल्ली। चिकित्सक और ध्यान कराने वाले दिल्ली के कम से कम तीन अस्पतालों में यह जानने के लिए अनुसंधान करने जा रहे हैं कि क्या योग से कोविड-19 के मरीजों की स्थिति में सुधार हो सकता है। अनुसंधान के संबंध में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने अध्ययन के लिए अप्रैल में प्रस्ताव आमंत्रित किए थे।

राष्ट्रीय राजधानी में, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, राम मनोहर लोहिया अस्पताल और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में अनुसंधान किया जा रहा है।

धरा गया नाबालिग झपटमार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- गिरोह के दो बदमाश भी चढ़े पुलिस के हत्थे

जहांगीरपुरी इलाके में लूट और झपटमारी की कई वारदातों में शामिल गैंग के दो बदमाशों को उनके एक नाबालिग साथी के साथ धरा है। आरोपियों की पहचान अभिषेक उर्फ अंग्रेज और प्रीतम उर्फ पिंट्टू के रूप में हुई है। इनके कब्जे से आठ मोबाइल फोन व वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद किए गए हैं। पुलिस गिरोह के अन्य बदमाशों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

डीसीपी विजयंता आर्या ने बताया कि जहांगीपुरी गत सात सितंबर की रात एक युवक से मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने मोबाइल फोन झपट लिया था। वारदात के बाद आरोपी वहां से भाग गए थे। पीड़ित के बयान पर जहांगीरपुरी थाने में मामला दर्ज किया गया। एसएचओ सर्वेश कुमार की देखरेख में सीसीटीवी की मदद से बदमाशों की पहचान हुई। इन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई और इनकी निशानदेही पर शाह आलम बंद रोड के पास से दोनों बदमाशों को उसके नाबालिग साथी के साथ दबोच लिया।

संक्षिप्त समाचार

ब्रजबिहार में नाले का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त।

नगर आयुक्त ने दिया नाला सफाई का आदेश

गाजियाबाद। दिल्ली-उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित ब्रजविहार कॉलोनी के बीचो बीच बहने वाले गन्दे नाले की गंदगी से बहुत जल्द यहां के निवासियों को निजात मिलेगी। इस सिलसिले में निगम ायुक्त महेन्दसिंह तंवर ने पार्षद एसके माहेश्वरी के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त ने नगर निगम एसबीएम के नोडल अधिकारी अरूण मिश्रा व नगर स्वास्थ्य अधिकारी एमके सिंह को नाले की सफाई करने के आदेश जारी किए। बता दें कि बरसात के दौरान इस नाले में गंदगी के कारण बरसाती पानी कॉलोनी में घरों के अन्दर घुस गया था और पूरा इलाका बरसाती पानी से लबालब हो गया था। नगर आयुक्त ने इस समस्या को वरीयता के आधार पर लिया और खुद मौके पर पहुंचकर इसका समाधान करने का आदेश जारी किया।

पुलिस अधिकारी समेत तीन कर्मी संक्रमित

नोएडा। गौतमबुद्धनगर में एक अपर पुलिस उपायुक्त तथा तीन थानाध्यक्ष कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं, जिन्हें मिला कर संक्रमण की चपेट में आए पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़कर 217 हो गई है। सहायक पुलिस आयुक्त (कोविड-19 सेल) आशुतोष कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक 217 पुलिसकर्मी संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। जिनमें से 141 उपचार के दौरान ठीक होकर घर जा चुके हैं, वहीं 75 का यहां के विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि एक पुलिसकर्मी की संक्रमण की वजह से मौत हो चुकी है। शुक्रवार को जिले में कोविड-19 के 141 नए मामले सामने आए हैं जिसके बाद जिले में संक्रमण के मामले बढ़कर 11,043 हो गए हैं।

किसानों के धरने को सपा का समर्थन

गाजियाबाद। किसान संघर्ष समिति के तत्वाधान में गांव शाहपुर बम्हैटा में चल रहे धरने को समाजवादी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने समर्थन दिया। एमएलसी राकेश यादव एवं पूर्व विधायक सुरेन्द्र मुन्नी के नेतृत्व में सपाई धरनास्थल पर पहुंचे और समर्थन देने की घोषणा की। इस अवसर पर एमएलसी राकेश यादव और पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी ने कहा कि जीडीए एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से किसानों की जमीनों पर कब्जा कराने का प्रयास किया जा रहा है। सुरेन्द्र मुन्नी ने कहा कि समाजवादी इस मुद्दे पर कंधे से कंधा मिलाकर किसानों के साथ खड़े हैं। वह किसी भी कीमत पर किसानों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। इस अवसर पर युवजन सभा के पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज पंडित, संतोष यादव, सौदान सिंह आदि सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सराय काले खान जाने से बचें, ट्रैफिक रहेगा बाधित

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सराय काले खान के पास फ्लाईओवर के निर्माण की वजह से अगले 15 दिन तक इलाके में यातायात बाधित रहेगा। यातायात पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। उसने राजघाट से आश्रम आने वालों से रिंग रोड पहुंचने के लिए डीएनडी, मयूर विहार, अक्षरधाम की ओर से आने का सुझाव दिया है। इसी तरह, दिल्ली आने के लिए डीएनडी से आने वाले लोगों से अक्षरधाम के रास्ते नोएडा और रिंग रोड या डीएनडी से वे बारापुल्ला की ओर जा सकते हैं।

पुलिस गिरफ्त में खड़े कैब चालक के हत्यारोपियों के बारे में जानकारी देते एसपी सिटी अभिषेक वर्मा।

कैब लूटने के इरादे से चालक की हत्या, दो लुटेरे गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- वारदात में इस्तेमाल पिस्टल व कारतूस बरामद

थाना साहिबाबाद पुलिस ने मोहननगर चौक पर कैब में मिले चालक के शव मामले का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने दो लुटेरों को गिरफ्तार कर उनके पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और कारतूस बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि कैब चालक की हत्या लूट का विरोध करने के कारण की गई थी। इस प्रकरण में पुलिस को लुटेरों के दो अन्य साथियों की भी तलाश है। सीसीटीवी फुटेज की जांच में कैब चालक की हत्या के बाद हत्यारे एक ऑटो से फरार हुए थे। वहीं लोकल सर्विलांस के जरिए पुलिस को पता चला कि इस घटना में लोनी बॉर्डर निवासी आशीष और करावल नगर दिल्ली निवासी सोहन पाल का हाथ है। एसपी सिटी अभिषेक वर्मा ने बताया कि हत्यारोपियों ने कैब को धौला कुआं से बुक किया था और रास्ते में टॉयलेट करने के बहाने कार को दिल्ली यूपी सीमा के पास रुकवा लिया था।

इसी दौरान चालक को कार में पीछे की तरफ खींचा और विरोध करने पर गोली मार दी थी। इसके बाद आरोपी चालक के शव को ठिकाने लगाने के लिए कैब को घुमाते हुए यूपी में आ गये। यहां मोहन नगर के पास पुलिस पिकेट लगाकर वाहनों की जांच कर रही है, तो लुटेरे कार को यहीं छोड़कर ऑटो से फरार हो गए थे।

एसपी ने बताया कि दोनों आरोपियों पर 40 से अधिक लूट, चोरी और अपहरण के मामले दर्ज हैं।

कार से आए चोर, लग्जरी गाड़ी लेकर हुए चंपत

गाजियाबाद। शहर में गाड़ियों की चोरी लगातार बढ़ती जा रही है। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के श्याम पार्क एक्सटेंशन में चोर चंद मिनटों में लग्जरी गाड़ी को उड़ा ले गए। बता दें चोरी की इस वारदात को अंजाम देने के लिए भी चोर कार से ही आए थे।

जानकारी के मुताबिक आई-20 कार से आए बदमाश बलेनो गाड़ी चोरी कर फरार हो गए। व्यापारी सुमित गोयल ने बताया कि रात के समय उन्होंने अपनी गाड़ी पार्क के पास खड़ी की थी लेकिन सुबह गाड़ी वहां नहीं थी। जिसके बाद सीसीटीवी चेक किया गया तो उसमें चोरों की करतूत दिखाई दी।

इंस्पेक्टर की शिकायत करने पर सिपाही सस्पेंड

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- प्रताड़ना का आरोप लगाकर किया था वीडियो वायरल, डीसीपी ने दिए जांच के आदेश

जिले में तैनात ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर की शिकायत ऑफिशियल व्हाट्सएप ग्रुप पर वायरल करने वाले सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया है। दूसरी ओर ट्रैफिक इंस्पेक्टर को पुलिस अधिकारियों ने क्लीन चिट दे दी थी। इसके बाद इंस्पेक्टर का एक और ऑडियो वायरल हो गया है। जिस पर दोबारा जांच का आदेश दिया गया है। ट्रैफिक कॉन्स्टेबल के सस्पेंशन पर बाकी पुलिसकर्मी खफा हैं। अब डीसीपी ट्रैफिक ने पूरे मामले की जांच करने के लिए एसीपी को आदेश दिया है।

बता दें कि कुछ दिन पहले सिपाही संजीव राणा ने पुलिस अधिकारियों के व्हाट्सएप ग्रुप में एक वीडियो डालकर इंस्पेक्टर पर प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। वीडियो वायरल होने के बाद जांच के आदेश जारी किए गए। जांच के बाद शिकायतकर्ता सिपाही को ही निलंबित कर दिया गया। यह मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि अब विवादित ट्रैफिक इंस्पेक्टर की एक ऑडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वह ऑटो चालक के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहा है। इंस्पेक्टर अपने व्यवहार को लेकर कई बार सवालों के घेरे में आ चुके हैं। ऑडियो संज्ञान में आने के बाद डीसीपी ट्रैफिक गणेश प्रसाद साहा ने जांच के आदेश दिए हैं।

दूसरी ओर इंस्पेक्टर का वीडियो शुरुआत में पुलिस अधिकारियों के ग्रुप में डालने पर अनुशासनहीनता मानते हुए ट्रैफिक कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया है। कॉन्स्टेबल के सस्पेंशन से साथी पुलिसकर्मी भी खफा हैं। इन लोगों का कहना है कि जिम्मेदार इंस्पेक्टर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई जबकि शिकायत करने वाले कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया।

हड़ताली सफाई कर्मियों ने बिखेरा कूड़ा, लाठीचार्ज

नोएडा पुलिस ने 6 को किया गिरफ्तार, कईयों पर एफआईआर-11 की सेवा समाप्त

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नोएडा प्राधिकरण के बाहर अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों ने शुक्रवार दोपहर शहर में उत्पात मचाया। शहर के उद्योग मार्ग पर कूड़ा कचरा फैला दिया जिससे भारी अव्यवस्था फैल गई। पुलिस ने सफाई कर्मचारियों को ऐसा नहीं करने की चेतावनी दी। इसके बावजूद सफाईकर्मी उत्पात मचाते रहे।

हालात काबू करने के लिए नोएडा पुलिस ने हलका लाठीचार्ज किया। वहीं धरना दे रहे छह सफाई कर्मियों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी से भड़के सफाई कर्मियों ने फिर शहर में जगह-जगह कूड़ा फेंक दिया तथा प्राधिकरण के गेट पर धरना देने के लिए जिद पर अड़े हुए थे। बाद में पुलिस ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया। हड़ताली कर्मचारियों के अड़ियल रवैये के कारण 11 कर्मचारियों की सेवाएं भी समाप्त कर दीं तथा कईयों के खिलाफ थाने में एफआई आर दर्ज करा दी गई है।

पक्की नौकरी के लिए प्रदर्शन, कचरा फेंककर मचाया उत्पात। फोटो : दीपक यादव

बता दें कि नोएडा विकास प्राधिकरण के खिलाफ सफाई कर्मियों का आंदोलन चल रहा है। इसमें तीन सफाई कर्मचारी आमरण अनशन पर प्राधिकरण कार्यालय के बाहर बैठे हुए हैं। शुक्रवार को अनशन के 3 दिन पूरे हो गए। एक सफाई कर्मचारी ने दो दिन पहले आत्महत्या कर ली थी जिससे हड़ताली कर्मचारियों में गुस्सा बढ़ रहा था। इसी सिलसिले में सफाई कर्मचारियों ने शुक्रवार दोपहर शहर भर से कूड़ा उठाकर विकास प्राधिकरण के बाहर और उद्योग मार्ग पर फैला दिया।

जानकारी मिली है कि उपद्रवी सफाई कर्मचारियों की ओर से पुलिस पर पत्थर भी फेंके गए। दूसरी ओर प्राधिकरण अधिकारियों का दावा है कि सफाई कर्मचारियों में बहुत कम लोग अब हड़ताल पर हैं। अधिकांश सफाई कर्मचारी गुरुवार को ही काम पर वापस लौट आए थे। नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को 90 प्रतिशत से ज्यादा सफाई कर्मचारियों ने शहर में साफ -सफाई की है। गुरुवार को 3,000 से ज्यादा कर्मचारियों ने अपनी हाजिरी भरी है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

फॉर्च्यून के लेबल लगाकर बेच रहे सरसों का तेल

समसपुर गांव में परचून की दुकान पर की गई छापेमारी

पुलिस ने मौके से 10 लीटर सरसों का तेल किया बरामद

गुरुग्राम। फॉर्च्यून कंपनी के फर्जी लेबल लगाकर सरसों का तेल बेचा जा रहा था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने संबंधित दुकान में छापेमारी की। इस दौरान खुलासा हुआ कि वहां फर्जी तरीके से तेल बेचकर कमाई की जा रही है। मौके से 10 बोतलें तेल की जब्त की गई। सब-इंस्पेक्टर विजेंद्र ने शुक्रवार को बताया कि दुकानदार को तेल सप्लाई देने वाली चेन को खंगाला जा रहा है।

अनलॉक होने के बाद से ही पुलिस को शिकायतें मिल थी गुरुग्राम के समसपुर गांव में नामी ब्रांड का स्टिकर लगाकर नकली तेल बेचा जा रहा है। गुरुवार को दिल्ली पश्चिम विहार निवासी विजय कुमार पंडित कि शिकायत पर सेक्टर-50 थाना पुलिस की टीम ने रात करीब 8 बजे समसपुर गांव स्थित परचून की दुकान पर छापा मारा।

38 ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के ग्रामीण फेस-2 का सर्वे शुरू

सर्वे में तैनात कर्मचारियों को 3 से 4 गांवों में सर्वे की सौंपी जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

बीडीपीओ कार्यालय में ब्लॉक कोडिनेटर गौरव कुमार ओडीएफ फेस-2 के तहत बैठक करते हुए।

खंड की 38 ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन के ग्रामीण फेस-2 के तहत ओडीएफ प्लस का सर्वे शुरू। यह सर्वे 31 अक्तूबर तक किया जाएगा। शुक्रवार को स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक कॉडिनेटर गौरव कुमार ने बताया कि खंड की सभी 38 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण फेस-2 के तहत ओडीएफ प्लस का सर्वे का कार्य शुरू किया है। जिसमें सर्वे टीम गांव-गांव, घर-घर जाकर सर्वे करेगी। गौरव कुमार ने शुक्रवार को सर्वे टीम में तैनात कर्मचारियों को 3 से 4 गांवों में सर्वे करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जो ओडीएफ प्लस एप द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में सामुदायिक व व्यक्तिगत स्तर पर बनाए गए ठोस व तरल कचरा कार्यों की सर्वे होगी। उन्होंने बताया कि ब्लॉक में 50 से अधिक सदस्यों की टीमें बनाई गई है। उन्होंने बताया कि सर्वे करने वाली टीम के पास स्मार्टफोन होगा। जिसमें राजकीय स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चौपाल आदि शौचालयों के निर्माण होने की जानकारी। व्यक्तिगत स्तर पर बनाएं गए शौचालय व उनके गड्ढों की सर्वे की जाएगी। जो सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय बनाएं गए है। क्या वर्तमान समय में उनका उपयोग हो रहा है। घरों में निजी स्तर पर बनाएं गए शौचालयों का उपयोग परिवार के कितने लोग उपयोग कर रहे है। खुले में शौच जाने वाले गांवों में लोगों की आबादी है। घर में शौचालय बनें होने के बावजूद खुले में शौच करने वालों की संख्या क्या है। ब्लॉक कोडिनेटर ने बताया कि सर्वे की जिम्मेदारी लेने के बाद टीमों ने कार्य को शुरू कर दिया है।

ऋण के लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा करे बैंक: एडीसी

एडीसी ने बैंकों की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की वचर्चुअल बैठक की अध्यक्षता कर कहा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अतिरिक्त उपायुक्त प्रशांत पंवार ने कहा कि जिला के सभी सरकारी व गैर सरकारी बैंक केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र व्यक्तियों को जल्द से जल्द ऋण उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। बैंक अपने यहां ऋण के लिए लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा करने का प्रयास करें।

एडीसी बैंकों की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में जिला की अलग-अलग बैंक शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए बैठक का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। बैठक के दौरान अतिरिक्त एडीसी ने सभी बैंकर्स को निर्देश दिए कि वे सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के आवेदकों को उदारता से ऋण सुविधा दें ताकि वे उन योजनाओं का लाभ उठाकर रोजगार के साधन जुटा सकें। पवार ने सभी बैंकों से आए अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि वे विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे एनआरएलएम, एनयूएलएम, मिनी डेयरी, पीएमईजीपी, एमएसएमई सहित अन्य योजनाओं का लाभ मुहैया करवाने के लिए पात्र व्यक्तियों की मदद करें।

बैठक में सरकारी प्रायोजित योजनाओं के तहत दिए गए ऋण पर भी विस्तार से चर्चा की गई। श्री पंवार ने कहा कि वे पीएम किसान क्रेडिट कार्ड के तहत अधिक से अधिक किसानों को जागरूक करने और पात्र किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए विशेष तौर पर अभियान चलाएं।

महिला का मंगलसूत्र झपटकर बाइक सवार फरार

गुरुग्राम। यहां कोर्ट में जा रही एक महिला से राजीव चौक पर दिनदहाड़े मोटरसाइकिल सवार बदमाश सोने का मंगलसूत्र छीना और फरार हो गए। महिला ने अपनी स्कूटी से बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे पकड़ में नहीं आ सके। देर शाम महिला की शिकायत पर शिवाजी नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गुरुग्राम पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने शुक्रवार को बताया कि घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। जानकारी के अनुसार सेक्टर-52 स्थित इंदिरा कॉलोनी नम्बर-1 निवासी महिला अनिता गुरुवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे किसी काम से अपनी स्कूटी पर कोर्ट आ रही थी।

आइसोलेशन सेंटर में शिफ्ट होंगे पॉजिटिव कैदी

गुरुग्राम। भोंडसी जेल में बंद कोरोना संक्रमित कैदियों को बेगमपुर खटोला गांव के सामुदायिक केंद्र में शिफ्ट किया जाएगा। इस केंद्र को आइसोलेशन सेंटर बनाया गया है। जिला उपायुक्त अमित खत्री ने जिला जेल अधीक्षक को आदेश दिए हैं कि बिना देरी के कोरोना संक्रमित कैदियों को इस आइसोलेशन सेंटर में भेजा जाए।

गुरुग्राम पुलिस को आइसोलेशन सेंटर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने को कहा गया है, ताकि कोई भी कोरोना संक्रमित कैदी वहां से भाग ना सके। कोरोना संक्रमित कैदी की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उसे आइसोलेशन सेंटर से जेल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पुलिस कर्मियों की होगी। जिला कारावास के अधीक्षक को आइसोलेशन सेंटर के अंदर नियमानुसार आतंरिक प्रबंधन तथा भर्ती कैदियों के रिकॉर्ड रखने आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। वे आइसोलेशन सेंटर में बेड, बर्तन, खान-पान आदि सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही स्टाफको स्क्रीनिंग तथा कैदियों में कोरोना के लक्षणों आदि के जांच में प्रयोग होने वाले उपकरणों, पीपीई किट, फेस मास्क, सैनेटाइजर, एप्रन, गलब्ज आदि की भी व्यवस्था जिला कारावास के अधीक्षक द्वारा की जाएगी। आइसोलेशन सेंटर में सफाई तथा सैनिटाइजेशन आदि के लिए पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। सिविल सर्जन को कोरोना संक्रमित कैदियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए आइसोलेशन सेंटर में जरूरत के अनुसार मेडिकल ऑफिसर व अन्य स्टाफ की तैनाती करने को कहा गया है।

लस्टर लास के नाम पर हैफेड ने काटे करोड़ों रूपये : पूर्व प्रधान

इन्द्री। अनाज मंडी में आढ़तियों, किसानों व मंडी से जुड़े सभी लोगों ने तीनों अध्यादेशों व कुछ अन्य बातों को लेकर रोष प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर मार्केट कमेटी सचिव को अपनी मांगो का ज्ञापन सौंपा।

इस मौके पर काफी संख्या में आढ़ती मौजूद रहे। इस बारे में जानकारी देते हुए पूर्व मंडी प्रधान समे सिंह कांबोज ने कहा कि पूरे प्रदेश में अनिश्चित कालीन हड़ताल की जा रही है ओर जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि सरकार की हैफेड एंजेसी ने लस्टर लास के नाम पर आढ़तियों के खातों से लाखों रूपये काट लिये है। पूरे प्रदेश में यह राशि करोड़ों रुपयों में होगी। उन्होंने कहा कि लस्टर लास में किसानों व आढ़तियों का कोई रोल नहीं होता है फिर भी सरकार ने मनमानी करते हुए यह राशि काटी है। समे सिंह ने कहा कि सरकार ने सीजन के दौरान लस्टर लास को स्वंय वहन करने की बात कही थी लेकिन फिर भी यह राशि काटी गई है। सरकार ने हमारी पिछले सीजन की जीरी की पेंमट का ब्याज अभी तक नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में सरकार किसानों, आढ़तियों व उनसे जुड़े मुनीम, पल्लेदार व मजदूरों को बेरोजगार करने पर तुली हुई है। किसान व आढ़ती एक साथ है, लेकिन सरकार इन दोनों को अलग करने पर जुटी है। हमारी सरकार से मांग है कि पुराने सिस्टम को ही लागू किया जाये ओर इन तीनों अध्यादेशों में जो खामियां है उनको दूर किया जाये।

बाजरे की खरीद को लेकर गहराया संकट

दो अभिलेखाकार कर्मी हुए दूसरी जगह ट्रांसफर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना मार्केट कमेटी विभाग कार्यालय एक मात्र ऑक्सन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) के सहारे चल रहा है। विभाग के कार्यालय में 6 में से 5 पद रिक्त होने से आगामी होने वाली बाजरे की खरीद को लेकर संकट गहरा गया है। सोहना अनाज मंडी में एक अक्तूबर से बाजरा की सरकारी खरीद शुरू होने जा रही है। मंडी में आने वाला बाजरा की आवक को मार्केट कमेटी विभाग कर्मचारी व अधिकारी अपनी देखरेख में करवाते हैं।

मार्केट कमेटी विभाग के स्थानीय कार्यालय में एकमात्र ऑक्सन रिकार्डर कर्मी (नीलामी अभिलेखा) है। हाल ही में विभाग कर्मचारियों के हुए तबादलों में दो ऑक्सन रिकार्डर कर्मी (नीलामी अभिलेखा) यहां से तावडू व रेवाड़ी के आदेश हो गए है। अब मार्केट कमेटी कार्यालय में एक मात्र ऑक्सन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) है। जिसके जिम्मे सुबह सब्जी मंडी के अलावा करीब 24 आढ़तों पर आने वाले अनाज की ऑक्सन कराना भी होता है। सब्जी मंडी में रोजाना 300 से 350 क्विंटल सब्जी की आवक व बिक्री होती है। जिसका लेखा जोखा ऑक्सन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) को ही करना होता है। कृषि विभाग के ब्लॉक अधिकारी अरूण कुमार सोलंकी ने बताया कि इस साल 18 हजार एकड़ में किसानों ने बाजरे की बिजाई की है।

बाजरा की खरीद को लेकर पसीना छूटा

मार्केट कमेटी विभाग के स्थानीय कार्यालय में सचिव, एकाउंटेंट और एक बाबू है। ऑक्सन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) एक होने के कारण यह कार्य अन्य कर्मचारी नहीं कर सकते है। एक दिन में 300 से 400 क्विंटल बाजरे की आवक होती है। पिछले साल बाजरे की आवक ने रिकार्ड कायम किया था।

मंडी निरीक्षक के पद रिक्त

सोहना अनाज मंडी में दो पद मंडी निरीक्षक के कई सालों से खाली पड़े है। जिनक पर तैनाती न होने से मंडी में आने वाली सब्जी व अनाज का निलामी कराने का जिम्मेदारी नीलामी अभिलेखा की बन जाती है। जिसे आवक के साथ-साथ बिकने वाले का रिकार्ड चढ़ाना, अंकित करना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा।

क्या कहना है सचिव

मार्केट कमेटी के सचिव नरेश कुमार ने बताया कि एक मात्र ऑक्सन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) से सब्जी और अनाज की नीलामी कराना बहुत ही मुश्किल होगा। उन्होंने बताया कि उच्चाधिकारियों को ऑक्सन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) जानकारी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुए ऑक्सन रिकार्डर (नीलामी अभिलेखा) के तबादलों के दौरान प्रदेश की अन्य किसी मंडी से यहा पर कोई नहीं आया है। छह में से पांच पद खाली होने से उनके लिए बाजरे की खरीद का ऑक्सन करना महाभारत बनता नजर आ रहा है।

हर चौथे महीने सैंपल अंबाला के अस्पताल भेजेंगे

कुरुक्षेत्र। लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल के नए भवन में ऑपरेशन थिएटर, एसएनसीयू और प्रसव कक्ष में हर चौथे महीने संक्रमण की जांच के लिए स्वैब कल्चर के सैंपल अंबाला छावनी के सिविल अस्पताल में भेजे जाएंगे। ये जानकारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेंद्र ममगाईं शैली ने शुक्रवार को अस्पताल में पुनर्गठित संक्रमण नियंत्रण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में पुनर्गठित इस समिति में आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम सुंदर अरोड़ा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मेजपाल, जिला गुणवत्ता प्रबंधक डॉक्टर प्रिया गुप्ता, मेट्रन राजकौर, आउटसोर्सिंग सुपरवाइजर पवन शर्मा और श्यामलाल को शामिल किया गया है।

बेदराम हत्याकांड में 8 में से 4 आरोपियों को मिली रिमांड

थाना पुलिस ने रिमांड पर आए हत्यारोपियों से झगड़े के दौरान उपयोग हथियार बरामद किए

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना से लगता जिला नूंह के गांव निवासी मृतक बेदराम हत्याकांड में अदालत ने 8 में से 4 आरोपियों को तीन दिन की रिमांड पर भेजा दिया है। रोजका मेव थाना पुलिस ने रिमांड पर आए हत्यारोपियों से झगड़े के दौरान उपयोग किए गए डंडे, फर्सा, लाठी आदि हथियार बरामद किए है। जबकि अन्य आरोपियों को लेकिन पूछताछ शुरू कर दी है।

रोजका मेव थाना पुलिस शुक्रवार को आटा निवासी मृतक बेदराम हत्याकांड में गिरफ्तार किए गांव के 8 नामजद आरोपी प्रवीण, हितेश, विजय, नरबीर, प्रकाश, राहुल, पंकज और निरजन को नूंह स्थित अदालत में पेश किया। मामले की जांच कर रहे एसआई श्योरनलाल ने बताया कि अदालत से पुलिस ने प्रवीण, हितेश, विजय और नरबीर को रिमांड पर दिए जाने की गुहार लगाई थी। क्योंकि इस झगड़े को भड़काने तथा हमला करने वालों में इन चारों आरोपियों की भूमिका अब तक की जांच मुख्य रुप से आ रहा है। उन्होंने बताया कि अदालत ने चारों आरोपियों को तीन दिन की रिमांड पर भेजा है। जिनसे पुलिस ने पूछताछ शुरू करते हुए झगड़े के दौरान उपयोग किए गए डंडे, लाठी व फर्सा को बरामदगी की जाएगी। जो झगड़े के बाद छूपा दिए गए थे। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि अन्य चार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है। ताकि निर्दोष को मामले में न फंसाया जाए।

गांव में पुलिस गार्द तैनात

इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि गांव आटा में आपसी भाईचारा खराब न हो। मामले को दोबारा से झगड़ा का रुप न दिया जाए। इसके लिए गांव पुलिस की गार्द तैनात कर दी गई है। पुलिस गार्द दोनों गुटों के लोगों पर बराबर की नजरें बनाएं हुए है। ताकि मामला दोबारा से किसी के भड़काउ बातों से न हो।

गांव में पसरा सन्नाटा

गांव आटा में 36 घंटा बीत जाने के बाद सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव की गलियां और मुख्य रास्तों पर ग्रामीणों का आवागमन कम है। जो लोग रोजीरोटी के लिए बाहर जाते है। वें सुबह शाम आ जा रहे है। जिस रास्ते पर दोनों गुटों के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान फेंकी गई ईंटें आज भी उसी स्थान पर पड़ी है।

क्या था मामला

गांव आटा में बुधवार को बच्चों के मामूली से झगड़े से दो गुटों में लाठी, डंडे, फर्सा व ईंट व पत्थर फेंके जाने से एक गुट से 10 लोग घायल हो गए थे। जिस गुट के दस लोग घायल हुए थे। उनमें झगड़े के दौरान लगी चोटों के कारण मरने वाला 50 वर्षीय बेदराम भी शामिल था। 9 घायलों का आज भी अस्पताल में उपचार चल रहा है। रोजका मेव थाना पुलिस ने मृतक बेदराम के पुत्र पोपसिंह की शिकायत पर करीब 18 नामजदों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए 8 को गिरफ्तार कर लिया था।

जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

कुरुक्षेत्र। एडीजीपी एवं हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो प्रमुख श्रीकांत जाधव के नेतृत्व में प्रदेशभर में नशे के विरुद्ध छेड़े गए अभियान का आज कुरुक्षेत्र में भी आगाज हो गया है। प्रधान का पद पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र को जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र विधि विभाग की प्रोफेसर सुशीला चौहान, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रेणु राघव, एडीआर सेंटर की अधिकारी रुमन गुप्ता और शिक्षक एवं समाजसेवी डॉ. भारतेन्दु हरीश को उप प्रधान नियुक्त किया गया। महासचिव के पद पर डॉ. अशोक कुमार वर्मा जबकि सचिव प्रोफेसर विवेक शर्मा को नियुक्त किया गया। कोषाध्यक्ष डॉ. अरुण धीमान, सह कोषाध्यक्ष कर्म चंद, मुख्य सलाहकार मदन मौजूद रहे।

अपराधों पर अंकुश को जनता करे सहयोग : भारती

आईजी ने जिले के मूनक थाने का उद्घाटन किया

पायनियर समाचार सेवा। असन्ध

आईजी भारती अरोड़ा मूनक थाने का उद्घाटन करते हुए

करनाल रेंज की आईजी भारतीय अरोड़ा ने कहा कि अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए जनता पुलिस का सहयोग करें वे आज जिले के असंध कस्बे में मूनक थाने का उद्घाटन करने आई थी। करनाल जिले के 18 वें थाने के तौर पर शुक्रवार को मूनक स्थित जागंडा चौपाल में मूनक थाने का करनाल जोन की आईजी भारती अरोड़ा ने उद्घाटन किया। उद्घाटन से पूर्व आईजी अरोड़ा को पुलिस के जवानों ने गार्ड आफ आनर दिया। इस दौरान नए थाना परिसर को रंग बिरंगे फूलों से सजाया गया। इस अवसर पर करनाल एसपी सुरेंद्र सिंह भोरिया भी उपस्थित थे इनके अलावा बख्शीश सिह पूर्व विधायक हल्का असंध, गुलाब सिह चैयरमैन मार्किट कमेटी असंध,भाजपा मुनक मण्डल अध्यक्ष महिपाल राणा, हवा सिह सरपंच गांव मुनक व थाना क्षेत्र में आने वाले गांवो के अन्य गणमान्य व्यक्तिगण भी मौजूद रहे। थाना मुनक का थाना अध्यक्ष उप निरीक्षक कुलदीप को नियुक्त किया गया। थाना मुनक में कुल 20 पुलिस कर्मी तैनात किये गयेआईजी करनाल भारती अरोड़ा और एसपी करनाल सुरेंद्र सिंह भोरिया ने आज रिबन काटकर और हवन यज्ञ में आहुति डाल मूनक में नए पुलिस थाने का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह एक थाना नहीं बल्कि एक इंसाफ और प्रगति का मंदिर है। इसमें नशे की चंगुल में फंसे युवाओं का पता लगा कर उनको नशे की लत से बहार निकालने का काम किया जाएगा। ताकि अन्य युवाओं पर इसका दुष्प्रभाव न पड़ सके। एसपी सुरेंद्र भौरियां ने कहा कि करनाल एक स्मार्ट सिटी है उसी तरह थाना मूनक के अंतर्गत आने वाले 15 गांव को भी करनाल की तरह स्मार्ट बनाना होगा। यह तभी संभव होगा जब गांव में आपसी भाईचारा मजबूत होगा। एसपी भौरिया ने कहा कि इस थाना क्षेत्र के अधीन 7 गांव घरौंडा थाना, सात गांव असंध थाना व एक निसिंग थाना से लिया गया है। 15 गांव के लोगों को यह थाना अपराध रोकने के इलावा कई अन्य सर्विस भी उपलब्ध करवाएगा।

किसान विरोधी फैसलों से अन्नदाता की कमर तोड़ रही भाजपा

इन्द्री। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन हरियाणा प्रदेश के चेयरमैन डा. सुनील पंवार व उनकी धर्मपत्नी इंद्री से कांग्रेस प्रत्याशी डा. नवजोत कश्यप ने अपने निवास स्थान पर साथियों के साथ बैठक कर किसान विरोधी अध्यादेश बारे बातचीत की।

बैठक में उन्होंने बताया कि कोरोना काल की आड़ में किसानों के विरूद्ध पास किये गए तीनों अध्यादेश के खिलाफ 21 सितम्बर को हरियाणा कांग्रेस प्रभारी विवेक बंसल, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षा कुमारी सैलजा, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, राष्ट्रीय सचिव वीरेन्द्र सिंह राठौर के निर्देश पर समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे हरियाणा में जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। डा.पंवार ने बताया कि यह कानून किसानों के लिए, गुलामी का फरमान लेकर आया है। अगर भारतवर्ष में यह कानून लागू होता है तो देश में निजी मंडियों की स्थापना हो जाएगी। इससे असीमित भंडारण की छूट बिचौलियो और व्यापारियों को मिलेगी। अनुबंधित कृषि शुरू होने से छोटे मंझले किसान अपनी ही भूमि पर मजदूर बन कर रह जाएंगे। डा. नवजोत कश्यप ने बताया कि भाजपा एक तरफ जहां चुनावी घोषणा पत्र में किसानों के लिए स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करना और किसानों की आय दोगुनी करने जैसे वायदे करती है वहीं दूसरी तरफ किसान विरोधी अध्यादेश लाकर किसानों की पीठ में छुरा घोंपने का काम करती है।

संक्षिप्त समाचार

सुदीप सुरजेवाला ने दिया किसान यूनियन को समर्थन

कैथल। भाजपा सरकार द्वारा किसानों व आढ़तियों पर लागू तीन अध्यादेश के विरोध में भारतीय किसान यूनियन व किसानों द्वारा कैथल लघु सचिवालय में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस काले कानून के खिलाफ पूरे देश के किसान,आढ़ती व मजदूरों में भारी रोष है। जहां इस आंदोलन को हर संगठन का साथ मिल रहा है तो वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी अपने साथियों के साथ भारतीय किसान यूनियन को अपना समर्थन देने के लिए आज धरने पर पहुंचे। सुदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो तानाशाही तरीके से किसानों के ऊपर काला कानून 3 अध्यादेश के रूप में थोंपने का काम किया है वो किसान,मजदूर व आढ़ती के बीच दरार व किसानों को सीधे तौर से खत्म करने का एक जाल है। उन्होंने कहा कि आज हम पार्टी के तौर पर नहीं बल्कि एक किसान के बेटे के तौर पर अपना समर्थन किसानों को देने के लिए आए हैं और इस लड़ाई में जो भी हमें जिम्मेदारी सौंपी जाएगी हम उसे निभाएंगे।

सीवर कनेक्शन और एसटीपी कार्यों को किया जाए पूर्ण

सोनीपत। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों की पूर्ण अनुपालना के उद्देश्य से उपायुक्त पूनिया ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 31 दिसंबर, 2020 तक सीवर कनैक्शन तथा एसटीपी संबंधी सभी कार्यों को पूर्ण किया जाए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की ढिल अथवा लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अन्य संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे इस कार्य में पूर्ण सहयोग करें। पूनिया ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने एनजीटी के निर्देशानुसार विशेष रूप से गंदे पानी की निकासी के प्रबंध किए जाने जरूरी हैं। इसके लिए सीवर लाइन तथा एसटीपी का काम पूरा करना होगा। नये सीवर कनेक्शन देते हुए निकासी की बेहतरीन व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि का यह सभी कार्य पूरे किये जायें। इसके लिए सभी विभाग आपसी तालमेल को बेहतरीन बनायें। पूनिया ने स्पेशल एन्वायरन्मेंटल सर्विलांस टास्क फोर्स (एसईएसटीएफ) को भी निर्देश दिए कि वे हर माह ऐसी औद्योगिक इकाइयों की गंभीरता से जांच करें जो जल प्रदूषण का कारण बनता है। ऐसी इकाइयों में जरूरी मानकों की पड़ताल की जाए। यदि कोई औद्योगिक इकाई भूजल दूषित करती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही केमिकल युक्त पानी खुले में छोड़ने वाली इकाइयों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई को अंजाम दें। उपायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को सेप्टी टैंकों की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सेप्टी टैंकों का पंजीकरण किया जाए। गैर-पंजीकृत सेप्टी टैंकों के चालान किये जायें। बिना पंजीकरण के इनको कोई अनुमति नहीं दी जाए। इसके अलावा उन्होंने गंदे पानी की निकासी को लेकर विस्तार से मंथन किया। उन्होंने कहा कि कहीं भी गंदे पानी का जमावड़ा नहीं होना चाहिए। गंदे पानी की निकासी को सुदृढ़ किया जाए।

तीन अध्यादेशों के विरोध में किसानों का धरना रहा जारी

कुरुक्षेत्र। तीन अध्यादेशों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन का लघु सचिवालय समक्ष धरना चौथे दिन भी जारी रहा। जिलाध्यक्ष कृष्ण कलाल माजरा ने कहा कि जब तक सरकार किसान विरोधी इन अध्यादेशों को वापस नहीं लेती, तब तक किसान चुप बैठने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी किसान केवल संघर्ष करता आ रहा है, लेकिन उसे उसकी फसलों के दाम लागत के आधार पर नहीं मिल रहा है। जब भी किसान अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते है सरकार किसानों के आंदोलन को दबा देती है लेकिन इस बार किसान आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार है। प्रदेश प्रवक्ता राकेश बैंस ने कहा कि वर्तमान सरकार दमनकारी नीतियों उतर आई है और डंडे के जोर से और पुलिसिया रौब से किसानों की आवाज को दबाना चाहती है। किसान न तो जेलों में जाने से डरता है और न ही डंडे के जोर से डरने वाला है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे जागरूक हो क्यों कि अब आर-पार की लड़ाई की समय आ चुका है। उन्होंने कहा कि 19 सितंबर तक किसानों का धरना इसी तरह जारी रहेगा। यदि सरकार ने ये काले अध्यादेश वापस नहीं लिए तो किसान 20 सितंबर को पूरे प्रदेश में तीन घंटे तक प्रदर्शन करते हुए जाम लगाएंगे। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष कर्म सिंह मथाना ने 20 सितंबर के जाम लगाए जाने बारे बताते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र से यमुनानगर रोड का जाम गांव सुरा में ब्लाक प्रधान कवरपाल डुड्डा और युवा ब्लाक प्रधान नवीन सुरा के नेतृत्व में लगाया जाएगा। कुरुक्षेत्र से पिहोवा रोड पर जाम गांव मुकीमपुरा में पिहोवा युवा प्रधान सुखविंदर मुकीमपुर के नेतृत्व में लगाया जाएगा। अंबाला से हिसार रोड का जाम कस्बा इस्माइलाबाद में गुरनाम सिंह चम्मू के नेतृत्व में लगाया जाएगा। शाहबाद से पंचकूला रोड का जाम राधा स्वामी सत्संग भवन के पास ब्लॉक प्रधान हरकेश खानपुर के नेतृत्व में लगाया जाएगा। कुरुक्षेत्र से किरमिच रोड का जाम गांव किरमच चौक पर सोहन सिंह बारवा के नेतृत्व में लगाया जाएगा।

लॉकडाउन : घरों में कैद महिलाओं को डिप्रेशन से निकालेंगे

कुरुक्षेत्र। सर्व खाप महापंचायत की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष दहिया ने कहा कि उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि लॉकडाउन में घरों में कैद महिलाओं को डिप्रेशन से बाहर निकालने के लिए जो ग्रुप शुरू कर रही है वह ग्रुप नहीं बल्कि एक विशालकाय संगठन बन जाएगा। देखते ही देखते हजारों महिलाएं उस संगठन में शामिल हो जाएंगी। महिला खाप महापंचायत के एक ग्रुप से महिलाओं को जोड़ना शुरु किया था, लेकिन आज महिला खाप महापंचायत के 29 ग्रुप बन चुके हैं और लगातार महिलाएं इस संगठन से जुड़ रही हैं। उन्होंने बताया कि हम हर रोज इसी ना किसी विषय पर चर्चा करते हैं जिसमें महिलाएं खुलकर अपने मन की बात रखती हैं अब तक 50 से ज्यादा विषयों पर महिलाएं चर्चा कर चुकी हैं। डॉ सन्तोष दहिया ने बताया कि यह संगठन जेंडर इक्वेलिटी पर काम करेगा। संगठन में लगभग हर फील्ड से महिलाएं जुड़ी हुई है जिनमे डॉक्टर, वकील, रिटायर्ड जज, बिजनेस वोमेन, अध्यापिकाएं, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, मोटिवेटर, काउंसलर, विद्यार्थी, अमीर -गरीब,जवान- बुजुर्ग हर तबके की महिला जुड़ी है। संतोष दहिया ने बताया कि संगठन की प्रबुद्ध महिलाओं ने एजेंडा तैयार कर लिया है। महिला खाप महापंचायत महिलाओं के हुनर को तराश कर लघु कुटीर उद्योग की तरफ ले जाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका अदा करेगी। इस अवसर पर ममता बूढ़ा, प्रिंसिपल दलजीत कौर संधू, पूनम कुमारी, इंजीनियर मुकेश मान, अध्यापिका अनुराधा शर्मा, अध्यापिका गुलाब कौर, सीमा रानी, प्रिंसिपल बबली देवी, विजय भारती, जसविंदर कौर, एसोसिएट प्रोफेसर सजनी देवी, एडवोकेट सुनीता यादव, इंस्पेक्टर दया कौर, सरोज शर्मा, अनिता भार्गव, गीता बपदी, पूजा मोरवला आदि मौजूद रहीं।

बीके दे रहा कोरोना को बढ़ावा ईएसआई में बिस्तरों का अभाव

पायनियर ने शुक्रवार के अंक में छापी थी, एक बिस्तर पर दो-दो मरीजों की खबर

छपी खबर में था अपातकालीन कक्ष में एक बिस्तर पर जिन मरीजों का जिक्र, उन्हीं में से निकले कई पॉजिटिव

कविता। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में गत बृहस्पतिवार को एक बिस्तर पर दो मरीजों को भर्ती करके अस्पताल प्रबंधन ने कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही थी। इस खबर को पायनियर ने अपने शुक्रवार के अंक में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया। बृहस्पतिवार की देर रात पता चला कि इनमें से तीन मरीज पॉजिटिव पाए गए। तीनों को रेफर कर दिया गया। लेकिन जिसमें एक मरीज को कोविड अस्पताल से आईसीयू में बिस्तर न होने की बात कहकर लौटा दिया। वहीं इसके बाद भी बीके अस्पताल प्रबंधन की तरफ से कोरोना से बचाव के नियम नहीं अपनाये गए। बल्कि यहां पॉजिटिव आये मरीजो के बिस्तरों और ऑक्सीजन वाले मास्क को बिना सैनिटाइज के दूसरे मरीजों पर इस्तेमाल किया जा रहा है। इसकी जानकारी पायनियर को सम्पर्क सूत्र ने दी।

बीके अस्पताल खुद उड़ा रहा सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में डब्ल्युएचओ द्वारा जारी की गई कोरोना गाइडलाइंन की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। न तो ओपीडी में और न ही वार्डों में सोशल डिस्टेंसिंग नजर आ रही है। अपातकालीन कक्ष में एक बिस्तर पर दो मरीजों को भर्ती करके कोरोना नियमों की धज्जियां अस्पताल प्रबंधन द्वारा खुद उड़ाई जा रही है। ऐसा ही अस्पताल में बृहस्पतिवार को देखने को मिला।

एक बिस्तर पर दो मरीज : अपातकालीन कक्ष में दो में से एक कक्ष बृहस्पतिवार को पूरा खाली था। दूसरे में एक-एक बिस्तर पर दो-दो मरीजों को भर्ती करके रखा गया था। जहां एक तरफ कोरोनाकाल में बच्चों और बुजुर्गों को कोविड-19 से बचाव का संदेश सरकार की तरफ से दिया जा रहा है। वहीं बीके में बुजुर्ग और बच्चों को एक ही बिस्तर पर भर्ती किया गया है। वहीं वयस्क मरीजों के साथ बुजुर्ग भी दाखिल देखे गए।

नहीं था डिस्टेंस : अस्पताल में मौजूद ओपीडी के कमरा नम्बर-19 के बाहर मरीजों का जमावड़ा इस तरह से लगा था कि कोरोना जिले में समाप्त हो गया है। वहीं औषधालय के बाहर लम्बी लाइन में महिलाएं एक दूसरे से सट कर खड़ी नजर आईं। ऐसे में यहां अस्पताल प्रबंधन की तरफ से कोरोना से बचाव की जानकारी देने वाला कोई नहीं था।

लगी भीड़ : बीके की ओपीडी में मौजूद अल्ट्रासाउंड केन्द्र के बाहर भी मरीजों की भीड़ लगी हुई थी। जहां गर्भवती और अन्य मरीजों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग न के बराबर देखी गई। यहां गर्भवती महिला फर्श पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करती नजर आई। यही हाल अस्पताल के वेटिंग रूम्स में देखने को मिला। वहां भी मरीजों के तीमारदारों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती नजर आई।

शुक्रवार को पायनियर में छपी एक बिस्तर पर दो मरीजों की फोटो के साथ खबर की कटिंग

बुजुर्ग थे शामिल

बीके में पॉजिटिव आने वाले मरीजों में बुजुर्ग ही शामिल है। जिसमें एनएच-एक, नंगला और सेक्टर-23 इत्यादि इलाकों के 60 से 85 वर्ष की उम्र में मरीज शामिल थे। उनमें से जनरल वार्ड के मरीजों को तो कोविड-19 अस्पताल में भर्ती कर लिया गया, लेकिन आईसीयू के मरीजों को लौटा दिया गया। वापस लौटाई गई महिला मरीज को सांस लेने में दिक्कत थी और वह बृहस्पतिवार की सुबह बीके अस्पताल में भर्ती हुई थी। भर्ती होने के दौरान भी उसने सांस लेने की दिक्कत चिकित्सक को बताई थी।

एक बिस्तर पर दो मरीज

अपातकालीन कक्ष में दो में से एक कक्ष बृहस्पतिवार को पूरा खाली था। दूसरे में एक-एक बिस्तर पर दो-दो मरीजों को भर्ती करके रखा गया था। जहां एक तरफ कोरोनाकाल में बच्चों और बुजुर्गों को कोविड-19 से बचाव का संदेश सरकार द्वारा दिया जा रहा है। वहीं बीके में बुजुर्ग और बच्चों को एक ही बिस्तर पर भर्ती किया गया है। वहीं व्यस्क मरीजों के साथ बुजुर्ग भी दाखिल देखे गए। अस्पताल प्रबंधन की इस लापरवाही से यहां शाम तक करीब पांच मरीज पॉजिटिव आ गए।

नहीं किया भर्ती

आपातकालीन कक्ष में देर रात तक पॉजिटिव मरीज आते रहे और अस्पताल में आने वाले मरीजों को एक के बाद एक कोविड-19 अस्पताल में भेजा जाने लगा, लेकिन वहां कोरोना के मरीजों को भर्ती करने के लिए आईसीयू में बिस्तर ही उपलब्ध नहीं थे। जिस पर मरीज को वापस लौटा दिया। मरीज को एक बार फिर बीके लाया गया। लेकिन यहां उसकी सुनवाई नहीं हुई। जिस पर मरीज के परिजन उसे निजी अस्पताल में लेकर चले गए।

कोरोना: दो मौतें, 287 पॉजिटिव, आंकड़ा 17268

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में जिस रफ्तार से कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, ठीक उसी रफ्तार से पॉजिटिव मरीज कोरोना को जिले में मात दे रहे हैं। शुक्रवार को 24 घंटे में 298 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 88.3 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं 287 पॉजिटिव सामने आने से कोरोना का आंकड़ा जिले में 17,268 पर पहुंच गया। वहीं जिले में लगातार मृतकों की संख्या भी बढ़ रही है। शनिवार को मृतकों की संख्या का आंकड़ा 200 को पार कर गया।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में सेक्टर-नौ निवासी 55 वर्षीय और एनएच-तीन निवासी 58 वर्षीय दो व्यक्तियों ने दम तोड़ दिया। दोनो ही कोरोना के अलावा अन्य कई तरह की बीमारियों से ग्रस्त थे। वहीं 287 पॉजिटिव में सेक्टर-88, एयरफोर्स, शिवदुर्गा विहार, यादव कालोनी, मेवला महाराजपुर, खेड़ी कला, कृष्णा कालोनी, आदर्श नगर, सेक्टर-62, 22, 37, 78, 82, 9, सारन, मुजैड़ी, एनएच-दो, ईएसआईसी कैम्पस, मोहबताबाद, धौज, भनकपुर, अमर नगर, इंदिरा कॉम्प्लैक्स, न्यू जनता कालोनी, तुलसी कालोनी, ओल्ड प्रैस कालोनी, बड़ौली, पुरी प्रणायाम, जसाना, मच्छगर, जुन्हैड़ा, दयालपुर, अहीरवाड़ा, सैनिक कालोनी, जैन कालोनी, डींग, भारत कालोनी, हरी बिहार, नीमका जेल से 1-1 मरीज शामिल है। सेक्टर-3, बल्लभगढ़, चार्मवुड, चंदावली, भुदत्त कालोनी, सेहतपु, सेक्टर-16, अजरौंदा, छायंसा, तिगांव, पर्वतीया कालोनी से 2-2 मरीज है। एसजीएम नगर, एनएच-तीन, एनएच-5, सेक्टर-70 से 3-3 मरीज है। सेक्टर-23, से 4, सेक्टर-55 से 9, डबुआ कालोनी से 6 और अन्य एरियों से 155 मरीज है।

यह है आंकड़े

अब तक कुल जांच	177257
अब तक रिपोर्ट नेगेटिव	159622
रिपोर्ट आनी शेष	367
अब तक पॉजिटिव	17268
अब तक कुल ठीक	15250
अब तक कुल मौत	201
गंभीर हालत में भर्ती	56
आईसीयू में है भर्ती	04

संक्षिप्त समाचार

नोटिस मिलने का ऑटो मार्केट के दुकानदार ने किया विरोध

फरीदाबाद। तिकोना पार्क ऑटो मार्किट के प्रधान देविंद्र रतड़ा ने बताया की नगर निगम ने लीज़ की अवैध रूप से बनी दुकानों को तोड़ने का 15 सितम्बर का नोटिस दिया है। जबकि कम्प्लेक्स ने उन्हें यह दुकाने 99 साल की लीज़ पर दिया था। निगम ने उन्हें अवैध तरीके से बनाने का नोटिस दिया है कि वह 7 दिनों में अपना अवैध निर्माण हटा ले। जिसको लेकर शुक्रवार को मार्किट के दुकानदारों ने नगर निगम के जॉइंट कमिश्नर प्रशांत अटकन से मुलाकात की। दुकानदारों ने जॉइंट कमिश्नर को नोटिस के बारे में अवगत कराया। जॉइंट कमिश्नर ने दुकानदारों को आश्वाशन देते हुए कहा कि कि वह किसी की दुकान नहीं तोडना चाहते, लेकिन जिस तरह निगम ने तिकोना पार्क की लीज़ की दुकानों को जिस भी तरह दिया था वह उस तरह से अपनी दुकान को कर ले या फिर उन दुकानों को फ्री होल्ड करवा ले या फिर जिन दुकानदारों ने अवैध रूप से बना रखा है, उस का नियम अनुसार फीस जमा करा दें। इस बाबत उन्होंने दुकानदारों से 7 दिनों में जवाब मांगा है। जिस से उन की दुकानों को बचाया जा सकता है। इस मौके पर दीन मोहमद, हनीफ खान, संजय भारद्वाज, अली खान, निसार खान, बाबू खान, रणधीर कुमार, सोनू कुमार आदि दुकानदार मौजूद थे।

इंजीनियर दिवस पर बनाए वर्किंग मॉडल

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड और जूनियर रेडक्रॉस के सौजन्य से आयोजित किए गए वर्चुअल कार्यक्रम में अभियंता दिवस पर बालिकाओं के वर्किंग मॉडल बना कर भारत रत्न डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की सेवाओं के प्रति आभार प्रकट किया। देश के विकास में इंजीनियर्स का बहुत बड़ा रोल है। आपदा से लेकर निर्माण तक इंजीनियर्स के बिना कुछ भी नहीं हो सकता। देश के विकास के धूरि इंजीनियर्स ही हैं। भारत रत्न सर डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस के रूप में इसे भारत में मनाया जाता है। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जन्म मैसूर में 15 सितम्बर 1861 को हुआ था। विश्वेश्वरैया भारतीय सिविल इंजीनियर, विद्वान और राजनेता थे। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने बताया कि सर एम. विश्वेश्वरैया एक होनहार इंजीनियर थे और उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्यों जैसे नदियों के बांध, पुल और पीने के पानी की स्कीम आदि को कामयाब बनाने में अविस्मरणीय योगदान दिया है। उनके इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विशेष योगदान को सम्मानित करने के लिए उन्हें 1955 में भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया।।

एसकेजेसीए ने जीता छह विकेट से मैच

फरीदाबाद। छठां ऑल इंडिया रविंद्र फागना अंडर 17 क्रिकेट टूर्नामेंट में एसकेजेसीए अकैडमी ने रविंद्र फागना क्रिकेट अकैदमी (पाली) को 6 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। इस मौके पर बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 40-40 ओवर का था। रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी (पाली) ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्यण लिया। रविंद्र फागना क्रिकेट अकैदमी (पाली) की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 32.1 ओवर में 10 विकेट पर 120 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए कृष्णा भड़ाना ने 34 रन, कुनाल ने 25 रन और हरीश भड़ाना ने 15 रन बनाए। एसकेजेंसीए अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए आयुष नेगी ने 5 विकेट, देव बिछुरी ने 2 विकेट, वासु यादव ओर अनिल सिंहमार ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए एसकेजेंसीए अकादमी की टीम ने 18.1 ओवर 4 विकेट में 122 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल किया। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए जतिन शर्मा ने 37 रन, भारत रावत ने 33 रन और मुदास्सर अली ने 23 रन बनाए। रविंद्र फागना क्रिकेट अकैदमी (पाली) की और से गेंदबाजी करते हुए अनिक गौर ने 2 विकेट, वैभव सिंह ओर अन्नु भड़ाना ने 1-1 विकेट लिए। लाखन एंपायर के द्वारा आयुष नेगी को मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

आज पावर रहेगी कट

फरीदाबाद। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से मरम्मत कार्य के चलते विभिन्न इलाकों में पॉवर कट रहेगा। तिकोना पार्क एरिया में केबल वर्क के चलते नीलम और एलआईसी एरिया में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक बिजली नहीं आएगी। एनएच-5 ए, बी, सी, जी, एच, जे, निशन हट व भगत सिंह कॉलोनी एरिया में सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक बिजली स्पलाई बंद रहेगी। सेक्टर-15 ए, सेक्टर-15 बी, पारसनाथ, एल्डिको, टेलीफोन एक्सचेंज, एस्कॉर्ट्स-1, डेल्टॉन केबल, जिमखाना, थॉमशन प्रेस, प्रेरणा, सेक्टर-12, नेहरू कॉलेज व दौलताबाद सुबह 9.30 से 11.30 बजे तक बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी।

स्क्रैप व्यापारी से 2.25 लाख लूटे

फरीदबाद। बड़खल की जमाई कालोनी में स्थित एक कबाड़े के गोदाम पर शुक्रवार की दोपहर को कुछ लोगों ने हमला कर दिया। आरोपी व्यापारी को घायल कर करीब सवा दो लाख रुपये लूट कर फरार हो गए। घायल व्यक्ति को बीके अस्पताल में दाखिल कराया गया है। नेहरू कालोनी निवासी इरशाद ने बताया कि उसके चाचा युसूफ बड़खल की जमाई कालोनी में रबड़ स्क्रैप का गोदाम चलाते हैं। अन्य दिनों की तरह शुक्रवार को भी वे अपने गोदाम में बैठ कर काम कर रहे थे। तभी दोपहर करीब दो बजे के आसपास कुछ लोगों ने गोदाम पर हमला कर युसूफ के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान युसूफ के भाई ने बचाने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उसे भी घायल कर दिया। जिसके बाद आरोपीन सवा दो लाख रुपये लूट कर मौके से फरार हो गए। दोनों घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

हिंदी भाषा न आने पर महिला भटकी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गुरूग्राम से उड़ीसा स्थित अपने गांव जा रही एक महिला पिछले दिल्ली में भटक गई। महिला को हिंदी बोलना नहीं आता था। जिससे वह पता नहीं बता पा रही थी। इस दौरान महिला का मानसिक संतुलन भी बिगड़ गया। सामाज सेवियों ने महिला को जेल रोड स्थित निर्मल छाया आश्रम की वेलफेयर ऑफिसर भावना ने इसकी सूचना स्टेट क्राइम ब्रांच फरीदाबाद में तैनात एएसआई अमर सिंह को दी। अमर सिंह ने उस महिला की बात उड़ीसा के एक दोस्त से कराई। लेकिन महिला अपना पता नहीं बता पा रही थी, क्योंकि उस समय तक भी उसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं था। पांच-छह दिन बाद दोबारा भावना ने काउंसलिंग की तो उसने स्कूल वाली गली डूंडाहेड़ा और पति का नाम राजेंद्र बताया तब एएसआई अमर सिंह, एएसआई शीतल, सिपाही मोहनलाल तलाश में जुट गए। डूंडाहेड़ा थाना का नंबर लेकर वहां फोन किया। थाने के मुंशी से बात हुई जिन्होंने राइडर वालों को अमर सिंह का नंबर शेयर किया और मौके पर भेजा। एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद स्टेट क्राइम ब्रांच फरीदाबाद और डूंडाहेड़ा सिपाही जसकरण की मेहनत रंग लाई और इस महिला का पति राजेंद्र मिल गया। उसने बताया यह जिद करके घर से चली गई थी कि मुझे गांव जाना हैं। मैं इसको ढूंढ ढूंढ थक चुका था। 16 सितंबर को राजेंद्र तिहाड़ जेल रोड निर्मल छाया कंपलेक्स पहुंचा। जहां वेलफेयर ऑफीसर भावना ने सारी प्रक्रिया पूरी करके महिला को उसके पति के हवाले कर दिया।

अब छात्र मन चाहे परीक्षा केन्द्र में दे सकेंगे एग्जाम

फरीदाबाद। एमडीयू ने वाजिब कारणों से परीक्षा के विकल्प बदलने की इच्छा रखने वाले छात्रों की सहूलियत के लिए एक योजना बनाई है। इस योजना के तहत एमडी यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं में छात्रों को संस्थान स्तर पर ही परीक्षा देने का विकल्प बदलने का मौका मिलेगा। इसके लिए छात्रों को संस्थान के निदेशक या प्रिंसिपल से अनुमति लेनी होगी। एमडीयू ने सभी संबंधित कॉलेजों में इसे लेकर निर्देश जारी कर दिए हैं। यूनिवर्सिटी के अनुसार छात्रों की तरफ से परीक्षा के विकल्प में बदलावों की मांग की जा रही है। कोई छात्र इंटरनेट कनेक्टिविटी व अन्य तकनीकी कारणों के चलते पहले से ऑनलाइन चुने जा चुके विकल्प को ऑफलाइन में बदलना चाहते हैं, तो कोई बीमारी से पीड़ित होने पर ऑफलाइन चुने गए विकल्प को ऑनलाइन में बदलना चाहते हैं।

नकली आईपीएस निकला ड्रग्स तस्कर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 30 क्राइम ब्रांच ने 10 सितंबर को बदरपुर बॉर्डर एरिया से जिस नकली आईपीएस अधिकारी अबंग मेहताब व उसके साथी कबीर खान को गिरफ्तार किया था। उन्होंने पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में ड्रग्स तस्करी का भी खुलासा किया है। इन दोनों को दिल्ली एनसीआर से चोरी की लग्जरी कारों को मणिपुर ट्रांसपोर्ट कर बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

अब पुलिस ने इसी कड़ी में चोरी की कार खरीदने वाले मणिपुर निवासी दो अन्य आरोपी मोहम्मद असकर को उसके गांव चोबाक लिलोंग, थौबल, मणिपुर से गिरफ्तार किया। तभी दुसरे आरोपी अरिबम गुनानांडा को खबर लग गई की पुलिस ने उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है तो वह मणिपुर से कलकता भागने के लिए इंफाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंच कर इंडिगो एयरलाइंस से कोलकाता जाने के लिए फ्लाइट में बैठ चुका था। फ्लाइट रनवे पर थी। वह अपने मंसूबे में कामयाब हो पाता । उससे पहले ही क्राइम ब्रांच प्रभारी विमल को सूत्रों से सूचना मिली की अरिबम गुनानांडा की इम्फाल इंटरनेशनल एअरपोर्ट से कोलकाता भागने की तैयारी में है। इंस्पेक्टर विमल ने तुरंत फ्लाइट की टाइमिंग का पता करके तुरंत एयरपोर्ट पहुंचे, फ्लाइट दोपहर 1.30 बजे की थी। प्लेन रनवे पर था और टेक ऑफ करने ही वाला था कि क्राइम ब्रांच ने एअरपोर्ट के उच्च अधिकारियों की मदद से प्लेन को रनवे पर ही रुकवाकर आरोपी को गिरफ्तार किया। क्राईम ब्रांच आरोपी को गिरफ्तार कर 3 दिन के ट्रांजिट रिमांड पर फरीदाबाद लाए हैं। जिन्हें 18 सितंबर को कोर्ट में पेश करके पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई।

विभिन्न मांगों को लेकर पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा गवर्मेंट पीडब्लूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन ने शुक्रवार को कैनाल कॉलोनी में जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व ब्रांच के प्रधान जगदीश चंद्र कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व प्रांतीय प्रधान एवं सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल और जिला प्रधान अतर सिंह मौजूद रहे। गुस्साए कर्मचारियों ने जमकर सरकार विरोधी नारे लगाए। कर्मचारी नए नॉर्म्स को रद्द करो, पुराने नियम बहाल करो के नारे लगा रहे थे। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने बताया कि सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता ने 20 अगस्त 2020 को नए नॉर्म्स लागू कर दिए हैं। जिसके तहत 10 किलोमीटर पर एक बेलदार का पद मंजूर किया गया है। जबकि 12.6. 1980 को जेएलएन के मुख्य अभियंता ने मेन कैनाल पर एक किलोमीटर के अंदर एक बेलदार का पद मंजूर कर रखा था।

इस पत्र को 2003 में तत्कालीन सरकार ने संशोधित कर दिया। इसके तहत 5780 बेलदारों के पदों को समाप्त करके 4900 कर दिया गया था। उसके बाद 2005 में नई सरकार आई उसने सिंचाई विभाग के बेलदारों के पद घटाकर केवल 3900 कर दिए। अभी इस सरकार ने इन पदों को भी समाप्त करना शुरू कर दिया है। यूनियन सरकार की निजीकरण की नीतियों का डटकर विरोध करेंगे। किसी भी सूरत में सिंचाई विभाग में कर्मचारियों के पद समाप्त नहीं होने दिए जाएंगे क्योंकि सरकार कर्मचारियों से नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की बात करती है।

अवैध बोरिंग करने पर नौ मुकदमे दर्ज, लोगों ने लगाया जाम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सरकार के आदेशों की अवहेलना कर जिले में अवैध बोरिंग करने वालों के कनैक्शन काटकर मामले दर्ज किए जा रहे है। जिससे शुक्रवार को जिले में पानी के टैंकरों से सप्लाई करने वालों ने हड़ताल कर दी। वहीं जिले की विभिन्न कालोनियों में पानी की किल्लत को देखते हुए लोगों ने जगह-जगह विरोध प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। वहीं अवैध बोरिंग करने वालों के खिलाफ विभिन्न थानों मे 9 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक फरीदाबाद में बढ़ते जल संकट को देखते हुए हरियाणा सरकार द्वारा नगर निगम की इजाजत के बिना कोई भी बोरवैल न लगाने के आदेश दिए गए हैं। परन्तु सरकार के आदेशों की अवहेलना करते हुए कुछ व्यक्तियों ने आरओ प्लांट और अवैध बोरवैल लगवा लिए हैं। नगर निगम की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने विभिन्न थानों में 9 व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत मुकदमा दर्ज कर कानून के तहत कार्यवाही की गई है। इसमें थाना सेक्टर 17 में 1, थाना पल्ला में 3 और थाना खेड़ीपुल में 5 मुकदमें शामिल हैं। वही अवैध रूप से बने इन आरओ वाटरों के बंद होने से जिले में पेयजल सप्लाई बंधित हो गई। कुछ सप्लायरों ने रेट बढ़ा दिए। जिससे लोगों ने जगह-जगह जाम लगा दिया। वह सप्लायरों द्वारा मंहगे दामों में सप्लाई होने वाले पानी और निगम के द्वारा पेयजल आपूर्ति ठीक से न किए जाने को लेकर नारेबाजी करते नजर आए।

डालसा ने करवाए मास्क वितरित

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता व न्यायाधीश मंगलेश कुमार चौबे सीजेएम कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के निर्देशानुसार जिले में विभिन्न स्थानो पर मास्क का मुफ्त वितरण पैनल अधिवक्ताओं व समाजसेवियों द्वारा किया जा रहा है। इसी कड़ी में भारतीय मीडिया विकास परिषद हरियाणा के चेयरमैन सुनील कुमार जांगड़ा ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं सीजेएम मंगलेश कुमार चौबे के नेतृत्व में कोरोना से बचाव के लिए समाजसेवियों द्वारा बड़े स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान निरंतर जारी है न्यायाधीश मंगलेश कुमार चौबे के निर्देशन में फेस मास्क वितरण प्रक्रिया के अलावा वाहन चालकों पैदल चलने वाले लोगों को भी बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है माननीय न्यायाधीश महोदय का नेतृत्व बहुत ही सराहनीय और प्रशंसनीय है ।

बेरोजगार युवाओं को ऋण मुहैया करवाएं बैंक: डॉ. मिश्रा

रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए बैंको द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किया जा रही है।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

औद्योगिक नगरी बल्लभगढ़ के साथ-साथ जिला फरीदाबाद में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार बेरोजगारो को रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए बैंको द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किया जा रही है। इसके लिए बेरोजगार लोगों को प्रशिक्षण देने के उपरांत बैंको के माध्यम से अलग अलग योजनाओं के अनुसार सस्ती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। यह बात जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक डॉ. अलभ्य मिश्रा ने बैंकों की जून तिमाही 2020-21 की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में संबोधित करते हुए कही।

जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने कहा कि जिला के सभी बैंकों में कुल जमा राशि 46 हज़ार 250 करोड़ तथा बैंकों द्वारा प्रदत बकाया ऋण 24 हजार 228 करोड़ है। जिला मे ऋण जमा अनुपात 52.5 प्रतिशत है। जो कि जून 2019 तिमाही के सापेक्ष जमा राशियों में 12.78 प्रतिशत वृद्धि और अग्रिम ऋण में 4.48 प्रतिशत की कमी प्रदर्शित करता है। जिला मे बैंकों द्वारा प्राथमिक क्षेत्र में 11 हजार 603.5 करोड़ रुपये की धनराशि जो कुल ऋण का 47.8 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि कृषि हेतु अग्रिम 652.3 करोड़ रुपये की धनराशि तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के अंतर्गत 7951.9 करोड़ रुपये की धनराशि का ऋण बकाया है। यह कुल ऋण राशि का 32.7 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि विगत तिमाही में जिला के बैंकों द्वारा कृषि क्षेत्र में 90.6 करोड़ रुपये, एमएसएमई में 1 हजार 075.4 करोड़ रुपये की धनराशि के साथ कुल प्राथमिक क्षेत्र में 1 हजार 484.6 करोड़ रुपये की धनराशि, गैर प्राथमिक क्षेत्र में 1 हजार 668.7 तथा कुल 3 हजार 163.6 करोड़ रुपये की धनराशि का ऋण वितरित किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि पशुओं के रख रखाव हेतु पशु किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत बैंकों द्वारा 1 हजार 947 करोड़ रुपये की धनराशि के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। घुमंतू विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर) हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में जारी स्कीम प्रधानमंत्री स्वनिधि में पोर्टल पर 1 हजार 530 करोड़ रुपये की धनराशि के ऋण आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं, जिसमें से बैंकों द्वारा 373 पत्रावली मूल तथा सैद्धांतिक रूप से स्वीकृत की जा चुकी है।

हरियाणा सरकार द्वारा संचालित www.atamnirbhar.haryana.gov.in पोर्टल पर मुद्रा शिशु लोन, डीआरआई/DRI तथा शिक्षा ऋण ऑनलाइन आवेदित किए जा रहे हैं। इसमें अभी तक 500 से अधिक ऋण आवेदन प्राप्त हुए है। जिन्हें बैंक अति शीघ्रता से निपटाने में लगे हैं। डीआईसी, केवीआईसी, एनयूलएम, एनआरएलएम, एचएसएफडीसी, डीआईसी, केवीआईसी, एनयूएलएम, एचएसएफडीसी विभागों के अधिकारियों द्वारा भी अपने अपने विभागों की बैंक शाखाओं में लंबित पत्रावलियो पर जानकारी दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा सभी बैंकों को निर्देश दिए कि पशु केसीसी, पीएम स्ट्रीट वेंडर, आत्मनिर्भर पोर्टल पर आवेदित मुद्रा शिशु लोन तथा अन्य सरकारी योजनाओं से लंबित ऋण पत्रावलीयों का जल्द से जल्द निपटान करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकांश बडे प्राइवेट बैंकों व समस्त बैंकों को पशु केसीसी तथा पीएम स्वनिधी के अंतर्गत ऋण पत्रावलियों को 7 दिवस के अंदर निस्तारित कर जिला अग्रणी कार्यालय को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। इसी प्रकार नाबार्ड के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी करने हेतु बैंकों को अधिक आए अर्जित करने वाले व्यवसाय जैसे डेयरी पालन, मत्स्य पालन मधुमक्खी पालन, फल व सब्जी प्रसंस्करण हेतु बैंकों द्वारा ऋण देने पर बल दिया गया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल उदय भारतम पार्टी के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय सी–310, सिग्मा–2, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, यू.पी.–201308 में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है– पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैः–

अध्यक्ष : डा0 राजेन्द्र प्रसाद, पता : 6–1, अदुसुमिलि वारि विदेह, सिरिपुरम, मेडिकोंदूर मंडल, गुंटूर जिला, ए. पी.–522401

महासचिव : श्री आलोक कुमार, पता : पी–166, संजय नगर, गाजियाबाद, यू. पी.–201002

कोषाध्यक्ष : श्री पी0 सुरेशन, पता : बी 1107, औ एक्स वाई होमज, निकट कोयल एंक्लेव, गाजियाबाद–201102

यदि किसी को उदय भारतम पार्टी के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली–110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

टीवी चैनलों पर नियंत्रण

सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप

चौथे स्तंभ को फलते-फूलते संस्थान की तरह समाज के सामने आईने की तरह होना चाहिए जिसमें उन अधिकारों व मुद्दों की पैरवी हो जिनको राजनीति अनदेखा करती है। लेकिन विडंबना है कि अब उस पर अन्य संस्थानों द्वारा नियंत्रण या नियमन की आवश्यकता है क्योंकि इसे लंबे समय से प्रशासन या प्रचार का औजार बनाया गया है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने इसके द्वारा सामाजिक ढांचा नष्ट होने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया है। उसने एक चैनल को एक विवादास्पद कार्यक्रम प्रसारित करने से रोका है जिसमें भारतीय सिविल सेवाओं में 'मुसलमानों की घुसपैठ व जिहाद के षडयंत्र के खुलासे' का प्रयास किया गया था। अदालत ने कहा कि यह जांच के बहाने एक खास समुदाय की छवि खराब करने तथा वर्तमान राजनीतिक परिवेश के मुकाबले माहौल बनाने का प्रयास है। सुप्रीम कोर्ट ने यह प्रसारण रोका हे जो भारत में संविधान द्वारा परिकल्पित बहुलता को तोड़ता था। लेकिन भारत में आज सैकड़ों खबरिया चैनल हैं जिनमें से कुछ पूर्वाग्रही तथा राजनीतिक पार्टियों के स्वामित्व में अथवा उनके द्वारा वित्त-प्रायोजित हैं। अदालत ने टेलीविजन चैनलों पर होने वाली बहसों पर भी नियमन की जरूरत बताई है। उसने आपराधिक मामलों में समानान्तर जांच का उदाहरण दिया है जिससे तथ्यों के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर भावनाओं का ज्वार पैदा किया जाता है। सरकार ने चैनल पर फैसले के एक दिन बाद सर्वोच्च न्यायालय में पेश शपथपत्र में कहा है कि यदि वह मीडिया का नियमन करना चाहता है तो पहले यह काम एलेक्ट्रानिक मीडिया के बजाय डिजिटल मीडिया के साथ किया जाना चाहिए क्योंकि सामाजिक मंचों की तेज व व्यापक पहुंच है। पिछले दो साल में भारत में हिंसा के ऐसे 50 से अधिक मामले सामने आए हैं जिनमें सोशल मीडिया का प्रयोग हुआ था। इनमें फेसबुक,

यू ट्यूब व ट्विटर शामिल हैं। फेसबुक व उसके नेटवर्कों का प्रयोग हर माह 2.3 बिलियन प्रयोगकर्ता करते हैं। भारत में वाट्सएप सर्वाधिक लोकप्रिय है जिसके 1.5 बिलियन वैश्विक प्रयोगकर्ताओं में से 400 मिलियन भारतीय हैं तथा यह सूचना प्रसार का बड़ा साधन बन गया है। अदालत ने पांच नागरिकों की एक समिति गठित करने का सुझाव दिया है जो एलेक्ट्रानिक मीडिया के बारे में मानकों का निर्धारण कर सकते हैं। लेकिन वर्तमान ढांचों का क्या होगा जो लगभग निष्प्रभावी हो चुके हैं। हालांकि, कोई विधिक नियामक व्यवस्था नहीं है, पर न्यूज़ ब्राडकास्टर्स असोसियेशन-एनबीए, ब्राडकास्ट एडिटर्स असोसियेशन व न्यूज़ ब्राडकास्टर्स फेडरेशन जैसी स्व-नियामक संस्थायें हैं। लेकिन वे अवसर के अनुकूल उठ खड़े होने तथा पेशेवर माहौल सुनिश्चित करने में विफल रही हैं। इसके साथ ही अनेक अधिकारियों के होने की अपनी राजनीति और लाबींग है। एनबीए प्रसारण शिकायतों को गंभीरता से लेता है तथा उसकी एक आचार संहिता है, पर यह अनिवार्य होने के बजाय केवल दिशानिर्देशों के रूप में है और किसी के खिलाफ कठोर दंड देने जैसी कार्रवाई नहीं करती है। आमतौर से गलती करने वालों को माफकर दिया जाता है या उनकी थोड़ी आलोचना हो जाती है। इसके साथ ही एनबीए के सदस्य स्वयं चैनलों से होते हैं और उनके हाथ एक सीमा तक पत्रकारिता के वर्तमान बिजनेस माडल से बंधे होते हैं। इस बिजनेस माडल का संबंध कवरेज तथा राजस्व व फंडिंग से है। जब तक विश्वसनीय, निष्पक्ष या प्रभावी संहिता नहीं होती है या जब तक एक विधिक शक्तियों वाली नियामक संस्था नहीं बनती है, तब तक हितों का टकराव होता रहेगा। निश्चित रूप से यदि प्रसारण मीडिया पर बेहतर नियमन लागू हो तो वह सनसनीखेज के बजाय संवेदनशील पत्रकारिता का माध्यम बनेगा। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, पर उसके साथ जिम्मेदारियां भी हैं। लोकतंत्र में मीडिया भी अन्य संस्थानों की तरह नागरिकों के प्रति समान रूप से जवाबदेह है। उसे संस्थागत निष्ठा बनाए रखने के लिए अपने में लगातार सुधार करना होगा।

गरीब बच्चों का भविष्य

हमें बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करना होगा। इनमें समाज के हाशिए पर पड़े बच्चों के साथ ही समुचित सेवाओं तथा आर्थिक व सामाजिक हस्तक्षेपों की पहचान शामिल है।

सुमित्रा मिश्रा
(लेखिका सचल क्रेशों की कार्यकारी निदेशक हैं)

मार्च में पूरी भारत में कोरोना के कारण लाकडाउन के बाद भीड़ भरे ट्रकों में अपने थके माता-पिता के कंधों पर नंगे, भूखे, रोते व सोते बच्चों व शिशुओं की तस्वीरें रोज सामने आती थीं। प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों के सड़कों पर आने के बाद हमारी सामाजिक व्यवस्था की विसंगतियां सामने आई थीं, जबकि बाकी लोग घर से काम कर रहे थे। यह 'स्वतंत्रता की ओर लंबा मार्च' होने के बजाय अपने घरों की ओर वापसी थी। यह विपरीत पलायन आजीविका समाप्त होने तथा लगातार बढ़ते संघर्षों को अभिव्यक्त करता था। कुछ लोगों के लिए यह मौत का रास्ता बन गया। अपने जीवन पर कोरोनावायरस तथा उसके अनेक प्रभावों से संघर्ष करते हुए यह महत्वपूर्ण है कि हम समाज की विभाजक रेखाओं पर नजर बनाए रखें। इसने खासकर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को प्रभावित किया है जिनको उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा व समर्थन नहीं प्राप्त था तथा उनके लिए अपने बच्चों की देखभाल एक कठिन काम था।

लाकडाउन के कारण कुपोषण से निपटने वाले अनेक कार्यक्रम प्रभावित हुए या बंद हो गए। 2015-16 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 के अनुसार भारत में पांच वर्ष से कम आयु वाले 21 प्रतिशत बच्चे कुपोषित थे तथा छः से 23 महीनों की आयु वाले 91.4 प्रतिशत बच्चों को उपयुक्त भोजन नहीं मिलता था। पांच वर्ष से कम आयु के हर तीसरे, यानी 38 प्रतिशत बच्चों की बढ़वार प्रभावित थी, हर पांचवें या 21 प्रतिशत बच्चे बहुत कमजोर थे तथा 36 प्रतिशत का वजन कम था। लाकडाउन के कारण सामाजिक-आर्थिक प्रभाव और गंभीर हुए क्योंकि आंगनबाड़ी केन्द्र बंद हो गए तथा कुपोषण से निपटने के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने वाले स्रोत बहुत घट गए।

स्टेट आफ यंग चाइल्ड इन इंडिया-एसओवाईसी रिपोर्ट से गरीबी, जेंडर भेदभाव, जाति व वर्ग के भेद, हिंसा, छोटे बच्चों को उपलब्ध सेवाओं तक पहुंच तथा बच्चों की देखभाल करने वालों में पेशेवर व्यवहार की कमी जैसी समस्यायें सामने आई हैं। इस रिपोर्ट को हाल ही मे शुरुआती बाल विकास-ईसीडी क्षेत्र में कार्यरत संगठन मोबाइल क्रीचेज़ ने जारी किया है। इसमें 6 वर्ष से कम आयु वाले भारत के बच्चों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां हैं जो देश की जनसंख्या का 13 प्रतिशत हैं।

इसके साथ ही उनकी जरूरतें संबोधित करने वाले विधाई ढांचे का आलोचनात्मक परीक्षण भी किया गया है। रिपोर्ट में इस आयुवर्ग के वंचित श्रेणी वाले बच्चों पर जोर देते हुए प्रत्येक श्रेणी के लिए विशेष हस्तक्षेपों का सुझाव दिया गया है। इससे निकलने वाले परिणामों में केरल व गोवा में सबसे अच्छे प्रदर्शन के सर्वोत्तम व्यवहारों के साथ ही झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार व मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का विवरण भी है जहां प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। इसकी संस्तुतियों को महामारी-पश्चात दुनिया पर लागू किया जा सकता है जहां हाशियाकरण व अनदेखी से निपटने के लिए समुचित नीतिगत हस्तक्षेप जरूरी होंगे।

बच्चों की देखभाल करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी योजना-समन्वित बाल विकास सेवा योजना-आईसीडीएस के पुनः निर्धारण की आवश्यकता है क्योंकि इसमें डिजाइन व क्षमता संबंधी कमियां हैं, यह बच्चों की देखभाल व शुरुआती शिक्षा पर ध्यान नहीं देती है तथा हाशियाकृत बच्चों को समान व प्रभावी सेवायें दिलाने के लक्ष्य से बहुत दूर है। अक्सर सबसे छोटे बच्चों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता और वे सर्वाधिक संकटग्रस्त होते हैं। अतः ऐसे विकास अवसरों की तलाश जरूरी है जो जीवन की स्वस्थ नीव डाल सकें। ईसीडी में निवेश से न केवल व्यक्तिगत क्षमता व आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी, बल्कि इससे महिला सशक्तीकरण का रास्ता भी खुलता है। इसमें महिलाओं के साथ बच्चों के अधिकारों को देखते हुए राज्य हस्तक्षेप व अधिक बजटीय आबंटन की आवश्यकता बताई गई है।

एसओवाईसी रिपोर्ट में देखभाल करने वालों की भूमिका के साथ ही जेंडर पूर्वाग्रहों पर ध्यान दिया गया है जिसके कारण माताओं पर अनावश्यक बोझ पड़ता है। खासकर असंगठित क्षेत्र में महिलाओं को तिगुना बोझ उठाना पड़ता है। उनको बच्चों की देखभाल के साथ घर के बाहर काम करना होता है, बाजार तक उनकी पहुंच समान नहीं होती है, काम के घंटे अधिक होते हैं, कार्यस्थितियां खराब होती हैं व मजदूरी कम मिलती है। इसके साथ ही उनको घर पर काम करना पड़ता है। मैटर्निटी या चाइल्डकेयर लाभ से वंचित इन महिलाओं के छोटे बच्चे इन अस्वास्थ्यकर स्थितियों में पड़े रहते हैं। इससे छोटे बच्चों की देखभाल और कठिन हो जाती है। इसलिए परिवारों द्वारा बच्चों की समुचित देखभाल के क्षेत्र में राज्य का हस्तक्षेप जरूरी है। अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के बच्चों की देखभाल के लिए सरकार-प्रायोजित नेशनल क्रीच योजना है। लेकिन इनकी संख्या में कमी आई है। 2019 में देश में केवल 7,930 क्रीच काम कर रहे थे जिसका अर्थ 21,000 बच्चों के लिए एक क्रीच है। इस योजना को मजबूत करने के लिए उपयुक्त बजट जरूरी है। इसके साथ ही आंगनबाड़ियों को चरणबद्ध रूप से बदल कर आंगनबाड़ी-क्रीच में बदला जा सकता है।

महामारी के कारण हुए लाकडाउन में आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं को कोरोना के खिलाफलड़ाई की पहली पंक्ति में शामिल किया गया। लेकिन एसओवाईसी रिपोर्ट के अनुसार उनको पेशेवर कार्यकर्ता के बजाय पार्टटाइम कार्यकर्ता के रूप में प्रयोग करते हुए अधिकांश राज्यों में न्यूनतम मजदूरी से भी बहुत कम पैसा दिया गया। बच्चों की देखभाल में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए उनको पेशेवर बनाने तथा जिम्मेदारियों के अनुकूल भुगतान की आवश्यकता है। इसका अर्थ है कि इन कार्यकर्ताओं को समुचित प्रशिक्षण दिया जाए तथा अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन-ईसीसीई आयाम को मजबूत किया जाए जो आईसीडीएस का कमजोर हिस्सा बना हुआ है।

तीन से 6 वर्ष आयुवर्ग के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई प्राप्त करने का अधिकार है, चाहे वे आंगनबाड़ी केन्द्रों में हों अथवा सरकार के पूर्व-प्राथमिक केन्द्रों में, निजी स्कूलों में या अन्य स्कूल-पूर्व केन्द्रों में। देश के लिए ईसीडी को प्राथमिकता देने का अर्थ टिकाऊ विकास लक्ष्य तथा बाल अधिकारों के प्रति अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता पूरी करने में सहायक हो सकता है। हालांकि, बच्चों की बेहतरी के अनेक आयामों के बारे में डेटा की कमी है जिससे अनेक प्रक्रियाओं का निर्धारण व कुछ क्षेत्रों के बारे में गहरी जानकारी नहीं प्राप्त हो पाती है। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर डेटा के अभाव में बजट का विश्लेषण व राज्यों को आबंटन भी अनुपयुक्त आबंटन, उसके कम उपयोग तथा बच्चों की देखभाल में प्रबंधन क्षमता की कमी जैसे मामले भी सामने आते हैं।

देश में 2018-19 में हर बच्चे पर खर्च बहुत कम, केवल 1,723 करोड़ रुपये था। इसे बढ़ा कर प्रति वर्ष 1.25 ट्रिलियन रुपये किया जाना चाहिए ताकि योजना की कमी दूर कर समग्र हस्तक्षेप सुनिश्चित हो सके। इस दृष्टिकोण से होने वाला लाभ बजटीय आबंटन को किसी अन्य कल्याण कार्यक्रम के मुकाबले बेहतर सिद्ध करेगा। कोरोनावायरस ने हमारे जीवन के प्रति सोच, हमारे कामकाज और सहायक व्यवस्थाओं को पूरी तरह बदल दिया है। इसने हमें अनेक त्रासद सबक सिखाए हैं। समय आ गया है कि हम विभिन्न संकटग्रस्त समूहों की वंचनाओं, अनदेखी व पृथक्करण पर गौर कर उनको समान पहुंच देने पर ध्यान दें। इसमें बच्चों के लिए आवश्यक सेवायें शामिल हैं। हमें हाशियाकृत समाज के बच्चों की पहचान, सेवाओं, तथा सामाजिक व आर्थिक हस्तक्षेपों पर ध्यान देना चाहिए ताकि उनको भविष्य के लिए सक्षम बनाया जा सके।

तकनीक पर आधारित भविष्य की बौद्धिकता

"वर्ष 2020 की घटनाओं ने मानव सभ्यता की दौड़ को तेज गति दी है और वह अपने मस्तिष्क की बौद्धिकता के विकल्प तलाश रही है।"

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

हम में से बहुत से लोग अब वीडियो-कान्फ्रेंसिंग विशेषज्ञ हो गए हैं और हर नई काल पर नई वर्चुल पृष्ठभूमि का प्रयोग करते हैं, आनलाइन किराने का सामान खरीदते हैं तथा फोन व कंप्यूटर स्क्रीन पर नवीनतम खबरों की अपडेट पर नजर रखते हैं। ऐसे में क्या क्या निकट भविष्य जैसे 2021 का अनुमान लगाना गलत होगा? हालांकि अभी 2020 को 'गैप इयर' कहना बहुत जल्दबाजी होगा क्योंकि हमारे सामने रोज चौंकाने वाली नई विचित्र किस्म की आश्चर्यजनक घटनायें सामने आती हैं। लेकिन अगले साल की संभावित प्रवृत्तियों पर नजर डालना गलत नहीं होगा। पहला, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अगले वर्ष तकनीक का हमारे जीवन, काम, व्यायाम, भोजन या खरीद पर असाधारण प्रभाव पड़ेगा। यदि महामारी ने हमे अनिश्चितताओं के समुद्र में फेंक दिया है तो हमें अपने चारों ओर सावधानी से देखने पर डेटा का समुद्र भी दिखाई देगा। इसमें तेजी से तैरने में सक्षम लोगों को जल्दी ही एक तख्ता मिल जाएगा जिससे वे किसी खास चीज तक पहुंच कर अवसरों के समुद्र की संभावनायें समझेंगे। हालांकि, यह काम पहले ही शुरू हो गया था, पर नई तकनीक में इसे कृत्रिम बुद्धि-एआई का नाम दिया गया है। यह वर्तमान समय में डिजिटल दुनिया की अधिकांश चीजों पर कब्जा कर लेगी।

एल्गोरिद्म का प्रयोग महामारियों का जल्दी पता लगाने तथा यहां तक कि शहर में यातायात पैटर्न का पता लगाने के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही खराब मौसम की जल्दी भविष्यवाणी हो सकेगी, स्वास्थ्यरक्षा तथा सर्वाधिक संकटग्रस्त लोगों की रक्षा पर ध्यान दिया जा सकेगा। लेकिन जल्द ही बाकी सभी चीजों की तरह यह जीवन के सभी निर्णयों का आधार बन जाएगी। मैं अगले साल की संभावनाओं पर गौर करने के बजाय यह कहना चाहता हूं कि 2020 की घटनाओं ने मानव सभ्यता की दौड़ बहुत तेज कर दी है जहां हम अपने बौद्धिक मस्तिष्क का विकल्प तलाश करेंगे। दुनिया पहले ही ऐसे अनेक उदाहरणों से भरी है कि एआई के पहले से उपलब्ध वेब के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रयोग होंगे। संक्षेप में हम नए नकनीकी युग के प्रवेश द्वार पर खड़े हैं जहां संवेदनशील व इनआर्गेनिक बुद्धि अनन्त तक छा जाएगी। ऐसे में कोई कार्ड बंद करना एआई व्यवस्था बंद करने के लिए काफी नहीं होगा क्योंकि हजारों मशीनें अनेक स्रोतों के डेटा प्वाइंटों से हमारे खरीदने के व्यवहार की जांच कर रही होंगी। वे निश्चित रूप से मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डालेंगी।

इसके बाद डेटा तक पहुंच की असाधारण गति और अधिक उन्नत तकनीक पर आधारित 5जी सुविधा के साथ आएगी। दुनिया पहले ही अद्यतन 5जी या पांचवीं पीढ़ी की मोबाइल तकनीक की दिशा में आगे बढ़ रही है जहां भौगोलिक दूरियों और राष्ट्रीय सीमाओं का उसी प्रकार कोई महत्व नहीं रह जाएगा। यदि महामारी न आती तो ऐसा हो चुका होता। भारत निश्चित रूप से 5जी तकनीक की दौड़ में एक साल खो चुका है। लेकिन इस विलम्ब के कारण शायद प्रोटोकाल और नेटवर्क साझीदारी समाधान पहले की तुलना में ज्यादा सुरक्षित हो जाएं।

वास्तव में 5जी तकनीक का पहला प्रयोग शहरी क्षेत्रों में होगा जहां से काफी मात्रा में राजस्व प्राप्त हो सकता है। इसके कारण वर्तमान स्ट्रीमिंग की तुलना में डाउनलोडिंग पांच गुना तेज हो जाएगी तथा सोशल मीडिया वीडियो, पसंदीदा फिल्में व क्रिकेट मैच ज्यादा आनन्ददायक हो जाएंगे। शहर की कुछ आर्टीरियल सीवर लाइनों में 5जी चिप लगाने के बाद शहर की ड्रेनेज व्यवस्था के रखरखाव में मानव श्रम की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। यदि आने वाले डेटा का स्मार्ट मशीनें एआई के कारण फौरन विश्लेषण करेंगी तो मशीन वर्म के प्रयोग से चोक सीवर की सफाई हो सकेगी, लीकेज दूर हो सकेगी या जहरीली गैस का रिसाव रोका जा सकेगा। इसका अर्थ हर साल हजारों अमूल्य जीवनों की सुरक्षा होगा।

इसके साथ ही घर अल्ट्रा स्मार्ट हो जाएंगे जिनके लिए बड़ी टेक् कंपनियां प्रोटोकाल तैयार करने में काफी आगे बढ़ चुकी हैं। ऐसे में गैस का बर्नर मेन्यू तय कर सकेगा तथा सप्ताहान्त के लिए समुचित भंडारण के अभाव में भी आपका बार कुछ पसंदीदा वाइन पेश कर सकेगा। सुदूर व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रोबोटिक सर्जरी पहले ही भारत के बाहर सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में चांदनी चौक में स्वचालित कार ज्यादा दूर की बात नहीं है।

अब सर्वव्यापक तकनीक का हमारे बदलते कार्बन यथार्थ के साथ सह-अस्तित्व स्थापित हो गया है। इससे मानवता के सामने संकट घटा है। ये संकट ज्यादातर अब साइबर क्षेत्र में होंगे और 2021 में अब तक डिजिटल क्रांति की तुलना में हर प्रकार के ज्यादा साइबर सुरक्षा हमले देखने को मिल सकते हैं। इन साइबर सुरक्षा हमलों में सिम क्लोनिंग, फिशिंग हमले, बैंक पासवर्ड व ओटीपी की चोरी आदि पहले से ही उपभोक्ताओं को परेशान कर रहे हैं तथा कानून व्यवस्था मशीनरी के लिए चुनौती बन गए हैं। यह डिजिटल संकट वर्क फ्राम होम के समय और गंभीर हो गया है। तकनीकी शक्तियों के बढ़ने से मानव जीवन और जटिल होता जाएगा तथा नए प्रोटोकाल व सहायक विकसित होंगे।

आपको लगभग सभी महत्वपूर्ण सार्वजनिक मंचों में साइबर सुरक्षा को ज्यादा मजबूत करना पड़ेगा तथा मंत्रियों के बीच संवाद का तरीका इतना बदल जाएगा जिसकी पहले कल्पना भी असंभव थी। इसके साथ ही उभरते खतरों का सामना करने के लिए बहुआयामी समाधान भी सामने आएंगे जिससे राज्य-विरोधी शक्तियों को उपभरती तकनीक के दुरुपयोग से रोका जा सकेगा। भविष्य में नीति, भाषा और व्याकरण के नए क्षेत्र विकसित होंगे जिनके बारे में अलग से विचार की आवश्यकता है।

आप की बात

डिजिटल शिक्षा की कमियां

अभी कोरोनावायरस महामारी के काल में हमने देखा कि ऑनलाइन शिक्षा, वर्चुअल शिक्षा, डिजिटल शिक्षा का बहुत वर्चस्व रहा। लगभग 70 प्रतिशत बच्चों ने ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से पढ़ाई करी है। ऑनलाइन क्लासों में हमने देखा कि टीचरों और बच्चों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जैसे कि दोषपूर्ण इंटरनेट कनेक्टिविटी व अन्य तमाम समस्याएं। ज्यादातर पर्वतीय क्षेत्रों में यह दिक्कतें बहुत ज्यादा रही। अध्यापक भी इस बीच में बहुत मेहनत कर रहे हैं परंतु बच्चे उनका पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इंटरनेट की पर्याप्त गति के अभाव में ऑनलाइन शिक्षा का उद्देश्य विफल हुए जा रहा है। इस दिशा में हम केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के छात्रों द्वारा प्रदर्शन देखी सकते हैं। इसका कारण यह है कि उचित इंटरनेट कनेक्शन ना हो पाने के कारण बच्चे पूरी मेहनत से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। इन सभी चिंताओं के बीच हमें अब आगे की राह देखनी होगी। हालांकि इसके लिए सरकार ने बहुत प्रयास किए हैं जैसे राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क जिसका उद्देश्य देश के सभी पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचाना है जिससे कि दुर्गम इलाकों में रह रहे बच्चों को डिजिटल सुविधाएं मिलें।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

चीनी जासूसी से सावधान

विश्व कोरोना से जंग लड़ रहा है। हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। लोग एक के बाद एक मौत के मुंह में समा रहे हैं। चीन से उपजा कोरोना वायरस तो देश के लिए शार्प बनकर आया है पर अब भी चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। उल्लेखनीय है कि, पूर्वी लद्दाख में जारी तनाव के बीच अब खुलासा हुआ है कि, चीन अपनी एक कंपनी के जरिए भारत के करीब दस हजार से ज्यादा हस्तियों और संगठनों की जासूसी कर रहा है। और इतना ही नहीं, वह दुनियाभर अमेरिका, ब्रिटेन समेत दुनियाभर के 24 लाख लोगों की जासूसी कर रहा था। वैसे अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस ने हालही में खुलासा किया है कि, चीन की जासूसी लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति कोविंद, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, सीजेआई बोबडे जैसी हस्तियां शामिल हैं। अखबार ने अपने खुलासे की दूसरी कड़ी में भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर चीन के गहरे जमे जासूसी त्रंत्र के बारे में बताया है। ड्रैगन भारतीय अर्थव्यवस्था की किस कदर जासूसी कर रहा है, इसका अंदाजा इसी से लग सकता हैं कि उसकी निगरानी लिस्ट में इंडियन रेलवे में इंटर्नशिप कर रहे इंजीनियरिंग स्टूडेंट से लेकर अजीम प्रेमजी की वेंचर कंपनी के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर तक शामिल हैं।

– **निधि जैन**, लोनी, गाज़ियाबाद

फिल्मी दुनिया का सच

सुशांत सिंह राजपूत की हत्या हुई या उसने आत्महत्या की इस यक्ष प्रश्न से शुरू हुई बहस में सिनेमा जगत के साथ-साथ, सोशल मीडिया, टीवी चैनल, नेता, सरकारें, सरकारी महकमे, जांच एजेंसियों, सब कूद पड़े और ये बहस संसद तक पहुंच गई। कहते हैं किसी भी चीज़ की अति अच्छी नहीं होती अब जब इतने सारे लोगों एक ही मामले में कूदेंगे तो दलदल और कीचड़ तो बनेगी ही। अब इस कीचड़ को एक दूसरे पर उछालने का खेल शुरू हो गया है। सभ्य और संभ्रांत दिखने वाले लोग गरिमा और मर्यादा की लक्ष्मण रेखा पार कर चुके हैं और सब ज़िद पकड़े बैठे हैं की मैं ही सही और सच्चा हूँ। यूं तो ग्लैमर और सत्ता का गठबंधन बहुत पुराना है पर एक दूसरे को नीचे दिखाने का वर्तमान दौर अभूतवपूर्व है। फिल्म उद्योग ही नहीं हर क्षेत्र में अच्छे बुरे हर तरह के लोग होते हैं। बुरे लोगों को बेनकाब करने के लिए हमें ना तो बुरा बनना है ना अच्छे लोंगो को परेशान करना है बल्कि ये काम तो एक शल्य चिकित्सक की तरह करना चाहिए जो शरीर से खराब अंग, अच्छे अंगों को नुकसान पहुंचाए बिना निकलाता है।

– **बृजेश माथुर**, गाजियाबाद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

"**तीन** वैक्सीन अभ्यर्थी भिन्न चरणों में हैं। हमें उम्मीद है कि अगले वर्ष के प्रारम्भ में एक वैक्सीन भारत में उपलब्ध हो जाएगी।

– **डॉ हर्षवर्धन**
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

इस चुनाव को सबसे बड़ा खतरा लाखों मतों पर नियंत्रण रखने वाले विपक्षी दलों के गवर्नरों से है। मेरे लिए यह विदेशों से बड़ा खतरा है।

– **डोनाल्ड ट्रंप**
अमेरिकी राष्ट्रपति

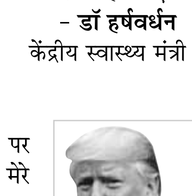

मैंनें इस किसान विरोधी अध्यादेश के विरोध में कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। हम किशनों के साथ खड़े हैं और उनके लिए कुछ भी करेंगे।

– **हरसिमरत कौर बादल**
पूर्व केंद्रीय मंत्री"

मेडिकल डिवाइस व फार्मा में व्यापक अवसर: योगी

मुख्यमंत्री के समक्ष लोक भवन में बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल डिवाइस और फार्मा के क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 तथा अन्य रोगों के दृष्टिगत दवाइयों एवं मेडिकल उपकरणों की मांग काफी बढ़ी है। ऐसे में राज्य को बल्क ड्रग एवं मेडिकल डिवाइस पार्कों की स्थापना के लिए तेजी से तैयारी करनी होगी। उन्होंने कहा कि इनकी स्थापना से दवाइयों और चिकित्सकीय उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को लोक भवन में बल्क ड्रग पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्याप्त मानव संसाधन व अवस्थापना सुविधाओं उपलब्ध है। बल्क ड्रग पार्क व मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना आज की बड़ी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की इकाइयां बड़ी संख्या में स्थापित हैं। इनके अलावा, सीडीआरआई, एनबीआरआई, सीमैप, आईटीआरसी, आईआईटी कानपुर एवं वाराणसी, एम्स, केजीएमयू, आईएमएस-बीएचयू जैसे उत्कृष्ट संस्थान हैं। उन्होंने कहा कि दवाओं तथा चिकित्सा उपकरणों के उत्पादन के लिए पार्कों की स्थापना से रोजगार उपलब्ध होगा। साथ ही प्रदेश व देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार, अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल एवं सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रिक्त पदों के लिए अर्ह घोषित किये गये अभ्यर्थियों को सीएम की बधाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि निदेशक के नियंत्रणाधीन अधीनस्थ कृषि सेवा (वर्ग-3) प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी के 2059 रिक्त पदों के लिए अर्ह घोषित किये गये अभ्यर्थियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार प्रयास कर रही है। शिक्षा के उत्तम वातावरण के साथ-साथ युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता से संचालित किया जा रहा है। सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि मुख्यमंत्री द्वारा आज सरकारी विभागों में रिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये और आज ही अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 2059 अभ्यर्थियों को इस पद के लिए अर्ह घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लोकभवन में शुक्रवार को नार्दन कोल फील्ड्स लिमिटेड सिंगरौली, मप्र के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक पीके सिन्हा ने राज्य आपदा प्राधिकरण के लिए पांच करोड़ रुपए का चेक भेंट किया।

किसान बिल पर बीएसपी कतई सहमत नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किसानों से जुड़े बिल लोकसभा में पास होने के बाद से राजनीति तेज हो गई है। अब इस मामले में बहुजन समाज पार्टी ने भी अपना रुख स्पष्ट किया है। पार्टी ने दोनों बिलों के बिना चर्चा पास किए जाने को लेकर असहमति जताई है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा कि संसद में किसानों से जुड़े दो बिल, उनकी सभी शंकाओं को दूर किये बिना ही, कल पास कर दिये गये हैं। उससे बीएसपी कतई भी सहमत नहीं है। पूरे देश का किसान क्या चाहता है। इस ओर केन्द्र सरकार जरूर ध्यान दे तो यह बेहतर होगा।

निलम्बित शिक्षकों के प्रकरण 15 दिन के अंदर निस्तारित न होने पर बीएसए पर होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एकेडमिक गतिविधियों में रुचि न लेने और दायित्वों के प्रति लापरवाह चल रहे निलम्बित शिक्षकों के खिलाफ जांच और प्रकरण के निस्तारण में शिथिल कार्रवाई पर डीजी स्कूली शिक्षा ने नाराजगी जताई है।

इस बावत उन्होंने सभी बीएसए को आदेश जारी कर 15 दिन के अंदर प्रकरण के निस्तारण के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि निर्धारित अवधि के बाद बगैर समुचित कारण के अधिक समय से शिक्षकों के निलंबन की सूचना मिलती है तो फिर इस दिशा बीएसए के खिलाफ कदम उठाया जाएगा। डीजी स्कूली शिक्षा विजय किरन आनन्द के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि 68 जिलों में पहली जनवरी से अभी तक निलम्बित चल रहे 204 शिक्षकों और जनवरी 2020 से पूर्व अभी तक निलम्बित हुए 274 शिक्षकों के लंबित प्रकरण चिंताजनक हैं। किसी भी शिक्षक को लम्बी अवधि तक निलम्बित रखने से शिक्षा पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है। साथ ही शिक्षकों को समुचित सेवाओं का लाभ नही मिल पाता है। उन्होंने कहा है कि समीक्षा के दौरान पाया गया है कि कुल 269 शिक्षकों की जांच आख्या खण्ड शिक्षा अधिकारी के स्तर पर लंबित होने के कारण 63 शिक्षकों की प्रक्रिया गतिमान होने के कारण तथा 7 शिक्षकों द्वारा स्पष्टीकरण न दिए जाने की वजह से ये शिक्षक निलम्बित हुए हैं। कुल मिलाकर जांच अधिकारी के स्तर से 332 मामले लंबित हैं। महानिदेशक ने अपने आदेश में कहा है कि जिन जांच अधिकारियों से जांच आख्या न प्राप्त हुई हो, उनसे 15 दिन के अंदर रिपोर्ट प्राप्त कर प्रकरण का निस्तारण करें। यदि निर्धारित अवधि के बाद किसी जनपद में बगैर समुचित कारण से अधिक समय से निलम्बित सूचना पाई जाएगी तो व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करके अनुशासनात्मक कार्रवाई तक की जा सकती है।

आदर्श क्रय केंद्रों पर 24 घंटे होगी गन्ने की तौल: भूसरेड्डी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में इस बार आगामी पेराई सत्र में किसानों को अपने गन्ने की तौल करवाने के लिए लम्बा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। राज्य का गन्ना विकास व चीनी उद्योग छोटे-छोटे क्रय केन्द्रों को मिलाकर ऐसे आदर्श क्रय केंद्र विकसित करवा रहा है, जहां 24 घंटे गन्ने की तौल होगी। अभी तक यह सुविधा सिर्फ चीनी मिल गेट के क्रय केंद्र पर ही उपलब्ध रहा करती है।

अपर मुख्य सचिव और गन्ना आयुक्त संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि किसानों की दिक्कतों को देखते हुए पिछले पेराई सत्र में प्रयोग के तौर पर कुछ गन्ना उत्पादक जिलों में ऐसे पांच-पांच आदर्श क्रय केन्द्र बनाए गए थे। इस बार इनकी संख्या और बढ़ाई जा रही है। उन्होंने बताया कि पेराई शुरू होने पर आमतौर पर किसान पूरा दिन अपने खेत में गन्ने की कटाई करवाते हैं और शाम होते-होते क्रय केन्द्र पर ट्राली या ट्रक कतार में लगा देते हैं, जहां रात भर उन्हें इंतजार करना पड़ता है और इस दरम्यान गाड़ी में लदे गन्ने की सूखने की वजह से गुणवत्ता भी प्रभावित होने लगती है। सुबह सात बजे से दोपहर एक बजे के बीच क्रय केन्द्र पर गन्ने की तौल होती है। अब इन आदर्श क्रय केन्द्रों पर चौबीस घंटे तौल हुआ करेगी। इन केन्द्रों पर समुचित प्रकाश और पेयजल की व्यवस्था रहेगी। अतिरिक्त कर्मचारी तैनात होंगे। दो तौल मशीनें लगी होंगी, जिनमें से एक पर भरी गाड़ी की तौल होगी और दूसरी पर खाली गाड़ी की। इसी तरह केंद्र पर लोडर भी होंगे जो गाड़ी से गन्ने की अनलोडिंग करेंगे। मगर विभाग की यह पहल गन्ना किसान प्रतिनिधियों को रास नहीं आ रही। इन प्रतिनिधियों का कहना है कि छोटे क्रय केन्द्रों को मिलाकर बड़ा क्रय केंद्र बनाने से किसानों को कई तरह की दिक्कतें भी पेश आएंगी।

खेती को अमीरों के हाथ गिरवी रखने के लिए शोषणकारी विधेयक लाई सरकार: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी संसद में पारित कृषि संबंधी तीनों विधायकों के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा और इसे खेती को अमीरों के हाथों गिरवी रखने वाला शोषणकारी विधेयक करार दिया है। अखिलेश ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि भाजपा सरकार खेती को अमीरों के हाथों गिरवी रखने के लिए शोषणकारी विधेयक लाई है। ये खेतों की मेड़ तोड़ने का षड्यंत्र है और साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने वाली मंडियों के धीरे-धीरे खात्मे का भी। भविष्य में किसानों की उपज का उचित दाम भी छिन जाएगा और वह अपनी ही जमीन पर मजदूर बन जाएंगे।

शिक्षा योजनाओं के लिये 9007 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मंजूर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सर्व शिक्षा अभियान कार्य परिषद की 54वीं बैठक सम्पन्न
- प्रारंभिक शिक्षा के 8609.82 करोड़, शिक्षक प्रशिक्षण के 109.52 करोड़ तथा माध्यमिक शिक्षा के 288.73 करोड़ रुपये के प्रस्ताव अनुमोदित

सर्व शिक्षा अभियान की कार्य परिषद की 54वीं मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें वर्ष 2020-21 के लिए स्वीकृत कार्य योजना एवं बजट धनराशि 9007.88 करोड़ के प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया। प्रारंभिक शिक्षा हेतु 8609.62 करोड़, शिक्षक प्रशिक्षण हेतु 109.52 करोड़ तथा माध्यमिक शिक्षा हेतु 288.73 करोड़ रूपये के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गयी।

26729 परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के बैठने हेतु फर्नीचर की व्यवस्था, 1160 विद्यालयों में पीने के पानी की सुविधा हेतु सबमर्सिबल पंप व टैंक तथा फिटिंग, 6686 विद्यालयों का विद्युतीकरण, 688 विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण तथा 975 प्राथमिक तथा 219 उच्च प्राथमिक जर्जर विद्यालयों के भवनों का पुन: निर्माण कराया जाएगा। उक्त कार्य के लिए 757.57 करोड़ रुपए अनुमोदित किये गए जो कि गतवर्ष की तुलना में 1298.50 प्रतिशत अधिक हैं।

इसके अलावा कक्षा 1 से 8 तक के अध्ययनरत लगभग 179.32 लाख छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक, 154.50 लाख बच्चों को नि:शुल्क यूनिफार्म उपलब्ध कराया जायेगा। 1,59,665 विद्यालयों तथा प्रबन्ध समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण व सशक्तीकरण के कार्यक्रम और जन पहल रेडियो के कार्यक्रम संचालित किये जाएंगे।

इसके साथ आउट आफ स्कूल बच्चों का चिन्हीकरण, पंजीकरण एवं नामांकन हेतु 7-14 आयु वर्ग के 107190 बच्चों हेतु 09 माह के गैर आवासीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जाएंगे। उक्त कार्यों हेतु 1606.67 करोड़ रुपए के प्रस्तावों का अनुमोदन प्रदान किया गया। यह धनराशि गत वर्ष से 51.98 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा प्री प्राइमरी हेतु आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए 1,46,286 प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षण, बायोमैट्रिक उपस्थिति, डिजिटल लर्निंग तथा मानिटरिंग हेतु परिषदीय विद्यालयों तथा सभी एकेडमिक रिसोर्स पर्सन्स को टेबलेट की व्यवस्था, 949 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में आईसीटी इंटीग्रेटेड स्मार्ट क्लास, बुनियादी शिक्षा के अन्तर्गत इंटरएक्टिव लर्निंग मटेरियल तथा न्यूमेरिकल लिटरेसी के लिए कार्यक्रम, आनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण हेतु दीक्षा कन्टेन्ट क्रिएशन सेल की स्थापना, कक्षा 3-8 के 1,06,75,162 विद्यार्थियों हेतु सीसीई कार्ड्स की व्यवस्था, 1,54,590 शिक्षकों को आईडी कार्ड तथा सभी शिक्षकों को शिक्षक डायरी, 1,88,978 अध्यापकों के लिए ऑनलाइन सेवारत प्रशिक्षण, 1,58,877 विद्यालयों में कम्पोजिट ग्रान्ट की स्वीकृति, सभी छात्र-छात्राओं का आधार कार्ड बनवाने का आधार आथेन्टिकेशन तथा कोविड.19 के दृष्टिगत छात्र छात्राओं तथा शिक्षकों की सुरक्षा हेतु जागरूकता प्रशिक्षण के कार्यक्रम संचालित किये जाएंगे। इन कार्यों हेतु 5121.67 करोड़ की धनराशि अनुमोदित की गयी जो कि गतवर्ष की तुलना में 7.52 प्रतिशत अधिक है। बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों हेतु गार्ड रूम के निर्माण, फर्नीचर, किचन के उपकरणों तथा छात्राओं की बेयडिंग रिप्लेसमेन्ट की व्यवस्था, छात्राओं को विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण, शारीरिक शिक्षाए चिकित्सा सुविधा तथा शिक्षिकाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जाएंगे।

डबल इंजन की सरकारों का किसान विरोधी चेहरा उजागर: रालोद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने डबल इंजन की सरकारों को किसान विरोधी चरित्र करार दिया है। उन्होंने कहा है कि सरकार गठन से लेकर अब तक इन्हीं बहुसंख्यक किसानों और मजदूरों को सरकारी अत्याचारों का दंश ऋण माफी में धोखा, नोटबन्दी के फलस्वरूप कल कारखानों के बन्द होने से उत्पन्न हुई बेरोजगारी और इन्हीं के साथ-साथ स्वयं इनके और मध्यमवर्गीय लोगों के बच्चों की बेकारी और बेरोजगारी के रूप में झेलना पड़ा है। त्रिवेदी ने कहा कि किसानों की भूमि अधिग्रहण में मुआवजा की असमानता भी समय समय पर देखने को मिली है। ताजा उदाहरण दिल्ली मेरठ हाईवे पर आज भी हजारों किसानों ने धरना दे रखा है। उन्होंने बताया कि संसद के वर्तमान सत्र में किसान विरोधी तीन अध्यादेशों को विधेयक के रुप में पारित कराकर आग में घी डाल दिया है। अब इनके लागू होने से किसानों की हालत बन्धुवा मजदूरों जैसी और पूँजीपतियों की स्थिति जमींदारों जैसी हो जायेगी। किसानों की स्वायत्तता का हनन ही इन अध्यादेशों की परिणति होगी। रालोद प्रवक्ता ने कहा कि आज देश के किसानों को अपने किसान मसीहा चौ.चरण सिंह की नीतियों और सड़क से संसद तक मिले हुए किसान सम्मान की याद आ रही है और सभी किसान स्वयं को लुटा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल चौ. अजित सिंह और और जयन्त चौधरी के नेतृत्व में किसानों और मजदूरों की लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ेगा तथा किसानों और मजदूरों के साथ साथ युवाओं का सम्मान पुन: वापस दिलायेगा।

मौजूदा तीनों कृषि विधयेक खेती किसानी को समूल नष्ट कर देंगे

- मोदी सरकार ने यह काला कानून वापस नहीं लिया तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक इसका विरोध करेगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बीते बृहस्पतिवार को संसद में पारित तीनों कृषि सम्बंधित विधेयकों कृषक उपज व्यपार और वाणिज्य विधेयक, मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवाओं पर किसान समझौता और आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक को किसान विरोधी काला कानून करार देते हुए इसे किसानों की कमर तोड़ने वाला और कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग को बढ़ावा देने वाला कानून करार दिया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि मौजूदा पारित तीनों कृषि कानून आम किसानों को समूल नष्ट कर देने वाले कानून हैं। तीनों कानून प्रदेश के लाखों मझोले और सीमांत किसान के ऊपर भारी पड़ेंगे और उनकी समूची खेती

किसानी कर्ज में फंस के बिक जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि आवश्यक वस्तुओं की सूची से अनाज, फल और सब्जी को हटा लेने से जमाखोरी को बढ़ावा मिलेगा, कीमतों में अस्थिरता रहेगी जिसका खामियाजा देश की बेहाल, परेशान जानता को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अगर यह काला कानून वापस नहीं लेती तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक इसका विरोध करेगी। लल्लू ने मांग करते हुए कहा कि एक देश एक समर्थन मूल्य के तहत प्रदेश में सारी फसलों, फल, अनाज, सब्जी आदि चीजों की पूरे देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य तय होने चाहिए। उन्होंने भाजपा की मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वो देश की खेती किसानी को कॉर्पोरेट के हवाले करने का कुचक्र रच रही है। न्यूनतम समर्थन के खत्म होने से प्रदेश अधिकांश किसान बर्बादी के कगार पर पहुँच जायेंगे।

घाटे से उबर कर मुनाफे में पहुंचा पुलिस आवास निगम

- मुख्यमंत्री की घोषणा के अन्तर्गत पुलिस विभाग के 155 निर्माण कार्यों की मिली जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम की कार्यप्रणाली को और अधिक चुस्त-दुरुस्त व प्रभावी बनाया गया है तथा निगम द्वारा किये जाने वाले निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुये उनके समयबद्ध निस्तारण पर विशेष बल दिया गया है। इसके फलस्वरूप घाटे में चल रहा यह निगम अब लाभ की ओर अग्रसर है। वर्तमान समय में घाटे की बजाय एक करोड़ के लाभ में पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम की आठ निर्माण इकाइयां क्रमश: मेरठ, आगरा, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और गोण्डा में स्थित हैं। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोक भवन में पुलिस आवास निगम द्वारा किये जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गयी। उन्होंने पुलिस आवास निगम को दिये गये निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हुए उनके समयबद्ध रूप से पूर्ण किये जाने के निर्देश देते हुये बताया कि शासन द्वारा निर्माण कार्यों के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था की जा रही है। पुलिस आवास निगम के अपर पुलिस महानिदेशक-सीएमडी हरि राम शर्मा ने बताया कि वर्ष 2017-18 में जहां यह निगम 11 करोड़ तथा 2018-19 में 8 करोड़ के घाटे में चल रहा था, वहीं वर्ष 2019-20 के अगस्त माह से यह निगम लाभ की ओर अग्रसर हुआ है। वर्तमान समय में घाटे की बजाय एक करोड़ के लाभ में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित किये गये पुलिस विभाग के आवासीय एवं अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य के तहत पुलिस आवास निगम द्वारा कुल 155 निर्माण कार्य किये जा रहे हैं। इसके तहत 29 फायर स्टेशनों, 17 थानों व 7 पुलिस चौकियों के आवासीय एवं अनावासीय भवनों का निर्माण कार्य निगम द्वारा किया जा रहा है। साथ ही 44 जनपदों की पुलिस लाइन्स के महिला हॉस्टल-बैरक के 44 कार्य तथा 44 जनपदों की पुलिस लाइन्स के बहुमंजिला भवन से सम्बन्धित 58 निर्माण कार्य निगम द्वारा कराये जा रहे हैं। शासन द्वारा महिला पुलिस कर्मियों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता पर आवासीय व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। बैठक में बताया गया कि शासन द्वारा पुलिस आवास निगम को इन 155 कार्यों के लिए 100647 लाख रुपये की धनराशि मंजूर की गयी है, जिसमें से अब तक 1,5761 लाख की धनराशि जारी की जा चुकी है। पुलिस आवास निगम द्वारा अब तक 7,105 लाख रुपये से अधिक की धनराशि निर्माण कार्यों पर व्यय की जा चुकी है। बैठक में जानकारी दी गयी कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में निर्माण कार्यों में प्रगति अप्रैल, मई में कोरोना के कारण प्रभावित हुई, जिसकी पूर्ति हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। बैठक में गृह सचिव, तरुण गाबा के अलावा गृह, पुलिस व पुलिस आवास निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

सरकार के द्वेषपूर्ण व्यवहार को नियंत्रित करने की राज्यपाल से मांग

- सपा प्रतिनिधिमंडल ने आनंदीबेन पटेल से मिलकर सौंपा ज्ञापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने शुक्रवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपकर प्रदेश में बढ़ती अराजकता और समाजवादी नेताओं पर बदले की भावना से हो रही कार्रवाई के खिलाफ रोष प्रकट करते हुए तत्काल उन पर नियंत्रण किए जाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधान परिषद सदस्य सुनील सिंह साजन, आनन्द भदौरिया एवं उदयवीर सिंह शामिल थे।

राज्यपाल को दिए ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार विपक्ष के प्रति और खासकर समाजवादी पार्टी के प्रति द्वेषपूर्ण व्यवहार कर रही है। संविधान की ली गई शपथ के प्रतिकूल उसका आचरण भेदभावपूर्ण होता है। इससे प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। सत्ता संरक्षित अपराधियों के कारनामों से जनता भयभीत है। ज्ञापन में कहा गया है कि स्थिति यह है कि प्रदेश में निर्दोष सताए जा रहे हैं। फर्जी एनकाउण्टर और हिरासत में मौतें हो रही हैं। अपहरण, लूट, हत्या के मामले बढ़ते जा रहे हैं। सरकार इन पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। महिलाओं और बच्चियों के साथ तो आए दिन दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है। सर्वाधिक चिंता का विषय तो यह है कि सत्तादल के इशारे पर पुलिस का व्यवहार गैरजिम्मेदाराना और संवेदनहीन होता जा रहा है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की संवैधानिक मान्यता है लेकिन प्रदेश में भाजपा सरकार अपनी एकाधिकारवादी मानसिकता से काम कर रही है। शांतिपूर्ण अहिंसात्मक विरोध भी उसे बर्दाश्त नहीं है। बेरोजगारी से परेशानहाल नौजवान जब अपनी मांग उठाते हैं तो उन पर लाठियां बरसती हैं। प्रतिनिधिमण्डल ने राज्यपाल को बताया कि विभिन्न जनपदों में समाजवादी पार्टी के नेताओं को बदले की भावना से उत्पीड़न का शिकार बनाया जा रहा है। रामपुर के सांसद और पूर्वमंत्री मोहम्मद आजम खां और उनके परिवार पर तमाम फर्जी केस लगा दिए गए हैं। जनपद प्रतापगढ़ में सपा नेताओं पर सत्तादल के इशारे पर झूठे मामले गढ़े जा रहे हैं। ब्लॉक प्रमुख पट्टी माधुरी यादव के पति सभापति यादव को एनकाउण्टर किए जानेंकी धमकी दी जा रही है। उनका जीवन असुरक्षित है। समाजवादी पार्टी के ज्ञापन में मांग की गई है कि भाजपा के विपक्ष के प्रति असहिष्णु रवैये से जनता में भय और आक्रोश है, राज्यपाल अपने संवैधानिक पद के दायित्व का निर्वहन करते हुए तत्काल भाजपा सरकार के असंवैधानिक कार्रवाई पर रोक लगाए।

परिषदीय विद्यालयों की जमीन पर बने सार्वजनिक शौचालयों के ध्वस्तीकरण के आदेश

लखनऊ। राज्य सरकार ने परिषदीय विद्यालयों की जमीन पर बने सार्वजनिक शौचालयों के ध्वस्तीकरण के आदेश दिए हैं। कई जिलों से विभाग को शिकायतें मिल रहीं थीं कि उनकी जमीनों का उपयोग सार्वजनिक शौचालय के लिए हो रहा है। अभी हाल ही में बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी ने भी परिषदीय विद्यालयों की जमीनों पर शौचालय बनाने की शिकायत पर अधिकारियों को तत्काल कदम उठाने के आदेश दिए थे। शासन स्तर पर बेसिक के साथ ही प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने जिलों में सभी बीएसए तथा डीआइओस को निर्देश दिया है कि यदि कोई भी सार्वजनिक शौचालय स्कूल परिसर में आता है तो तत्काल उसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अगर कहीं पर भी इसका निर्माण चल रहा है तो भी उसको तुरंत रोका जाए। फिलहाल इस बारे में महानिदेशक विजय किरण आनंद का कहना है कि इस बारे में पूर्व में भी विभाग स्तर पर आदेश जारी किए गए हैं।

सूबे में कोरोना के 6584 नए मरीज मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूबे में कोरोना वायरस कहर बन कर टूट रहा है। शुक्रवार को 6584 नए मरीज पाए गए हैं। जबकि 67825 केस एक्टिव बताए गए हैं। वही अभी तक प्रदेश में 4869 मरीजों की मौत हो चुकी है। विभाग के मुताबिक अभी तक प्रदेश में 341788 केस कोरोना के मिल चुके हैं। आज 6806 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। अभी तक सूबे में 270094 संक्रमित मरीज ठीक किये जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज लखनऊ में 1244, कानपुर में 407, प्रयागराज में 336, गोरखपुर में 203, गाजियाबाद में 191, वाराणसी में 239, नोएडा में 134, बरेली में 101, मेरठ में 225, मुरादाबाद में 90, अलीगढ़ में 124, झांसी में 145, सहारनपुर में 119, बाराबंकी में 84, देवरिया में 35, बलिया में 58, अयोध्या में 116, शाहजहांपुर में 83, आगरा में 88, जौनपुर में 58, रामपुर में 26, कुशीनगर में 45, महाराजगंज में 65, आजमगढ़ में 61, हरदोई में 103, लखीमपुर खीरी में 230, मुजफ्फरनगर में 115, गाजीपुर में 62, मथुरा में 88, इटावा में 73, गोंडा में 21, बुलंदशहर में 74, बस्ती में 39, पीलीभीत में 40, सीतापुर में 67, प्रतापगढ़ में 36, उन्नाव में 47, सिद्धार्थनगर में 32, सुल्तानपुर में 45, चंदौली में 41, बहराइच में 46, बिजनौर में 49, मैनपुरी में 57, सोनभद्र में 38, बदायूं में 84, रायबरेली में 46, संत कबीर नगर में 9, हापुड़ में 49, फिरोजाबाद में 39, अमरोहा में 33, कन्नौज में 40, ललितपुर में 38, मिर्जापुर में 15, अमेठी में 2, मऊ में 9, संभल में 26, फर्रुखाबाद में 48, शामली में 81, फतेहपुर में 69, जालौन में 31, औरैया में 44, बांदा में 52, कानपुर देहात में 67, एटा में 34, भदोही में 11, बलरामपुर में 43, कौशांबी में 11, अंबेडकर नगर में 20, बागपत में 9, कासगंज में 13, चित्रकूट में 19, हमीरपुर में 13, हाथरस में 18, श्रावस्ती में 2, महोबा में 9 कोरोना वायरस के संक्रमित मरीज पाए गए हैं।

एदियुरप्पा ने जदएस के भाजपा सरकार में शामिल होने की अटकलें की खारिज

भाषा। नई दिल्ली

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने जदएस के राज्य सरकार में शामिल होने या समर्थन देने की अटकलें शुक्रवार को खारिज कर दी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एदियुरप्पा तीन दिवसीय दौरे पर दिल्ली आए हुए हैं। ऐसी अटकलों को खारिज कर दिया जो पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी द्वारा विकास संबंधी कार्यों को लेकर चर्चा करने के लिए हाल में उनसे मुलाकात करने के बाद सामने आई थीं। एदि ने संवाददाताओं से कहा, यह सब अटकलें हैं और इसमें कोई सच्चाई नहीं है। विपक्षी दल के एक नेता, कुमारस्वामी ने हाल में विकास संबंधी कार्यों पर चर्चा करने के लिए हाल में मुझसे मुलाकात की थी। बैठक में किसी राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा नहीं की गई।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा के पास कर्नाटक में पर्याप्त बहुमत है और उसे जदएस (जनता दल सेक्युलर) से किसी समर्थन की जरूरत नहीं है। एदियुरप्पा ने विपक्ष के इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि उनके पुत्र एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बी वाई विजेंद्र एक सुपर मुख्यमंत्री के तौर पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विजेंद्र पार्टी कार्यों पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं और सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। एदियुरप्पा ने कहा, विपक्ष के कुछ नेता उनके राजनीतिक विकास को देखकर ईर्ष्या में आधाराहीन आरोप लगा रहे हैं।

एदियुरप्पा ने कहा कि वह दिन में बाद में पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ मंत्रिमंडल के विस्तार पर चर्चा करेंगे। एदियुरप्पा ने कहा कि उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष के साथ भी एक चर्चा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री एदियुरप्पा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ मुलाकात की और राज्य से संबंधित विकास कार्यों पर चर्चा की।

एदियुरप्पा ने संसद भवन में पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से मुलाकात की और मेकेदातू परियोजना के लिए संदर्भ की शर्तें और राज्य में कलासा और बंडुरी नाला परियोजनाओं के लिए पहले चरण की वन मंजूरी जल्द प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने बाद में जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की और सरकार से अपर कृष्णा परियोजना चरण-तीन और अपर भद्र परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने साथ ही सिंचाई एवं पेयजल परियोजनाओं के लिए जल्द मंजूरी का अनुरोध किया जिसमें जल संसाधनों का उपयोग करने के लिए राज्य को आवंटित मेकेदातु और कलासा और बंडुरी नाला परियोजनाएं शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि उन्होंने इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी मुलाकात की और उनसे विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील लिमिटेड के विनिवेश की प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया। एदियुरप्पा ने 17 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। इन अटकलों के बीच कि मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल विस्तार पर आगे बढ़ सकते हैं, पूर्व मंत्री एच विश्वनाथ और एम पी रेणुकाचार्य सहित राज्य के कई नेता राष्ट्रीय राजधानी आ चुके हैं।

उज्जैन में मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का चेक देते हुए।

प्रशासन में बेटे का दखल नही, उनका नाम घसीटना सुनियोजित साजिशः एदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने उन दावों को बकवास करार दिया है जिनमें कहा जा रहा है कि उनके बेटे बीवाई विजएंद्र प्रशासन में हस्तक्षेप कर रहे हैं। एदियुरप्पा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उनके बेटे का नाम इसमें लाकर भ्रम की स्थिति पैदा करने के लिए सुनियोजित षड्यंत्र रचा जा रहा है। वह मंत्रिमंडल विस्तार तथा राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में प्रधानमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलने पहुंचे। जद(एस) नेता एचडी कुमारस्वामी के साथ हाल में बैठक करने की अटकलें भी खारिज की।

एदियुरप्पा ने एक सवाल के जवाब में कहा, आमतौर पर लोग तरक्की करने वालों को बर्दाश्त नहीं कर पाते। विजएंद्र ने कभी भी दखल (प्रशासन में) नहीं दिया। कर्नाटक भाजपा के उपाध्यक्ष के तौर पर वह अपना काम कर रहे हैं, राज्यभर में यात्रा कर पार्टी को मजबूत कर रहे हैं। विपक्ष के नेता सिद्धरमैया ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि विजएंद्र प्रशासन में दखलंदाजी कर रहे हैं और असल मुख्यमंत्री वह ही हैं।

एदि ने पीएम को बेंगलुरु टेक समिट के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री एदियुरप्पा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी से नई दिल्ली में मुलाकात की और राज्य के विकास से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। मोदी को बेंगलुरु टेक समिट का ऑनलाइन उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित भी किया। संसद भवन में मोदी और एदियुरप्पा के बीच करीब 15 मिनट की मुलाकात हुई। एदि ने मोदी को बेंगलुरु टेक समिट का 19 नवंबर को ऑनलाइन उद्घाटन करने का आमंत्रण दिया। पीएम से मुलाकात से पहले मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह राज्य के विकास और मंत्रिमंडल विस्तार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

नक्सलियों ने की जवान की हत्या

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के एक जवान की हत्या कर दी। बीजापुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पदेदा गांव के करीब सुरक्षा बलों ने आरक्षक मल्लु राम सूर्यवंशी (38) का शव बरामद किया है। सूर्यवंशी पिछले एक सप्ताह से लापता था। सूर्यवंशी की हत्या की सूचना के बाद पुलिस दल को घटनास्थल भेजा गया था। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से एक पर्चा भी बरामद किया है। जिसमें नक्सलियों के गंगालूर एरिया कमेटी ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सूर्यवंशी राज्य के बिलासपुर जिले का निवासी था। वह छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 17 वीं बटालियन में तैनात था। वह सशस्त्र बल की जिस कंपनी में तैनात था वह कंपनी क्षेत्र में पुलिस शिविर का निर्माण समेत अन्य कार्य करती है। सूर्यवंशी पिछले सप्ताह अपने शिविर से लापता हो गया था।

कृषि सुधार विधेयक किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगेः शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में पारित कृषि सुधार संबंधी विधेयकों को अभूतपूर्व करार देते हुए शुक्रवार को कहा कि ए विधेयक किसानों के जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन लाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020 और कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 के लोकसभा से पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

भारत के मेहनती किसान देश की खुशहाली और समृद्धि के वाहक हैं, जिन पर पूरे देश को अभिमान है। मोदी सरकार के रूप में पहली बार कोई सरकार किसानों के सशक्तिकरण के लिए इस तरह दिन रात काम कर रही है और कल लोकसभा में पारित हुए ऐतिहासिक कृषि सुधार विधेयक इसी दिशा में एक अभूतपूर्व कदम है। शाह ने कहा कि ए ऐतिहासिक विधेयक किसानों व कृषि क्षेत्र को बल देंगे और उनको बिचौलियों व अन्य समस्याओं से मुक्त करेंगे। इन विधेयकों से किसानों को उनकी उपज बेचने के लिए नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।

यह ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण कृषि सुधार किसानों के जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन लाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम भूमिका निभाएंगे। इन विधेयकों के पारित होने पर मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। इन विधेयकों के विरोध में देश के कुछ हिस्सों खासकर कृषि प्रधान पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में किसान प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

लोस अध्यक्ष ने कहा कि मंत्री सदन में उपस्थित नहीं हो पाएं तो उन्हें पहले सूचित कर दिया जाए

नई दिल्ली। लोस अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी से कहा कि यदि कोई मंत्री कार्यसूची में अंकित दस्तावेज को पेश करने के लिए उनके नाम का उल्लेख होने पर अनुपस्थित रहते हैं तो इस बारे में पहले सूचित कर दिया जाए। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में आवश्यक पत्र पेश किए जाते समय केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रामेश्वर तेली का नाम लिया तो वह सदन में उपस्थित नहीं थे। अध्यक्ष ने यह निर्देश दिया। तेली की गैर-मौजूदगी में केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उनकी ओर से सदन में कागजात रखे। लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय कार्य मंत्री जोशी से कहा कि यदि कोई मंत्री अत्यावश्यक कार्य से सदन में नहीं आ सकें तो इस बारे में उन्हें पहले सूचित कर दिया जाए। बृहस्पतिवार को भी यही स्थिति थी जब उन्होंने एक मंत्री का नाम लिया था जिन्हें विधेयक पेश करना था, लेकिन उनकी गैर-मौजूदगी रही।

क्विक न्यूज

तीन नकाबपोश लुटेरे बैंक से 1.5 करोड़ रुपए लूटकर फरार

जयपुर। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के संगरिया कस्बे में तीन हथियारबंद लुटेरों ने एक निजी बैंक के कर्मचारियों को बंधक बनाकर बैंक से 1.5 करोड़ रुपए की नगदी लूट ली और फरार हो गए। पुलिस ने लुटेरों को पकड़ने के लिए पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा की ओर जाने वाले रास्तों में नाकाबंदी की है और सबूत जुटाने के लिए बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। पुलिस उपाधीक्षक दिनेश राजोरा ने शुक्रवार को कहा, हम मामले की जांच कर रहे है। आरोपियों को पकड़ने केलिए तलाश अभियान शुरू किया गया है। सबूत जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि हनुमानगढ़ के संगरिया कस्बे की नई धान मंडी में एक्सिस बैंक की शाखा में बृहस्पतिवार को घटना उस समय हुई जब बैंक को बंद किया जा रहा था। उसी दौरान तीन नकाबपोश हथियाबंद लुटेरे चाकू लेकर बैंक में घुसे और उन्होंने कर्मचारियो को बंधक बनाकर नगदी लूट ली। बदमाशों ने बैंक कर्मचारियों को करेंसी चेस्ट रूम में बंद कर दिया और कार से फरार हो गए। मामले की जांच की जा रही है।

हिप्रः मुख्यमंत्री ने विधायक निधि बहाल करने की घोषणा की

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शुक्रवार को विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि को दोबारा शुरू करने की घोषणा की। राज्य के विधायकों को दी जाने वाली निधि पांच महीने से अधिक समय तक निलंबित थी। मानसून सत्र के अंतिम दिन राज्य विधानसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक निधि बहाल की जाएगी और इसकी पहली किस्त के 25 लाख रुपए अक्टूबर में जारी किए जाएंगे। कोविड-19 से मुकाबले के लिए राज्य सरकार ने अप्रैल में विधायक निधि को दो साल के लिए निलंबित करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस विधायकों ने ठाकुर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि यह निधि विधायकों के व्यक्तिगत लाभ के लिए नही है बल्कि इसे चुनाव क्षेत्रों के कई गांवों और अन्य स्थानों में खर्च किया जाएगा। ज्यादातर विधायक यह निधि बहाल करने के पक्ष में थे।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल कोरोना से संक्रमित

अहमदाबाद। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल कोविड-19 से संक्रमित पाए गए है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गांधीनगर सिविल अस्पताल की अधीक्षक डॉ नियति लखानी ने कहा कि उनके एक सहायक के संक्रमित पाए जाने के बाद आरटी-पीसीआर और एंटीजन जांच के लिए उनके नमूने एकत्र किए गए। लखमानी ने बताया, एंटीजन जांच में उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई जबकि आरटी-पीसीआर जांच की रिपोर्ट आना बाकी है। उनके परिवार ने कहा कि 92 वर्षीय नेता फिलहाल गांधीनगर स्थित घर मे पृथक-वास मे है।

पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा पर शुक्रवार को संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। रक्षा प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय सेना ने प्रभावी तरीके से इसका जवाब दिया। रक्षा प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने बताया, पाकिस्तान ने बिना किसी उकसावे के गुरेज सेक्टर के कंजलवान में नियंत्रण रेखा पर आज सुबह गोलाबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। कालिया ने बताया कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नही मिली है।

गोवा आप के संयोजक एल्विस गोम्स ने पद छोड़ा

पणजी। आम आदमी पार्टी (आप) गोवा के संयोजक एल्विस गोम्स ने शुक्रवार को पद छोड़ते हुए का किया कि वह भाजपा शासित राज्य में पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर काम करेंगे। गोम्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में पद से अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उनके सहयोगी और वरिष्ठ नेता राहुल महाम्ब्रे को अगली घोषणा तक गोवा इकाई के संयोजक के रूप में नामित किया गया है। पूर्व नौकरशाह 2017 के गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान आप की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार थे। पार्टी ने तब 40 विधानसभा सीटो मे से 39 पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा कि आप की गोवा इकाई के संयोजक का पद छोड़ने के मेरे फैसले के बारे में किसी को भी कोई क्यास नही लगाना चाहिए। मैंने पार्टी के हित में फैसला लिया है क्योंकि मै जमीनी स्तर पर काम करना चाहता हू।गोम्स ने दावा किया कि आप गोवा के लोगों के बीच लोकप्रियता हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि हर मोर्चे पर प्रमोद सावंत सरकार की विफलता देखी जा रही है।गोम्स ने कहा कि कोविड-19 के प्रसार पर अंकुश लगाने और मरीजो के समुचित इलाज के लिए भाजपा सरकार की विफलता ने शासन करने की क्षमता पर सवालिया निशान लगा दिया है।कोविड-19 अस्पतालो में पर्याप्त बेड नही हैं। वही कोविड-19 सुविधाओं वाले निजी अस्पताल भरे हुए हैं। उन्होंने निजी स्वास्थ्य सुविधाओं पर अधिक पैसे लेने का आरोप लगाया।

गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनेवाल ई-बुक, 'सेवा ही संगठन' का विमोचन करते हुए।

भाजपा की पूर्व विधायक पारुल कांग्रेस में शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा की 27 सीटों के उप चुनाव के पहले सत्तापक्ष भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस के कथित तौर पर असंतुष्ट नेताओं का दल बदल करने का सिलसिला लगातार जारी है और शुक्रवार को भाजपा की पूर्व विधायक पारुल साहू प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गईं। कांग्रेस में साहू का स्वागत करते हुए कमलनाथ ने कहा, मैं वास्तव में खुश हूं कि साहू ने प्रदेश के वर्तमान हालात को देखते हुए कांग्रेस में शामिल होने का एक सही फैसला किया है। यह उनकी घर वापसी है।

कमलनाथ ने सत्तारुढ़ भाजपा पर झूठी घोषणाएं कर प्रदेश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणाओं पर तंज करते हुए कांग्रेस ने कहा, चौहान अपनी जेब में हमेशा एक नारियल रखते हैं और जहां भी उन्हें मौका मिलता है, वह घोषणा करते हुए नारियल तोड़ देते हैं।

मार्च माह में कांग्रेस की 15 माह पुरानी सरकार गिराने के बाद भाजपा की सत्ता वापसी का अप्रत्यक्ष तौर पर जिक्र करते हुए कमलनाथ ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश को बदनाम किया है और डॉ बाबा साहेब आंबेडकर ने भी नहीं सोचा होगा कि मध्यप्रदेश में इस तरह की अनैतिक घटना घटेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि भाजपा ने संविधान और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया है और प्रदेश के लोग आगामी उप चुनावों में इस मुद्दे पर अपना फैसला देंगे। उन्होंने कहा कि यह उप चुनाव प्रदेश का भविष्य तय करेगा। सागर जिले की सुरखी विधानसभा सीट से 2013 में भाजपा की विधायक बनी पारुल साहू ने कहा कि कांग्रेस में शामिल होने के बाद कहा कि उन्होंने घर वापसी की है और वह इससे बहुत खुश हैं।

हरिद्वार कुम्भ मे श्रद्धालुओं को पास के जरिए मिलेगा प्रवेश : रावत

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शुक्रवार को कहा कि अगले साल हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुम्भ मेले में आने वाले लोगों की संख्या को नियंत्रित किया जाएगा और पास के माध्यम से श्रद्धालुओं को इसमें प्रवेश दिया जाएगा। रावत ने आनलाइन बातचीत में कहा, कोरोना वायरस महामारी के कारण इस आयोजन में आने वाले लोगों की संख्या को नियंत्रित किया जाएगा और इसलिए इसमें हिस्सा लेने वाले श्रद्धालुओं को पास जारी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि साधु संतों के साथ उन्होंने इस विषय में चर्चा की है और कोरोना वायरस महामारी के कारण संख्या सीमित रख कुम्भ मेले के आयोजन को छोटा करने के विचार पर वह समहत हो गए हैं। रावत ने कहा, कुम्भ मेले में संख्या सीमित रखने के लिए जरूरी है कि श्रद्धालुओं को पास के आधार पर ही इसमें प्रवेश की अनुमति दी जाए। कुम्भ मेले के इतिहास में यह पहला मौका होगा कि इस धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए श्रद्धालुओं को पास जारी किए जाएंगे। दुनिया भर में आयोजित होने वाले मेलों में यह सबसे बड़ा है। मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल के साढ़े तीन साल पूरा होने के अवसर पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। चारधाम सभी मौसम में चालू रहने वाली सड़क की चौड़ाई की सीमा शीर्ष अदालत ने साढ़े पांच मीटर तय कर दी है जो रणनीतिक दृष्टि से ठीक नहीं है।

हरसिमरत का इस्तीफा राजनीतिक निर्णय : पंजाब भाजपा प्रमुख

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा इकाई के प्रमुख अश्वनी शर्मा ने हरसिमरत कौर बादल के मंत्रिमंडल से दिए इस्तीफे को शुक्रवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का राजनीतिक निर्णय करार दिया और कहा कि पार्टी अब भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है। कौर ने कृषि क्षेत्र से जुड़े तीन विधेयकों के विरोध में बृहस्पतिवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि केन्द्र में भाजपा नीत सरकार द्वारा लाए तीन विधेयक किसान समुदाय के हित में हैं। शर्मा ने कहा, अकाली दल राजग का हिस्सा है, लेकिन यह एक अलग राजनीतिक दल है। उन्होंने यह निर्णय कुछ राजनीतिक कारणों के चलते लिया है। हमारा (शिअद-भाजपा) गठबंधन है, लेकिन दोनों अलग राजनीतिक दल हैं। उन्होंने एक राजनीतिक निर्णय लिया है।

दोनों दलों के गठबंधन के जारी रहने पर शर्मा ने कहा कि उन्होंने (अकाली दल) ने खुद ही कहा है कि वे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक दल (राजग) का हिस्सा हैं। शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में कहा था कि भविष्य के कदम और भाजपा नीत राजग गठबंधन में रहने या नहीं रहने को लेकर बाद में पार्टी की बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि तीनों विधेयक निश्चित रूप से कृषि आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पंजाब भाजपा प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आश्वासन दिया है कि फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य और सरकारी खरीद जारी रहेगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शर्मा ने कहा कि पंजाब की सत्तारूढ़ पार्टी किसानों को विधेयकों पर भ्रमित करने की कोशिश कर रही है ताकि शराब माफिया, छात्रवृत्ति घोटाले, भ्रष्टाचार और अपने चुनावी वादों को निभाने में विफलता जैसे ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटा सके।

पंजाब, पंजाबियत और हर पंजाबी किसानों के साथः सिद्धू

भाषा। चंडीगढ़

केंद्र सरकार के तीन कृषि विधेयकों के खिलाफ किसानों के विरोध-प्रदर्शनों के बीच पंजाब के विधायक और पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब, पंजाबियत और हर पंजाबी किसानों के साथ है। पिछले साल मंत्री पद से इस्तीफे के बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सिद्धू ने खेती को पंजाब की आत्मा कहा। उन्होंने ट्वीट किया शरीर के घाव भर जाते हैं पर आत्मा पर वार नासूर बन कर सदा रिसता है, हमारे अस्तित्व हमारी आत्मा पर वार बर्दाश्त नही। जंग की तूती बोल रही है - इंकलाब जिंदाबाद। पंजाब, पंजाबियत और हर पंजाबी कंधे से कंधे मिलाकर एकजुट होकर किसान के साथ है। राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के एक साल से अधिक समय बाद कांग्रेस नेता ने अपने ट्विटर हैंडल पर यह ट्वीट पोस्ट किया।

एक अन्य ट्वीट में, उन्होंने भाजपा सरकार पर कटाक्ष किया और कहा, सरकारें तमाम उम्र यही भूल करती रही, धूल उनके चेहरे पर थी, आईना साफ करती रही। पिछले साल राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद से सिद्धू ने चुप्पी साध ली थी और अब उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। अमृतसर के विधायक सिद्धू का मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के साथ टकराव चल रहा था। पिछले साल जून में मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण फेरबदल में सिद्धू से महत्वपूर्ण विभाग ले लिए गए थे। पंजाब में कई किसान संगठन कृषि विधेयकों का विरोध कर रहे हैं।

कोलकाता में एपीडीआर कोलकाता मेट्रो अथॉरिटी के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग।

मोदी ने बदली राजनीतिक कार्यसंस्कृतिः नड्डा

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि दबाव की राजनीति में नहीं आकर उन्होंने देश में राजनीतिक कार्यसंस्कृति को बदल दिया है और गरीबों व पिछड़ों के अधिकारों की हमेशा रक्षा की है। उन्होंने कृषि सुधारों से संबंधित विधेयकों को इसका उदाहरण बताया।

नड्डा ने भाजपा के मुखपत्र कमल संदेश द्वारा प्रकाशित विशेषांक नए भारत के प्रणेता का विमोचन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, कृषि से जुड़े जो तीनों विधेयक लोकसभा में पारित हुए हैं वे सही मायने में किसानों को बिचौलियों और तमाम अवरोधों से मुक्त करेंगे। इस कृषि सुधार से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए नए-नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनका मुनाफा बढ़ेगा और किसान सशक्त होंगे। नड्डा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब

● कृषि से जुड़े जो तीनों विधेयक लोकसभा में पारित हुए हैं वे सही मायने में किसानों को बिचौलियों और तमाम अवरोधों से मुक्त करेंगे

लोकसभा ने बृहस्पतिवार को कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक, कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक पारित कर दिया। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक पहले ही पारित हो चुका है।

इन विधेयकों के विरोध में देश के कुछ हिस्सों खासकर कृषि प्रधान पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में किसान प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि भाजपा का सबसे पुराना सहयोगी

शिरोमणि अकाली दल खफा हो गया है। पार्टी की नेता एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने तीनों विधेयकों को किसान विरोधी बताते हुए बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया।भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने अपने घोषणापत्र में यह वादा किया था कि किसानों को एपीएमसी से बाहर निकाल कर लाएंगे और आवश्यक वस्तु अधिनियम को बदलेंगे। उन्होंने कहा, जो लोग इन कृषि विधेयकों का विरोध कर रहे हैं, वे वास्तव में किसान और उनके उत्पाद की बिक्री के बीच में मौजूद बिचौलियों की भाषा बोल रहे हैं।

न्यूनतम समर्थन मूल्य एवं सरकारी खरीद अर्थात एपीएमसी की व्यवस्था बनी रहेगी। विधेयक किसानों को कई और विकल्प प्रदान कर उन्हें सही मायने में सशक्त करने वाले हैं। इसके तहत एक परिस्थितिकी तंत्र के निर्माण का प्रावधान किया गया है जिसमें किसान कानूनी बंधनों से आजाद होंगे। नड्डा ने कहा कि किसानों को उपज बेचने का विकल्प देकर उन्हें सशक्त बनाया गया है लेकिन कुछ लोग जानबूझ कर किसानों को गुमराह कर रहे हैं ताकि किसान लाभ न उठा सकें। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले भी कहा है कि हमें दबाव की राजनीति में नहीं आना है और हमारी सरकार वह काम करती रहेगी जो देश के गांव, गरीब और किसान के लिए जरूरी हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में हर क्षेत्र में आज बदली हुई तस्वीर दिख रही है।

भाजपा अध्यक्ष ने याद दिलाया कि आयुष्मान भारत योजना को लागू करते समय भी उसका जमकर विरोध किया गया था लेकिन आज वही आयुष्मान भारत योजना देश के गरीबों के लिए सबसे बड़ी वरदान साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण और आर्थिक सुधारों से लेकर देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने हेतु लाए गए बदलावों को जो देश और दुनिया ने देखा है, वह अकल्पनीय और अद्भुत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने राजनीतिक कार्यसंस्कृति को बदल कर रख दिया है। पहले की सरकारें विकास का रिपोर्ट कार्ड रखने की जगह जाति आधारित वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति करती थी लेकिन मोदी जी ने राजनीति में विकास, सेवा, जन-कल्याण और जनता के लिए समर्पण की संस्कृति का शुभारंभ किया।

ठाणे में शुक्रवार को एक मंडी में प्याज से भरे बोरे ले जाता व्यक्ति

केंद्र के किसान मारो, पंजाब मारो षड्यंत्र का हिस्सा हैं कृषि विधेयकः अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को कृषि सुधार संबंधी विधेयकों की कड़ी आलोचना की और कहा कि इन्हें भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार, किसान मारो, पंजाब मारो के षड्यंत्र के तहत राष्ट्र पर थोपना चाहती है।

लुधियाना स्थित पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के किसान मेले की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता कि भाजपा और अकालियों की पंजाब से क्या दुश्मनी है और वे हमें क्यों बर्बाद करना चाहते हैं। सरकार की ओर से यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मेले के उद्घाटन में सौ स्थानों से डिजिटल माध्यम से किसान, किसानों के प्रतिनिधि और अन्य हितधारकों ने हिस्सा लिया। सिंह ने फिर चेतावनी दी कि विधेयकों से सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों में आक्रोश बढ़ेगा और पाकिस्तान इसका फायदा उठा सकता है। सिंह ने कहा कि किसान विरोधी इस कदम से पंजाब का माहौल बिगड़ेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली को इस मुद्दे पर पुनर्विचार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पिछले 65 सालों में भारत को खाद्य के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में पंजाब के किसानों ने जो बलिदान दिया है।

गाय के शरीर पर चुनावी विज्ञापन उकेरे जाने को लेकर कांग्रेस पर भड़की भाजपा

भाषा। इंदौर

आगामी उपचुनावों के लिए मध्यप्रदेश के सांवेर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार प्रेमचंद गुड्डू के पक्ष में गाय के शरीर पर चुनावी विज्ञापन उकेरे जाने को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा ने शुक्रवार को तीखी आपत्ति जताई। सफेद गाय की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है जिसमें उसके शरीर पर रंगों से लिखा दिखाई दे रहा है-सांवेर का विकास, प्रेमचंद गुड्डू।

गाय के शरीर पर कांग्रेस का चुनाव चिन्ह हाथ का पंजा भी उकेरा गया है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता उमेश शर्मा ने एक बयान में कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि गुड्डू ने अपने चुनावी विज्ञापन के लिए गौ माता का इस्तेमाल किया है। इस हरकत पर कांग्रेस उमीदवार के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज

होनी चाहिए। उधर, गुड्डू ने कहा कि गाय के शरीर पर चुनावी विज्ञापन उकेरे जाने से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के ही किसी कार्यकर्ता ने उन्हें बदनाम करने के लिए साजिश के तहत यह हरकत की है और गाय के फोटो को सोशल मीडिया पर डाला है। इस बीच, सांवेर पुलिस थाने के उप निरीक्षक मनोज कटारिया ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर का खुद संज्ञान लेते हुए हमने सांवेर क्षेत्र में संबंधित गाय की तलाश की।

लेकिन हमें वह नहीं मिली। शायद यह गाय इस क्षेत्र के बाहर की है। इस बीच, पशु हितैषी संस्था पीपुल फॉर एनिमल्स की स्थानीय इकाई की अध्यक्ष प्रियांशु जैन ने बताया कि उन्होंने पुलिस और प्रशासन को शिकायत कर कहा है कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान मूक पशुओं का इस्तेमाल तत्काल रुकवाया जाए क्योंकि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत यह एक अपराध है। सांवेर, सूबे के उन 28 विधानसभा क्षेत्रों में शामिल है जहां आने वाले दिनों में उप चुनाव होने हैं। हालांकि, चुनावी कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है। भाजपा ने इस सीट पर गुड्डू के खिलाफ प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट को मैदान में उतारा है।

अधीर चौधरी ने बंगाल में भाजपा के उभार पर ममता को बहस की चुनौती दी

भाषा। कोलकाता

बंगाल कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने राज्य में भारतीय जनता पार्टी के उभार और इसके कारणों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को ममता बनर्जी को चुनौती दी। चौधरी ने कहा कि उनकी पार्टी के भाजपा से हाथ मिलाने के आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है।

उन्होंने कहा कि बनर्जी, बंगाल में भाजपा की सबसे बड़ी एजेंट हैं। चौधरी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के कई सांसदों ने संसद में नागरिकता संशोधन विधेयक पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा, मैं टीएमसी अध्यक्ष (ममता) को चुनौती देता हूं कि बंगाल में भाजपा के उभार और उसके कारणों पर मेरे साथ बहस करें।

क्या आपके भीतर इसे स्वीकार करने की हिम्मत है? चौधरी ने कहा कि मुझे पता चला कि टीएमसी ने दिल्ली में आरोप लगाया है कि कांग्रेस ने बंगाल में भाजपा के साथ हाथ मिलाया है और क्षेत्रीय कार्यकर्ता कांग्रेस पर भरोसा नहीं करते। अधीर चौधरी पर पत्थर फेंकने से पहले मैं आपसे (बनर्जी) आग्रह करता हूं कि अपने नेताओं को आईना देखने को कहें।

आरेडिका में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन

संवाददाता। रायबरेली

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में 16 सितंबर से चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को आरेडिका की ओर से बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है और अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में कोरोना वायरस से लड़ने में और इसके रोकथाम के लिए सरकार व डब्लूएचओ द्वारा सोसल डिस्टेंसिंग के साथ ही स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। इसीक्रम उप मुख्य यांत्रिक अभियंता संरक्षा व प्रशिक्षण ने कर्मचारियों व अनुबंधिधत कर्मियों को साबुन, मास्क और सैनिटाइजर वितरित किया।

सेवामुक्त विमानवाहक विराट शनिवार को शुरू करेगा अपनी अंतिम यात्रा

भाषा। मुंबई

भारतीय नौसेना का विनिवेशित विमानवाहक पोत विराट शनिवार को नौसेना डॉकयार्ड से अपनी अंतिम यात्रा शुरू करेगा और गुजरात के भावनगर जिले के अलंग तक जाएगा। भारतीय नौसेना के एक बयान के अनुसार, ऐतिहासिक पोत को शुक्रवार को अलंग के लिए रवाना होना था, लेकिन इसके प्रस्थान में एक दिन की देरी हुई है।बयान के अनुसार कुछ कागजी काम अभी भी चल रहे हैं और इसमें कुछ और समय लगेगा। इसलिए विराट को शनिवार को रवाना किया जाएगा। यह पोत मुंबई में 2017 में सेवामुक्त होने से पहले 30 वर्षो तक भारतीय नौसेना की सेवा में था।यह भारतीय बेड़े में एकमात्र युद्धपोत था जिसने ब्रिटेन की शाही नौसेना और बाद में भारतीय नौसेना में सेवा दी थी। विराट को संग्रहालय या रेस्तरां में बदलने की कोशिशें हुईं, लेकिन यह योजना विफल हो गई।अलंग स्थित श्री राम समूह ने जहाज के विघटन के लिए निलामी में जीत हासिल की थी। नौसेना के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी की अपनी उच्च क्षमता वाले टग हैं जो पोत को अलंग तक ले जाएंगे और वहां तक ले जाने में दो दिन लगेंगे। समुद्र तटीय शहर अलंग में दुनिया का सबसे बड़ा जहाज विघटन यार्ड है।

पाकिस्तानी सेना ने पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम स्थानों पर फिर की गोलाबारी

भाषा। जम्मू

पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम चौकियों पर भारी गोलीबारी और गोलाबारी करके लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आक्रामक व्यवहार का मुंहतोड़ जवाब दिया। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को शाम करीब साढ़े चार बजे बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास छोटे हथियारों से गोलीबारी करके और मोर्टार से गोले दागकर बिना उकसावे के संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी बलों ने इस महीने अब तक 31 बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया है।

बालाकोट सेक्टर में बृहस्पतिवार को भी पाकिस्तान की गोलीबारी में भारतीय सेना का एक जवान घायल हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी बलों ने राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास मंगलवार को भारी गोलीबारी की थी और मोर्टार के गोले दागे थे, जिसमें सेना का एक जवान शहीद हो गया था और एक अधिकारी समेत दो जवान घायल हो गए थे। इससे पहले, राजौरी के केरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी बलों द्वारा दो सितंबर को संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन में एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर शहीद हो गया था।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा के निकट चार मोर्टार निष्क्रिय किए

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने शुक्रवार को नियंत्रण रेखा के निकट संघर्ष विराम के उल्लंघन के दौरान पाकिस्तानी सेना की तरफ से दागे गए मोर्टार के चार बिना फटे गोलों का पता लगाकर उनको नष्ट किया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा से लगे बालाकोट इलाके को निशाना बनाकर बृहस्पतिवार को पाक की तरफ से दागे गए मोर्टार के गोलों के नहीं फटने की सूचना ग्रामीणों ने दी थी जिसके बाद बम निरोधक दस्ते का दल इलाके में पहुंचा था। उन्होंने कहा कि दल ने अभियान के दौरान इन गोलों का पता लगाकर उन्हें नष्ट किया और इलाके में जान-माल का कोई नुकसान नहीं होने दिया।

गंभीर चोट न केवल विकलांग करती है बल्कि गहरे भावनात्मक निशान छोड़ती हैः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सड़क दुर्घटना के पीड़ित के मामले में मुआवजा राशि में वृद्धि करते हुए कहा कि अदालत को यह ध्यान में रखना चाहिए कि गंभीर चोट न केवल विकलांगता लाती है बल्कि गहरे भावनात्मक निशान छोड़ती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि उचित मुआवजे में उन सभी तत्वों को शामिल किया जाना चाहिए जो कि पीड़ित व्यक्ति को उस स्थिति के निकट ले आएगा, जैसा वह दुर्घटना से पहले था। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की पीठ ने कहा कि वैसे तो एक पीड़ित दुर्घटना के बाद जिस प्रकार के आघात, दर्द और पीड़ा से गुजरता है, उसे कोई भी राशि अथवा अन्य मुआवजा समाप्त नहीं कर सकती है। उच्च अदालत ने सड़क दुर्घटना के एक मामले में पीड़ित को बतौर मुआवजा 7,77,600 रुपए देने का आदेश दिया था, जिसे उच्चतम न्यायालय ने बढ़ाकर 19,65,600 रुपए किया। शीर्ष अदालत पप्पू देव यादव की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जोकि तीस हजारी अदालत में डाटा एंट्री ऑपरेटर का काम कर रहे थे और हर महीने 12,000 रुपए वेतन पाते थे।

पेज एक का शेष

कृषि विधेयकों...

4,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा तथा इसका ग्रामीणों के जीवनयापन और कृषि पर बेहद बुरा प्रभाव पड़ेगा। किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के महासचिव श्रवण सिंह पंधेर ने कहा कि इन तीन कृषि विधेयकों के विरोध में हमने 24 से 26 सितंबर तक देशव्यापी रेल रोको आंदोलन शुरू करने का फैसला किया है।' इससे पहले पंजाब के अलग अलग किसान संगठनों ने 25 सितंबर को बंद का आह्वान किया है। बादल परिवार के पैतृक जिले मुक्तसर स्थित बादल गांव में विरोध कर रहे एक किसान ने आत्महत्या की कोशिश की। उसने शुक्रवार सुबह करीब साढ़े छह बजे जहर खा लिया और उसकी हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। पंजाब में मुक्तसर, अमृतसर तथा अन्य इलाकों में हजारों किसान भारतीय किसान यूनियन, किसान मजदूर संघर्ष कमेटी, आल इंडिया किसान संघर्ष कोऑर्डिनेशन कमेटी तथा राष्ट्रीय किसान महासंघ के बैनर तले धरना दे रहे हैं। किसानों की दलील है कि इन कानूनों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली खत्म हो जाएगी और उन्हें बड़े कारपोरेट के रहमो करम पर रहना पड़ेगा। शुक्रवार को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हजारों किसानों ने धरना दिया। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन के राकेश टिकैत ने कहा कि विरोध प्रदर्शन कई राज्यों में हो रहा है। पंजाब आढ़ती एसोसिएशन के एक सदस्य ने कहा कि इन विधेयकों से पिछले पांच दशकों तैयार हुआ कृषि मार्केटिंग नेटवर्क पूरी तरह से तबाह हो जाएगा। 62 किसान यूनियनों के संगठन राष्ट्रीय किसान महासंघ के बिनोद आनंद ने कहा कि 24 सितंबर को पूरे देश में किसान सड़कों पर उतरेंगे। केंद्र हितधारकों से बगैर चर्चा किए इन बिलों का लाया है। उन्होंने कहा कि कृषि राज्यों की विषय सूची में आती है। केंद्र सरकार का यह फैसला राज्यों के अधिकारों पर हमला है। आम तौर पर ऐसा नहीं होता लेकिन इस बार किसान और आढ़ती केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार खिलाफ खड़े हैं और इन्हें विपक्षी दलों, किसान संगठनों तथा कार्यकर्ताओं का भरपूर समर्थन मिल रहा है। हरियाणा में 10 सितंबर को भारतीय किसान यूनियन ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 को बाधित कर दिया था और उन्होंने कृषि अध्यादेशों को तुरंत वापस लेने की मांग की थी। हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित पिपली में कोरोना वायरस महामारी के दौरान प्रशासन के आदेशों का उल्लंघन करने पर प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाई थी। गुरुवार को प्रधानमंत्री के कैबिनेट से इस्तीफा देने वाली अकाली दल सांसद हरसिमरत कौर ने कृषि विधेयकों पर कहा कि उन्होंने अध्यादेश का विरोध किया था और अनुरोध किया था कि इन्हें सेलेक्ट कमेटी के पास भेजा जाए। कांग्रेस ने कहा कि मौजूदा खरीद प्रणाली को प्रभावित करने वाला कोई भी कदम राज्य के किसानों में सामाजिक समस्या को बढ़ाएगा। हम सरकार से अनुरोध करते है कि वह इन उपायों की फिर से समीक्षा और उस पुनर्विचार करे क्योंकि इनसे से वे वादे पूरे नहीं किए जा सकेंगे जो किसानों से किए गए थे। कृषि-विपणन को राज्यों पर ही छोड़ दिया जाना चाहिए जैसा कि संविधान में प्रावधान किया गया है। पिछले साल मंत्री पद से इस्तीफे देने वाले क्रिकेटर से नेता बने नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि कृषि 'पंजाब की आत्मा' है। पंजाबी में अपने ट्वीट में उन्होंने कहा कि कृषि पंजाब की आत्मा है, शरीर पर लगे जख्म भर जाएंगे लेकिन आत्मा पर लगी चोट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जंग की रणभेरी कहती है इंकलाब जिंदाबाद, पंजाब जिंदाबाद, पंजाबियत और हर पंजाबी किसानों के साथ है। अब इन तीनों विधेयकों को राज्यसभा में पेश किया जाएगा और ऊपरी सदन द्वारा पारित किए जाने के बाद ये कानून बन जाएंगे। इन विधयेकों के जरिये कृषि क्षेत्र और प्रतिस्पर्धा के लिए खोला जाएगा तथा बड़े कृषि व्यापार के लिए सप्लाई चेन को आधुनिक बनाने तथा उन्हें सीधे किसानों से जोड़ा जाएगा। साथ ही बाजार में उनकी सीधी पहुंच बनेगी। विपक्षी सांसदों समेत आलोचकों का कहना है कि इससे देश की सार्वजनिक खरीद प्रणाली कमजोर हो जाएगी तथा प्राइवेट कंपनियां शोषण करेंगी। विधेयक पहले ही लोकसभा में पारित हो चुके हैं।

बिचौलियों के...

होने के कारण वे अपनी फसल को देश के किसी भी बाजार में अपनी मनचाही कीमत पर बेच सकेंगे। प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस पर, आरोप लगाया कि वह इन विधेयकों का विरोध कर किसानों को भ्रमित करने का प्रयास कर रही हैं और बिचौलियों के साथ किसानों की कमाई को बीच में लूटने वालों का साथ दे रही हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे इस भ्रम में न पड़ें और सतर्क रहें। मोदी ने ये बातें आज 'ऐतिहासिक' कोसी रेल महासेतु को राष्ट्र को समर्पित करने और बिहार के रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए 12 रेल परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद अपने संबोधन में कही। वीडियो कांफ्रेंस से आयोजित इस समारोह में बिहार के राज्यपाल फागू चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, रविशंकर प्रसाद, गिरिराज सिंह और नित्यानंद राय ने भी हिस्सा लिया। मोदी ने कहा कि कल विश्वकर्मा जयंती के दिन लोकसभा में ऐतिहासिक कृषि सुधार विधेयक पारित किए गए हैं। किसान और ग्राहक के बीच जो बिचौलिए होते हैं, जो किसानों की कमाई का बड़ा हिस्सा खुद ले लेते हैं, उनसे बचाने के लिए ये विधेयक लाए जाने बहुत आवश्यक थे। ये विधेयक किसानों के लिए रक्षा कवच बनकर आए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग दशकों तक सत्ता में रहे हैं और देश पर राज किया है, वे लोग किसानों को इस विषय पर भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं ओर उनसे झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस एपीएमसी एक्ट को लेकर अब ये लोग राजनीति कर रहे हैं, एग्रीकल्चर मार्केट के प्रावधानों में बदलाव का विरोध कर रहे हैं, उसी बदलाव की बात इन लोगों ने अपने घोषणापत्र में भी लिखी थी। लेकिन अब जब एनडीए सरकार ने ये बदलाव कर दिया है, तो ये लोग इसका विरोध करने पर उतर आए हैं। दुष्प्रचार किया जा रहा है कि सरकार के द्वारा किसानों को एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) का लाभ नहीं दिया जाएगा। ये भी मनगढ़ंत बातें कही जा रही हैं कि किसानों से धान-गेहूं इत्यादि की खरीद सरकार द्वारा नहीं की जाएगी। ये सरासर झूठ है, गलत है, किसानों को धोखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र की सरकार किसानों को एमएसपी के माध्यम से उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद भी पहले की तरह जारी रहेगी, कोई भी व्यक्ति अपना उत्पाद दुनिया में कहीं भी बेच सकता है। जहां चाहे वहां बेच सकता है। मोदी ने कहा कि किसानों के लिए जितना राजग शासन में पिछले छह वर्षों में किया गया है, उतना पहले कभी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों का विरोध करने वाले किसानों को अनेक बंधनों में जकड़ कर रखना चाहते हैं। वे लोग बिचौलियों का साथ दे रहे हैं...किसानों की कमाई को बीच में लूटने वालों का साथ दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों को अपनी उपज कहीं पर भी किसी को भी बेचने की आजादी देना बहुत ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भारत का किसान बंधनों में नहीं रहेगा। भारत का किसान खुलकर खेती करेगा। जहां मन होगा, अपनी उपज बेचेगा। जहां ज्यादा पैसा मिलेगा, वहां बेचेगा। किसी बिचौलिए का मोहताज नहीं रहेगा। यह देश की जरूरत है और समय की मांग भी है।

हरसिमरत के...

रहे हैं। दूसरी तरफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट के माध्यम से दुष्यंत पर निशाना साधते हुए कहा कि छोटे सीएम (दुष्यंत) को पद प्यारा है, किसान प्यारे क्यों नहीं हैं। इसमें कुछ तो राज है। उन्हें किसान माफ नहीं करेंगे। सरकार की पिछलग्गू बनकर जजपा किसान की खेती-रोटी छीनने के जुर्म की भागीदार है। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा सरकार में गठबंधन सहयोगी जजपा के नेता ताऊ देवीलाल की बात करते हैं। गठबंधन सहयोगी किसान हितैषी होते तो अबतक सरकार से अलग हो गए होते। लेकिन उन्हें किसान हित से ज़्यादा, कुर्सी प्यारी है। उन्होंने हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर लोकसभा द्वारा पारित इन विधेयकों से पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा कराने की मांग की। हुड्डा ने कहा कि विधानसभा सत्र शुरू होने पर उनकी पार्टी विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव लाएगी।

लोस में...

को बेवकूफ बनाया। सोनिया व नेहरू गांधी परिवार का नाम सुनते ही कांग्रेसी सदस्य भड़क उठे। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हिमाचल का ये लड़का कहां से आ गया। बहस में नेहरू जी कहां से आ गए। हमने मोदी जी का नाम लिया क्या। जवाब में भाजपा सांसद भी शोर मचाने लगे। तीखी नोकझोंक और भारी हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही चार बार स्थगित करनी पड़ी। इस मामले में कांग्रेस ने केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री से माफी की मांग की और सदन से वॉकआउट कर गई। जबर्दस्त शोर-शराबे में स्पीकर ओम बिड़ला को कार्यवाही चलाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। महौल तब और गरम हो गया जब तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने स्पीकर पर पक्षपात का आरोप मढ़ दिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष भाजपा का बचाव करते हैं। वे चाहें तो उन लोगों को सदन से निकाल दें लेकिन यह सब नहीं चलेगा। वे लोग चलने नहीं देंगे। दरअसल स्पीकर ने कहा था कि यदि कोई सुरक्षा से खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा तो वे नाम लेकर सदन से बाहर जाने को कह सकते हैं। हंगामा नहीं थमने पर बैठक स्थगित करनी पड़ी। मामले का समाधान निकालने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ने पक्ष-विपक्ष के नेताओं की अनौपचारिक बैठक बुलाई। सदस्य जब सदन में लौटे तब भी स्थिति जस की तस बनी रही और फिर कार्यवाही स्थगित हो गई। पहला स्थगन शाम चार बजे कल्यताण बनर्जी के आरोप के बाद हुआ। चौथी बार बैठक स्थगित होने के बाद ठाकुर ने माफी मांगी और शाम छह बजे सदन में अनुपूरक अनुदान मांगों पर बहस शुरू हुई। बहस की शुरुआत भाजपा के जयंत सिन्हा ने की।

एयर इंडिया...

वहन करना होगा। यही नहीं, एयर इंडिया एक्सप्रेस को ऐसी घटनाएं रोकने के लिए विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने को भी कहा गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने डीसीएए से मिले नोटिस की पुष्टि करते हुए कहा कि 28 अगस्त और चार सितंबर को क्रमशः दिल्ली और जयपुर से दुबई गए दोनों कोरोना पॉजिटिव यात्रियों के मामले में एयरलाइन के ग्राउंड हैंडलिंग एजेंटों ने गलती की है। दोनों को दंडित किया गया है।

पोल वॉल्टर डुप्लांटिस ने बुबका का विश्व रिकार्ड तोड़ा

रोम। स्वीडन के पोल वॉल्टर अर्मांड डुप्लांटिस ने सर्जेइ बुबका का 26 साल पुराना आउटडोर विश्व रिकार्ड तोड़ दिया है। डुप्लांटिस ने रोम में गोल्डन गाला पिएत्रो मेनिया मीट में दूसरे प्रयास में छह मीटर 15 सेंटीमीटर की कूद लगाकर बुबका का छह मीटर 14 सेंटीमीटर का रिकार्ड तोड़ा जो उन्होंने जुलाई 1994 में बनाया था।

चोट के कारण ओसाका फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस। अमेरिकी ओपन चैम्पियन नाओमी ओसाका ने बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग चोट के कारण फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम से हटने का फैसला किया। इससे पेरिस में 27 सितंबर से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन में ओसाका और गत चैम्पियन एश बार्टी हिस्सा नहीं लेंगी। क्ले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के आयोजकों ने दर्शकों की संख्या में और कटौती करने का फैसला किया है क्योंकि फ्रांस में कोरोना वायरस महामारी से हालात बिगड़ रहे है।

टॉटेनहम, एसी मिलान ने यूरोपा लीग क्वालिफाइंग में जीत दर्ज की

लंदन। टॉटेनहम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आखिरी मिनटों में दो गोल कर यूरोपा लीग क्वालीफाइंग के दूसरे चरण के मुकाबले में नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहे लोकोमोटिव प्लोवदिव को 2-1 से हराया।

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank ltd has organized an auction in below mention respect of vehicles.

VEHICLE FOR SALE

1) MAH BLAZO25GCB REG. NO. RJ52GA4521-YOM-2018
2) TATAMOTORS LPT909CHTK REG. NO. RJ52GA4523 YOM 2018
3) BB4928TCSS REG. NO. RJ09GC0168-YOM -2018
4) T1613CBGD REG. NO. UP23T3868-YOM-2014
5) BB2523CBGD REG. NO. HR55W7721-YOM -2015
6) BLAZO49TTS REG. NO. HR47D2072- YOM -2017
7) CB_TATA LP 1109 FULLY BUILT REG. NO. UP62BT2272-YOM-2018
8) EICHR_VECVVE1095CH REG. NO. DL1MA1324 YOM 2018
9) CB_LOADKING 4 TYRE FULLY BUILT REG. NO. DL1LAC9882- YOM- 2019
10) CB_MAHINDRA BLAZO31 FBT GOODS REG. NO. JK14F0232-YOM -2017
11) CB_MAHINDRA BLAZO31 FBT GOODS REG. NO. JK14E9716-YOM -2017
12) CB_MAHINDRA BLAZO31 FBT GOODS REG. NO. JK14F0236-YOM -2017
13) CB_MAHINDRA BLAZO31 FBT GOODS REG. NO. JK14F0233-YOM -2017
14) CB_MAHINDRA BLAZO31 FBT GOODS REG. NO. JK14F0235-YOM -2017
15) CB_TATA LPT 2518 FULLY BUILT GOODS REG. NO. UP38T0692-YOM -2013
16)TATAMOTORS-T2518FBGD REG. NO. UP77T6375 YOM 2014

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT

BRANCH ADDRESS: KOTAK MAHINDRA BANK 3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125, NOIDA-201313 OR CONTACT : JAGBIR SINGH / RAJESH ANTIL KOTAK MAHINDRA BANK LTD. Cont. No.9999996157/9711173320

THE PIONEER CLASSIFIEDS

DATE OF BIRTH

I, Gulshan Jahan, W/o. Abrar Ahmad, R/o. H-115, Jaitpur, Khadda Colony, Badarpur, New Delhi-110044 have declared that my daughter Shabana Parveen's date of birth mentioned in school record as 02.08.2004 by my mistake, but the correct date of birth is 02.10.2004 (also mentioned in Aadhaar Card).

PD(8741)A

कोरोना काल में आईपीएल का आगाज आज से

भाषा। अबुधाबी

कोरोना वायरस महामारी के खौफ के बीच दुनिया भर के क्रिकेटप्रेमियों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग शनिवार से शुरू होगी जिसमें एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी के शांत रवैए, विराट कोहली की आक्रामकता और रोहित शर्मा की कप्तानी पर सभी की नजरें होंगी। गत चैम्पियन रोहित की मुंबई इंडियंस का सामना पहले मैच में धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स से होगा।

भारत में कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों के कारण टूर्नामेंट यूएई में खेला जा रहा है और मैदान में दर्शक नहीं होंगे। कठिन हालात में सिनेमा और क्रिकेट के लिए तरस रहे दर्शकों के लिए भी यह आईपीएल खास होगा और खिलाड़ियों के लिए भी। ऐसे में जब सामाजिक दूरी और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं, अगले 53 दिन धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स, कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, रोहित की मुंबई इंडियंस, केएल राहुल की किंग्स इलेवन पंजाब और श्रेयस अय्यर की दिल्ली कैपिटल्स समेत आईपीएल टीमों के नाम होंगे। आईपीएल पहले भी विदेश में हुआ है लेकिन इस बार करोड़ों डॉलर का यह क्रिकेटिया तमाशा पहली बार जैविक सुरक्षित माहौल में होगा। इसमें क्रिस गेल और डेविड वार्नर के गगनभेदी छक्कों पर तालियां पीटने वाले नहीं होंगे और ना ही सुपर ओवर में कोई शोर सुनाई देगा। इसके बावजूद कोई शिकायत नहीं क्योंकि कम से कम खेल देखने को तो मिलेगा। कागजों पर आकलन करें तो मुंबई की टीम सबसे मजबूत नजर आ रही है जिसमें रोहित के अलावा हार्दिक और कृणाल पंड्या , कीरोन पोलार्ड और डैथ ओवरों के शहंशाह गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। चेन्नई टीम को भले ही बूढ़ों की फौज कहें लेकिन इस टीम ने साबित किया है कि सफलता और प्रतिभा उम्र के मोहताज नहीं होते। शेन वाटसन, ड्वेन ब्रावो, फाफ डु प्लेसी और रविंद्र जडेजा ने अपना सौ प्रतिशत इस टीम को दिया है और इस बार भी देंगे। कोहली की उपलब्धियों में आईपीएल खिताब की कमी खटकती है जिसे वह पूरा करना चाहेंगे। आरोन फिंच, क्रिस मौरिस और देवदत्त पडीक्कल की मौजूदगी में टीम मजबूत दिख रही है। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल लय हासिल की और उनके पास अय्यर जैसा बेहतरीन कप्तान , पृथ्वी साव और ऋषभ पंत जैसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं। इसके साथ ही रविचंद्रन अश्विन जैसा अनुभवी गेंदबाज टीम में है। राहुल की पंजाब टीम का अच्छा प्रदर्शन भविष्य में राहुल को भारतीय टीम के संभावित कप्तानों की जमात में शामिल कर सकता है। यह देखना होगा कि ग्लेन मैक्सवेल, गेल और मोहम्मद शमी जैसे स्टार खिलाड़ियों को वह कैसे संभालते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद की कोशिश एक बार फिर फाइनल तक पहुंचने की होगी और उनके कप्तान डेविड वार्नर मैच जिताने के फन में माहिर हैं।उनके पास जॉनी बेयरस्टॉ की आक्रामकता , केन विलियमसन की कूलनेस और राशिद खान की कलाई का जादू है। आईपीएल का कुछ भाग 2014 में जब यूएई में खेला गया था, तब कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। बेन स्टोक्स अगर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला हैं तो आंद्रे रसेल सबसे आक्रामक बल्लेबाज। उन्होंने पिछले सत्र में 52 छक्के जड़कर यह साबित किया था। अंडर 19 विश्व कप सितारे शुभमन गिल, शिवम मावी और कमलेश नागरकोटी टीम में युवा जोश भरेंगे जबकि इयोन मोर्गन के रूप में अनुभवी कप्तान टीम के पास है। राजस्थान रॉयल्स की उम्मीदों का दारोमदार विदेशी खिलाड़ियों जोस बटलर, स्टीव स्मिथ और जोफ्रा आर्चर पर होगा। स्टोक्स अपने बीमार पिता की देखभाल के लिए न्यूजीलैंड में है और उनका खेलना संदिग्ध है। पहले मैच में मुंबई का पलड़ा भारी लग रहा है। रोहित, क्विंटोन डिकॉक, सूर्य कुमार यादव, ईशान किशन, पंड्या बंधु, कीरोन पोलार्ड बल्लेबाजी को मजबूत देते हैं। ट्रेंट बोल्ट और नाथन कूल्टर नाइल भी टीम में हैं। चेन्नई टीम में इतने सालों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है।

अगले 53 दिन चलेगी टीमों में जंग

●चैम्पियन रोहित की मुंबई इंडियंस का सामना पहले मैच में धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स से होगा

मीडिया को स्टेडियम में जाने की अनुमति नहीं

दुबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए लगाए गए सख्त स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण आईपीएल के 13वें चरण में मीडियाकर्मियों को स्टेडियम में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पता चला है कि यह पहला चरण होगा जिसमें फ्रेंचाइजी को मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस कराने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि प्रत्एक मैच के बाद वर्चुअल मीडिया कांफ्रेंस कराना अनिवार्य होगा। बीसीसीआई ने कहा, ड्रीम11 इंडियन प्रीमियर लीग 2020 कोविड-19 महामारी के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में बंद स्टेडियम में आयोजित की जा रही है।

आईपीएल के रिकार्ड

अबुधाबी। शनिवार से शुरू हो रहे आईपीएल से पहले पिछले सत्रों के कुछ आंकड़े इस प्रकार है।

टीम : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के नाम सबसे बड़े स्कोर बनाने के रिकार्ड है जिसने पुणे वारियर्स के खिलाफ 2013 में पांच विकेट पर 263 और गुजरात लायंस के खिलाफ 2016 में तीन विकेट पर 248 रन बनाए थे। चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पांच विकेट पर 246 रन बनाए थे। आईपीएल में न्यूनतम स्कोर का रिकार्ड भी आरसीबी के नाम है जो 2017 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 49 रन पर आउट हो गई थी। दूसरे पर रॉयल्स और तीसरे पर दिल्ली डेयरडेविल्स है जो क्रमशः आरसीबी और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 2009 और 2017 में 58 और 66 रन पर आउट हो गई थी। दिल्ली के खिलाफ 2017 में मुंबई इंडियंस को मिली 146 रन की जीत रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। केकेआर दूसरे नंबर पर है जिसने गुजरात लायंस को 2016 में 144 रन से हराया था। अब तक आठ मैचों का फैसला सुपर ओवर से हुआ है जिसमें से तीन में केकेआर शामिल थी। एक मैच में सर्वाधिक अतिरिक्त रन देने का रिकार्ड केकेआर के नाम है जिसने 2008 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 28 रन दिए थे। किंग्स इलेवन पंजाब ने 2011 में आरसीबी के खिलाफ 27 रन फालतू दिए थे।

बल्लेबाजी रिकार्ड : आरसीबी के कप्तान विराट कोहली के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा रन है जिन्होंने 12 सत्रों में 5412 रन बनाए है। चेन्नई के सुरेश रैना ने 5368 और मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने 4898 रन बनाए है। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 326 छक्के जड़े है जबकि आरसीबी के एबी डिविलियर्स ने 357 और चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 297 छक्के लगाए है। गेल के नाम आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर का रिकार्ड भी है जिन्होंने 2013 में पुणे वारियर्स के खिलाफ 66 गेंद में नाबाद 175 रन बनाए थे जो टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक भी है। केकेआर के ब्रेंडन मैकुलम (नाबाद 158) दूसरे और डिविलियर्स (नाबाद 133) तीसरे स्थान पर है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that SMC Certificate stating legal heirs of Mr. Udai Ram & Mr. Murlidhar in respect of Property No. H-60, measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 63/28, situated at Jawahar Park, H-Block, Gali No. 3, Garwali Mohalla, Laxmi Nagar, Delhi, has been lost / misplaced. All persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of the said missing document. If anyone has already carried out or being carried out kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 10 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Flr, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N.Delhi-15
Ph. 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

धोनी तरोताजा और मानसिक रूप से दृढ : कोच

भाषा। अबुधाबी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने शुक्रवार को कहा कि टीम के करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के लिए एक साल से ज्यादा समय का ब्रेक काफी फायदेमंद रहा जिससे वह तरोताजा होकर तकनीकी रूप से अलग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की चुनौतियों से निपटने के लिए मानसिक रूप से दृढ़ हैं। शनिवार को सीएसके और रोहित शर्मा की मुंबई इंडियंस के बीच टूर्नामेंट का शुरूआती मुकाबला खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी टीम का बड़े मैच जीतने का अनुभव अगले 53 दिन तक काफी काम आएगा। पिछले महीने धोनी ने एक साल से ज्यादा समय के ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया और जब आईपीएल के लिए उनकी तैयारियों के बारे में पूछा गया तो फ्लेमिंग ने कहा, इसमें कुछ भी अलग नहीं हुआ। वह बहुत फिट है और मानसिक रूप से काफी व्यस्त है और दृढ़ है।

सीएसके के पास स्पिन में विविधता, यूएई की परिस्थितियों में मिलेगा फायदेमंद : ली

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने शनिवार से शुरू हो रही इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सत्र में तीन बार की चैम्पियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को खिताब का दावेदार करार देते हुए कहा कि स्पिन विभाग में विविधता से टीम को यूएई की परिस्थितियों में फायदा होगा। भारत में कोविड-19 के मामलों के कारण आईपीएल का आयोजन यूएई में हो रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला गत चैम्पियन मुंबई इंडियन्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच खेला जाएगा। ली ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम गेम प्लान में कहा, वे (सीएसके) काफी मजबूत टीम है। मैंने उनकी स्पिन आक्रमण के कारण उनके चैम्पियन बनने का अनुमान लगाया है।

दिल्ली कैपिटल्स की जर्सी कोरोना वारियर्स को समर्पित

नई दिल्ली। आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स ने शुक्रवार को कहा कि उसके खिलाफ यूएई में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान जो जर्सी पहनेंगे उस पर थैक्यू कोविड वारियर्स लिखा होगा जो कोरोना महामारी के बीच काम पर डटे कोरोना योद्धाओ के जज्बे को उनका सलाम होगा। आईपीएल की शुरूआत शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच पहले मैच से होगी। दिल्ली टीम ने एक बयान में कहा , दिल्ली कैपिटल्स की आधिकारिक मैच जर्सी पर थैक्यू कोविड वारियर्स लिखा होगा और पूरे सत्र में टीम यही जर्सी पहनेगी।

समान मौकों और अच्छे जूनियर कार्यक्रम से महिला हॉकी टीम को मदद मिली : रानी

भाषा। बेंगलुरू

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी का मानना है कि पुरूष हॉकी टीम के समान मौके मिलने और बेहतरीन जूनियर कार्यक्रम से महिला टीम के प्रदर्शन में सुधार आया है। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ साल में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसमे 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक और ओलंपिक क्वालीफिकेशन शामिल है।

माय टीम–11 ने भारतीय 20 सीजन को लेकर कैम्पेन लांच किया

नई दिल्ली। देश के अग्रणी फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफार्म्स में से एक माय टीम-11 ने भारतीय-20 सीजन को लेकर इंडिया की अपनी फैंटेसी ऐप नाम से अपना कैम्पेन लॉन्च किया है। इस कैम्पेन का उद्देश्य इंडियन ब्रांड फॉर इंडियन पीपल के संदेश को बढ़ावा देना है।

सार्वजनिक सूचना

मेरा मुवक्किल श्री जगदीश कुमार S/o श्री श्याम लाल R/o फ्लैट नं 80 डी, (DDA SFS MIG - FLATS) पॉकिट–1, सेक्टर–10, द्वारका, नई दिल्ली–110075 ने अपने बेटे नवीन कुमार, और पुत्रवधु अंकिता कनोजिया पुत्री श्री तिलक राज, को मेरे मुवक्किल के प्रति दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल और अचल संपतियों से बेदखल कर दिया है। मेरा मुवक्किल भविष्य में उनके किसी भी कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

प्रेम प्रकाश (अधिवक्ता)
२०७, प्लॉट –१, एम एल यू सेक्टर –१०, द्वारका, नई दिल्ली –११००७५
फोन : ९८७१२६८३६६

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **भारतीय पंचायती राज पार्टी (लोकतांत्रिक)** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी **कार्यालय B-247, तीसरा फ्लोर, प्रियदर्शनी विहार, दिल्ली - 110092** में स्थित है। इस दल ने **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क** के अधीन राजनीतिक दल के रुप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है – पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:–

सभापति/अध्यक्ष: राजीव कुमार रंजन
महासचिव/सचिव: सतीश पारख
कोषाध्यक्ष: अनिलेन्द्र पाण्डे

यदि किसी को भारतीय पंचायती राज पार्टी (लोकतांत्रिक) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन भवन, अशोक रोड़, नई दिल्ली-110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

अंतिम समय में बिकवाली से सेंसेक्स ने खोई शुरुआती तेजी,बैंकिंग, वित्तीय शेयरों पर रहा दबाव

भाषा। मुंबई

वैश्विक बाजारों से मिले जुले संकेतों के बीच बैंक, वित्तीय व उपभोक्ता उत्पाद कंपनियों के शेयरों में गिरावट से शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स मजबूती के साथ खुला लेकिन आखिरी घंटे में हुई बिकवाली से यह 134 अंक गिरकर बंद हुआ। बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का कारोबार की समाप्ति पर 134.03 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 38,845.82 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी भी 11.15 अंक यानी 0.10 प्रतिशत फिसलकर 11,504.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचडीएफसी बैंक में सर्वाधिक 2.39 प्रतिशत की गिरावट रही। इसके अलावा कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी और टाटा स्टील में भी गिरावट रही। इनके इतर भारती एयरटेल का शेयर सर्वाधिक 3.73 प्रतिशत तक तेजी में रहा। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, पावरग्रिड और ओएनजीसी के शेयरों में 2.72 प्रतिशत तक की तेजी रही। इस पूरे सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 8.73 अंक यानी 0.02 प्रतिशत नीचे रहा जबकि निफ्टी 40.50 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़त में रहा। जिओजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय बेंचमार्क सूचकांक दिन के अधिकांश समय के दौरान बढ़त में रहने के बाद कारोबार के अंतिम समय लुढ़क गए। अमेरिकी फेड रिजर्व द्वारा तत्काल प्रोत्साहन उपाय लाने में असफल रहने और कुछ देशों में वायरस के संक्रमण के पुन: उभरने के कारण वैश्विक संकेत ज्यादातर मिश्रित रहे। साप्ताहिक आधार पर घरेलू सूचकांक लगभग स्थिर रहे। बीएसई के समूहों में वित्त, बैंक, टिकाऊउपभोक्ता उत्पाद, एफएमसीजी, पूंजीगत वस्तुएं और धातु सूचकांक में 1.16 प्रतिशत तक की गिरावट रही। दूसरी ओर स्वास्थ्य सेवा, दूरसंचार, रियल्टी, यूटिलिटी, बिजली और वाहन कंपनियों के समूह सूचकांकों में 3.50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। बीएसई का मिडकैप 0.26 फीसदी चढ़ा जबकि स्मॉल कैप 0.32 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबारियों के अनुसार, वित्तीय कंपनियों के शेयरों में गिरावट तथा विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शुरुआत सकारात्मक होने के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बृहस्पतिवार को 249.82 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की।इस बीच चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्की बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार शुरुआती कारोबार में गिरावट में चल रहे थे। कच्चा तेल का वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.39 प्रतिशत बढ़कर 43.47 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं, विदेशी मुद्रा बाजार में, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 73.45 पर बंद हुआ।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली

ई.ए नोटिस सं.:-03/ई.ए/2020-21 ई-नीलामी सूचना सं. 03 दिनांकः-16.09.2020

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली, लालगंज में स्क्रैप सामग्री विभिन्न आकार एवं साईज के (स्क्रैप ऑफ ईयन स्टील, स्क्रैप ऑफ कार्टेन स्टील, स्क्रैप ऑफ फैरिटिक स्टील, ऑस्टीनेटिक स्टील, स्केलटन ऑफ डिफरेन्ट शेप और साइज, टर्निंग बारिंग, एवं मिसलेनियस अदर फेरस स्क्रैप एवं नॉन फेरस स्क्रैप आदि) की ई-नीलामी नीचे दिये गये शैड्यूल के अनुसार वेबसाइट www.ireps.gov.in के द्वारा 11.00 पर की जायेगी।

ई-नीलामी की तिथि नवम्बर-2020 से दिसम्बर-2020 तक

माह	नवम्बर	दिसम्बर
तिथि	06, 13 और 27	04, 16 और 30

इच्छुक खरीददार स्क्रैप मैटेरियल का निरीक्षण कार्य अवधि में कर सकते हैं। खरीददार को ई-नीलामी में भागीदारी के लिए IREPS e-auction module पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है। उपरोक्त मद के लिए रजिस्ट्रेशन, अग्रिम धन का भुगतान एवं ई-नीलामी में भागीदारी से संबन्धित और अधिक जानकारी के लिए उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/शैल डिपो/आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, लालगंज-229120 से संपर्क किया जा सकता है। प्र.मु.सा.प्र. कार्यालय

ई-एडवर्टाइज्ड टेंडर नोटिस सं. 13/ईटी./2020-21 दिनांकः 16.09.2020

क्र.सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	नियत तिथि
01	04201068	सीमलैश स्टेनलैस स्टील पाइप साइज 25एमएम (1")एनबी X 3800 एमएम	2073 नग	09.10.2020
02	15205151	फिनिश चैम्फर टूल (फॉर फिनिश सेन्टरिंग	108 नग	05.10.2020
03	15205152	सेट एवं किट ऑफ कन्ज़ूमेबल्स एवं स्पेयर्स फॉर बोगी फ्रेम मशीनिंग सेन्टर (2 टाइप्स)	5 सेट एवं 5 सेट	05.10.2020

शुद्धि पत्र

01	टेंडर नोटिस सं. 12/ईटी/2020-21 दिनांक 10.09.2020	03201129 एवं 22.09.2020	निविदा खुलने की तिथि- 15.09.2020 के स्थान पर 22.09.2020 पढ़ें।
02	टेंडर नोटिस सं. 09/ईटी/2020-21 दिनांक 13.08.2020	04201050 एवं 06.10.2020	निविदा खुलने की तिथि- 18.09.2020 के स्थान पर 06.10.2020 पढ़ें।
03	टेंडर नोटिस सं. 10/ईटी/2020-21 दिनांक 26.08.2020	15195297A एवं 05.10.2020	निविदा खुलने की तिथि- 17.09.2020 के स्थान पर 05.10.2020 पढ़ें।
04	टेंडर नोटिस सं. 10/ईटी/2020-21 दिनांक 26.08.2020	15205016A एवं 05.10.2020	निविदा खुलने की तिथि- 16.09.2020 के स्थान पर 05.10.2020 पढ़ें।
05	टेंडर नोटिस सं. 10/ईटी/2020-21 दिनांक 26.08.2020	15205017 एवं 05.10.2020	निविदा खुलने की तिथि- 28.09.2020 के स्थान पर 05.10.2020 पढ़ें।
06	टेंडर नोटिस सं. 10/ईटी/2020-21 दिनांक 26.08.2020	15205064 एवं 09.10.2020	निविदा खुलने की तिथि- 28.09.2020 के स्थान पर 09.10.2020 पढ़ें।

"विक्रेताओं को सलाह दी जाती है कि कृपया GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) की वेबसाइट-www.gem.gov.in पर जायें और भविष्य में भारतीय रेलवे को रेलवे विशिष्ट वस्तुओं की आपूर्ति के लिए जल्द से जल्द खुद को GeM पोर्टल पर पंजीकृत करवाएं। GeM पोर्टल पर पंजीकरण के लिए किसी भी सहायता के लिए कृपया श्री अमन शर्मा से संपर्क करें, निर्देशक/GeM ईमेल आई डी-dir.sellerclustermgt@gem.gov.in mob:-9899048040 पर पंजीकरण के बाद कृपया निम्न ईमेल आई.डी dycmmhqrcfrbl@gmail.com या और ved.sharma0109@gov.in या और cdemcfrbl@gmail.com पर अवगत करायें।"

Website Address: www.ireps.gov.in & www.mcf.indianrailways.gov.in

ग्राहको की सेवा में मुस्कान के साथ

ई निविदा प्रेस सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यकारी अभियंता सिविल मंडल–4, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, एल एम बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर दिल्ली–31 कार्य के लिए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग से पंजीकृत अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों से आनलाईन मद दर दिनांक 24.09.2020 अपराह्न 3.00 बजे तक आमंत्रित करते हैं।

एच.ओ.ए 701 रिवन्यू रिसिप्ट

1 एन आई टी न0 17/रिई2/सी डी–4/आई एफ सी/2020–21 (आई डी न0 2020_आई एफ सी_194589_1)

कार्य का नामः एल एम बंध, कार्यालय परिसर शास्त्री नगर, दिल्ली–31 पर कार और स्कूटर पार्किंग बारह माह की अवधि के लिए। अनुमानित लागत 6,12,000/– धरोहर राशि रू 20,000/– समापन की अवधि 365 दिन।

नोट
1) ठेकेदारों की सूचीबद्धता निविदा खुलने की अन्तिम तिथि को वैध होनी चाहिए अगर निविदा खोलने की तिथि आगे बढाई जाती है तो उसकी वैधता तारीख निविदा खुलने वाले दिन तक समझी जायेगी।
2) निम्नलिखित की प्रतियाँ भी ई निविदा पर डालना अनिवार्य है।
   1 सूचीबद्धता पंजीकरण फार्म की छाया प्रति उचित श्रेणी के साथ सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग जो कोई अंदर कार्ट्रैन्ट पंजीकरण फार्म राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र राज्य सरकार कम्पनी पंजीकरण फार्म राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र।
   2 सत्यापति योग्यता कार्य क्षेत्र पैरा न 1, 2 की छाया प्रति।
   3 ईपीएफओ पंजीकरण की छाया प्रति सरकारी संस्था द्वारा।
   4 ईएसआईसी पंजीकरण की छाया प्रति सरकारी संस्था द्वारा।
   5 जीएसटी पंजीकरण की छाया प्रति।
   6 सूचीबद्धता पंजीकरण फार्म की छाया प्रति जो किसी भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र राज्य सरकार कम्पनी सरकरी संस्था द्वारा ब्लोकलिस्ट न हो।
   7 धरोहर राशि की छाया प्रति।
   8 पेन नं0 स्थायी खाता संख्या की छाय प्रति।
   9 वैध फोन न0ए वटसप न0 ई मेल आई डी।
3) धरोहर राशि डीडी/एफडीआर के रूप में जो कि देय होगी ई ईए, सी डी–4 के संदर्भ में निविदा खोलने के 3.00 बजे तक भौतिक रूप में कार्यालय ई ईए, सी डी–4 जमा की जायेगी। यदि धरोहर राशि भोतिक रूप से जमा नहीं की गयी तो निविदा रद्द समझी जायेगी। उपरोक्त उल्लेखित कार्य का विवरण वेबसाईट http://govtprocurement.delhi.gov.in से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
4) निविदा दस्ती जमा नहीं की जाएगी। केवल वेबसाईट ई प्रोक्योरमेन्ट पर अपलोड की हुई मान्य है।

हं/–
DIP/Shabdarth/0312/20-21 कार्यकारी अभियंता, सी डी–4

AXIS BANK

खुदरा आस्ति केन्द्र, नोएडा : ऐक्सिस बैंक लि., के–10, द्वितीय तल, सेक्टर–18, नोएडा, कार्यालय – ऐक्सिस बैंक लि.,ऐक्सिस हाउस, टावर टी–2, द्वितीय तल, आई–14, सेक्टर–128, नोएडा एक्सप्रेवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उ.प्र.)–201301 कार्पोरेट कार्यालय : ब्लॉक–बी, बॉम्बे डाइंग मिल्स कम्पाउण्ड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली, मुंबई–400025 पंजीकृत कार्यालय : 'त्रिशूल', तृतीय तल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद–380006

मांग सूचना

जबकि यहां नीचे वर्णित कर्जदारों/सह–कर्जदारों/गारंटरों/बंधकदाताओं ने ऐक्सिस बैंक लिमिटेड से वित्तीय सहायता प्राप्त की थी। हम स्पष्ट करते हैं कि वित्तीय सहायता प्राप्त करने के बावजूद, कर्जदारों/गारंटरों/बंधकदाताओं ने ब्याज और मूलधन का प्रतिभुगतान, देय तिथि के अनुसार, करने में अनेक चूक की हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों/मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार उक्त खाता यहां नीचे वर्णित संबंधित तिथियों को अनार्जक आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो ऐक्सिस बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत यहां नीचे वर्णित संबंधित तिथियों को जारी की गई सूचनाओं का परिणाम था, जिनमें निम्नलिखित कर्जदारों/गारंटरों/बंधकदाताओं से मांग सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान, भुगतान की तिथि तक सूचना में वर्णित संविदात्मक दर पर आगे ब्याज तथा अनुषंगी खर्चों, लागत, प्रभारों इत्यादि सहित, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।

उनको, उनके अंतिम ज्ञात पतों पर भेजी गई सूचनाएं अ–वितरित के रूप में वापस प्राप्त की जा चुकी हैं और इसलिए उनको, उस बारे में, एतद्द्वारा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचना दी जा रही है।

कर्जदार का नाम /पता/ सह–कर्जदार एवं गारंटर का नाम	1. एनपीए तिथि 2. मांग सूचना की तिथि 3. सूचना की तिथि तक बकाया राशि (रू.) 4. ऋण राशि (रू.)	प्रत्याभूत आस्तियों का सम्पत्ति पता
1. मैसर्स उन्नति इंजीनियर्स ऐंड फैब्रीकेटर्स, प्लॉट नंबर 8, गली नंबर 8/बी, सरूरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, सोहना रोड, फरीदाबाद, हरियाणा–121005, द्वारा इसके स्वामी श्री गिरधारी सेहरावत। 2. श्री गिरधारी सेहरावत स्वामी मैसर्स उन्नति इंजीनियर्स ऐंड फैब्रीकेटर्स, प्लॉट नंबर 8, गलीन नंबर 8/बी, सरूरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, सोहना रोड, फरीदाबाद, हरियाणा–121005 (स्वामी) 3. सुश्री सुमन देवी, पत्नी श्री बलराम, मैसर्स उन्नति इंजीनियर्स ऐंड फैब्रीकेटर्स, प्लॉट नंबर 8, गलीन नंबर 8/बी, सरूरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, सोहना रोड, फरीदाबाद, हरियाणा–121005 की गारंटर। अन्य पता :– सुश्री सुमन देवी, पत्नी श्री बलराम, दूसरा पता :– निवासी मकान नंबर 133, गांव करीमपुर, माजरा कुशाक, तहसील पलवल, जिला पलवल (गारंटर)	1. 29–जनवरी–20 2. 07–सितम्बर–20 3. रू. 98,47,331/– एवं रू. 11,75,715/– 4. रू. 1,00,00,000/– एवं रू. 11,49,000/–	अचल आस्तियां : सुश्री सुमन देवी द्वारा स्वाधिकृत मौजा सरूरपुर, तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित खसरा नंबर 11/8, 13, 18, 23 में शामिल सम्पत्ति (प्लॉट नंबर 8, गली नंबर 8/बी–डब्ल्यू, सरूरपुर इंडस्ट्रियल एरिया, तहसील बल्लभगढ़, फरीदाबाद के रूप में चिन्हित), परिमाप 1200 वर्ग गज। सम्पत्ति की चौहद्दी निम्नानुसार है :– उत्तर : प्लॉट नंबर 7, दक्षिण : प्लॉट नंबर 9 पूरब : मैसर्स रेवा पश्चिम : रोड

उपरोक्तानुसार परिस्थितियों में, एतद्द्वारा उपरोक्त कर्जदारों, सह–कर्जदारों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जहां लागू है) को इस सूचना के माध्यम से प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर उपरिवर्णित बकाया राशि का भुगतान भावी ब्याज और लागू प्रभारों सहित करने हेतु सूचना दी जाती है, जिसमें असफल रहने पर इस सूचना की तिथि के पश्चात 60 दिन की अवधि समाप्त होने पर प्रतिभूत आस्तियों के संबंध में अन्य कदम उठाए जाएंगे, जिनमें वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) और उनके तहत लागू नियमों के अनुसार कर्जदारों तथा बंधकदाताओं की प्रतिभूत आस्तियों का कब्जा प्राप्त किया जाना शामिल है।

आपका ध्यान सरफासी ऐक्ट की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आमंत्रित किया जाता है, जिसके तहत आप बैंक की पूर्ण बकाया राशि बैंक द्वारा वहन किए गए सभी खर्चों, लागतों एवं प्रभारों सहित, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रित करने द्वारा अथवा गुप्त समझौते द्वारा प्रत्याभूत आस्तियों की बिक्री की इस सूचना के प्रकाशन की तिथि तक ही चुका सकते हैं। कृपया यह भी नोट करें कि यदि आप बैंक की पूर्ण बकाया राशि बैंक द्वारा वहन किए गए सभी खर्चों, लागतों एवं प्रभारों सहित, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रित करने द्वारा अथवा गुप्त समझौते द्वारा प्रत्याभूत आस्तियों की बिक्री की इस सूचना के प्रकाशन की तिथि तक नहीं चुकाते हैं, तो आप प्रत्याभूत आस्तियां छुड़ाने के हकदार नहीं होंगे।

कृपया नोट करें कि उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के तहत, कोई भी कर्जदार, प्रत्याभूत क्रेडिटर की पूर्व लिखित सहमति के बिना, इस सूचना में संदर्भित उसकी कोई भी प्रतिभूत आस्ति बिक्री, पट्टा अथवा अन्य प्रकार से हस्तांतरित नहीं कर सकता है।

दिनांक : 19–09–2020,
स्थान : दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी
ऐक्सिस बैंक लिमिटेड

कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड

Capri Global Capital Limited पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय :– 502, टावर–ए, पेनिन्सूला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–400013
सर्किल कार्यालय :– कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, द्वितीय तल, 3बी पूसा रोड, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली–110005

परिशिष्ट IV कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (सीजीसीएल) के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) को नीचे दिए विवरण के अनुसार मांग सूचना(एं) जारी की थीं, जिनमें उनसे सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। कर्जदार उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा प्राप्त कर लिया है। कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है। कर्जदारों को विशेष रूप से तथा जनसाधारण को सामान्य रूप से इस संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और संपत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार कर्जदारों पर सीजीसीएल की बकाया राशि तथा उस पर ब्याज का भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

S. N.	कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) का नाम	प्रत्याभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन	मांग सूचना तिथि और राशि	कब्जा की तिथि
1.	(हमारी दिल्ली शाखा की ऋण खाता संख्या LNCGCJGDTL0000008192 LNCGCDELTL0000002506) गणेश ट्रेडर्स (कर्जदार) मारूति ओवरसीज, श्री सूरज कुमार, श्रीमती दीपा गोयनका, श्री मयूर कुमार, श्रीमती लता रानी गोयनका (सह कर्जदार)	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : कोहलापुर रोड, दिल्ली–110007 में स्थित दुकान नंबर 5223, भू तल, क्षेत्रफल परिमाप 350 वर्ग फीट, प्लॉट नंबर 20 तथा प्लॉट नंबर 20–ए का हिस्सा, उसके ऊपर वर्तमान और भावी निर्माण दोनों सहित। तथा सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : कार्यालय स्पेस नंबर टीएफ–04 (ए) तृतीय तल, सुपर एरिया लगभग 840 वर्ग फीट, जेएमडी रीजेंड प्लाजा, एमजी रोड, गुरूग्राम, हरियाणा–122002,उसके ऊपर वर्तमान और भावी निर्माण दोनों सहित।	07-05-2020 रू. 1,42,63,388/-	15-09-2020

स्थान : नई दिल्ली तिथि : 19–09–2020 हस्ता./–, (प्राधिकृत अधिकारी) वास्ते कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (सीजीसीएल)

DHFL Changing Rules Changing Lives

दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

राष्ट्रीय कार्यालय: एचडीआईएल टावर्स, बी–विंग, 6वीं मंजिल, अनंत कानेकर मार्ग, स्टेशन रोड, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400051.
शाखा कार्यालय: धीरज बाग, बिल्डिंग ए, ग्राउंड और पहली मंजिल, एक्सिस बैंक के बगल में, मोनालिसा बिल्डिंग के सामने, आगरा रोड, हरि निवास सर्कल, नौपाडा, ठाणे (पश्चिम) 400602.

माँग सूचना

सिक्यूरीटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनेन्सियल एस्सेट्स एवं इंफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट २००२ (उपरोक्त कानून की धारा १३(२) के साथ सपठित सिक्यूरिटी इंटरेस्ट (इंफोर्समेंट) नियम २००२(उपरोक्त नियम) का नियम ३(१) के अंतर्गत तथा उपरोक्त नियम का नियम ३ के साथ उपरोक्त कानून की धारा १३(१२) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त कानून की धारा १३(२) के अंतर्गत संबंधित सूचना(ओं) में वर्णित राशि का पुर्नभुगतान करने हेतु ऋणकर्ता (ओ) को मांग पत्र जारी किया है। उपरोक्त संबंध में एक बार पुनः सूचना दी जाती है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से ६० दिवस के अंदर माँग सूचना के दिनांक से भुगतान करने की दिनांक तक शेष ब्याज राशि सहित ऋणकर्ता पूर्ण राशि का भुगतान करे, राशि को नीचे दर्शाया गया है। ऋणकर्ताओं का विवरण, मांग पत्र का दिनांक तक शेष राशि एवं ऋण राशि का पुर्नभुगतान हेतु जमानत का विवरण निम्न है। ऋण की उचित चुकौती के लिए सुरक्षा के . प में, निम्नलिखित संपत्ति क्रमशः डीएचएफएल को ऋणकर्ता (ओं) द्वारा गिरवी रख दी गई है।

ऋण अनुबंध नं. मांग/ऋणकर्ता(ओं)/प्रत्याभूति दाता/ओं का नाम	डिमांड नोटीस दिनांक एवं एनपीए दिनांक सहित राशि	धरोहर संपत्तियों का विवरण (अचल संपत्ति/याँ)
(लखनऊ शाखा की एलसी नं. ००००४९८८) जितेंद्र कुमार (ऋणी) रीना यादव (सहऋणी १)	१९–०८–२०२०/ ₹ ९९८०५४/– (₹ नौ लाख अट्ठानवे हजार चौवन) एनपीए (०१–०४–२०२०)	प्लॉट नं सी २४ और प्लॉट सी २५, खसरा नं ८३५ का भाग, सरसावा गांव, परगना लखनऊ, लखनऊ –२२६०२०. उत्तर प्रदेश.
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा की एलसी नं. ०००००९७२) मुकुल चंदेला (ऋणी) सावित्रि देवी (सहऋणी १) बाबु राम (सहऋणी २)	१९–०८–२०२०/ ₹ ८४२२६१९/– (₹ चौरासी लाख बाईस हजार छह सौ उन्नीस) एनपीए (०१–०३–२०२०)	प्लॉट नं. २८३/३८, मुस्तातिल नंबर २०, किला नंबर–१०/१, खेवट नं–३१, ख्याला गांव, विष्णु गार्डन एक्सटेशन–१, दिल्ली, नई दिल्ली – ११००१८
(नेताजी सुभाष प्लेस शाखा की एलसी नं. ००००११६५) वंदना भूषण (ऋणी) शकुंतला (सहऋणी १) सुनित कुमार (सहऋणी २)	१९–०८–२०२०/ ₹ २५९५४९०/– (₹ पच्चीस लाख पंचानवे हजार चार सौ नब्बे) एनपीए (०१–०३–२०२०)	पॉपटी नं. २१९, ब्लॉक–डी, पॉकेट–००, सेक्टर–१, रोहिणी, नई दिल्ली – ११००८५
(लखनऊ शाखा की एलसी नं. ००००६९०७) राकेश आर (ऋणी) कुसुम यादव (सहऋणी १)	१९–०८–२०२०/ ₹ ५८०६९८/– (₹ पांच लाख अस्सी हजार छह सौ अट्ठानवे) एनपीए (०१–०५–२०२०)	प्लॉट नं.१५४, खसरा नं.१८८ जीएचए का भाग, ग्राम दहियार, परगना और तहसील मोहनलालगंज, लखनऊ – २२६०२०. उत्तर प्रदेश
(कालीकट शाखा की एलसी नं. ०००००९२५) विजयकुमार कोप्पात्ता (ऋणी) जीठा बी एस (सहऋणी १)	१९–०८–२०२०/ ₹ २१६१९९५/– (₹ इक्कीस लाख इकसठ हजार नौ सौ पंचानवे) एनपीए (०१–०३–२०२०)	९.६२ सेंट ऑफ लैंड इन रिसर्वे नं. २१/५, नेलिथोड, ग्राम कोझीकोड, तालुका कोझिकोड, जिला कोझीकोड, केरल – ६७३०१७
(गाजियाबाद शाखा की एलसी नं. ०००००९६३) अभिजीत शर्मा (ऋणी)	०७–०७–२०२०/ ₹ १६०९७७९/– (₹ सोलह लाख नौ हजार सात सौ उन्नासी) एनपीए (०१–०१–२०२०)	यूनिट नं. के–२०१, दूसरी मंजिल, टॉवर/ब्लॉक के आम्रपाली, हार्टबीट सिटी, प्लॉट नं. जीएच–०१/डी, सेक्टर–१०७, नोएडा – २०१३०१. उत्तर प्रदेश

यदि उपरोक्त ऋणकर्ता राशि का डीएचएफएल को भुगतान करने में असफल रहते है तो डीएचएफएल धरोहर संपत्ति के वि.) उपरोक्त कानून की धारा १३(४) के अंतर्गत लागू नियमों के अनुसार ऋणकर्ता के स्वयं के परिणाम, मूल्य एवं पूर्ण जोखिम पर कार्यवाही करेगी । उपरोक्त ऋणकर्ता को अधिनियम के अंतर्गत उपरोक्त संपत्तियों स्थानांतरण चाहे वह विक्रय, लीज या अन्य किसी भी प्रकार से हो, डीएचएफएल की लिखित अनुमति के बिना रोका जाता है। कोई भी व्यक्ति जो इसका उल्लंघन या अवहेलना करता है तो वह नियम के उपलब्ध प्रावधानों के अंतर्गत कारावास एवं/अथवा दंड का भागी होगा।

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 19.09.2020
हस्ताक्षर /
प्राधिकृत अधिकारी
दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

एफबीआई निदेशक ने कहा

'एंटीफा विचारधारा है, कोई संगठन नहीं'

● ट्रंप और रे के रिश्तों में दरार के संकेत

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) के निदेशक क्रिस रे ने बृहस्पतिवार को सांसदों को बताया कि एंटीफा एक विचारधारा है, कोई संगठन नहीं। उनके इस बयान से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ रिश्ते और खराब होने की आशंका है जिन्होंने कहा था कि वह इसे आतंकवादी समूह करार देंगे।

कांग्रेस में सुनवाई के कुछ घंटे बाद ट्रम्प ने एफबीआई निदेशक को एंटीफा और चुनाव में रूसी हस्तक्षेप पर दिए गए उनके बयान के लिए ट्विटर के सहारे आड़े हाथों लिया। बता दें कि अमेरिकी सुरक्षा को खतरे को लेकर कांग्रेस में हुई सुनवाई में दोनों मुद्दे प्रमुख रहे।

एंटीफा का संदर्भ देते हुए राष्ट्रपति ने लिखा, मैं उन्हें भलीभांति वित्तपोषित अराजक तत्वों और ठगों का गुट मानता हूं जो इसलिए सुरक्षित हैं क्योंकि कॉमीम्यूलर से प्रेरित एफबीआई यह पता लगाने में अक्षम है या अनिच्छुक है कि वित्तपोषण कहां से हो रहा है और वह उन्हें हत्या करने के बावजूद बचने दे रही है।

उल्लेखनीय है कि क्रिस रे तीन साल तक बचते रहने की कोशिशों के बाद अंततः सुर्खियों में आ गए। इससे पहले उनके पूर्ववर्ती जेम्स कॉमी भी राजनीति में फंस गए थे और अंततः उन्हें हटा दिया गया था।

रे ने बृहस्पतिवार को कहा था कि एफबीआई ने ट्रम्प के अभियान और रूस के बीच संबंधों की जांच में अस्वीकार्य गलती की थीं। वहीं, ट्रम्प कई बार समस्याओं का समाधान करने की गति को लेकर रे पर निशाना साध चुके हैं और रूसी जांच को लेकर अपने इस खुफिया समूह को संदेह के साथ देखते रहे हैं।

रे ने बृहस्पतिवार को इसका विरोध नहीं किया कि एंटीफा कार्यकर्ता गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि उन्होंने कहा कि एफबीआई की जांच से जो संकेत मिले हैं उससे हम उन्हें हिंसक और अराजकतावादी कट्टरपंथी के तौर पर उल्लेख कर सकते हैं, लेकिन यह समूह या संगठन नहीं है। यह एक आंदोलन या विचारधारा है।

गौरतलब है कि फासीवादी विरोधियों (एंटी-फासिस्ट) को संक्षेप में एंटीफा कहते हैं। घोर वामपंथी समूहों के लिए भी इस शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। ट्रम्प मानते हैं कि जून में काले अमेरिकी नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद हिंसा के लिए एंटीफा ही जिम्मेदार हैं।

बगदाद में फ्रांस दूतावास के बाहर प्रदर्शनकारियों की घेराबंदी में तैनात सुरक्षा बल

संरा में भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने महासभा अध्यक्ष से मुलाकात की

● कोरोना महामारी के बीच 15 सितंबर से शुरू हुआ संयुक्त राष्ट्र का 75वां सत्र

●75 साल के इतिहास में पहली बार डिजिटल माध्यम से सत्र में भाग लेंगे दुनिया भर के नेता

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि एवं राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के अध्यक्ष वोलकल बोज़किर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों राजनयिकों ने मौजूदा संयुक्त राष्ट्र महासभा के एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा की।

तिरुमूर्ति ने ट्वीट संयुक्त राष्ट्र महासभा के नए अध्यक्ष महामहिम राजदूत वोलकन बोजकिर से मुलाकात करना मेरा सौभाग्य है जो संयुक्त राष्ट्र के बहुत ही अहम समय में महासभा के मार्गदर्शन की जिम्मेदारी ले रहे हैं। बोजकिर ने ट्वीट किया, तिरुमूर्ति ने बृहस्पतिवार को मुझसे मुलाकात की और हमने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा की।

गौरतलब है कि कोविड-19 महामारी के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा का 75वां सत्र 15 सितंबर को शुरू हुआ। संयुक्त राष्ट्र के 75 साल के इतिहास में पहली बार विश्व नेता डिजिटल माध्यम से इस वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र में मिलेंगे और मानवता के समक्ष मौजूद कुछ गंभीर खतरों पर चर्चा करेंगे जिनमें कोविड-19 महामारी और जलवायु संकट की वजह से सामाजिक-आर्थिक असर भी शामिल है।

उल्लेखनीय है कि बोजकिर तुर्की के वयोवृद्ध राजनयिक हैं और उन्होंने अपने पूर्ववर्ती नाइजीरिया के तज्जानी मुहम्मद बांदे से संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र की अध्यक्षत की जिम्मेदारी ली है। उनका कार्यकाल सितंबर 2021 में समाप्त होगा।

भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर अमेरिका चिंतित

● भारतीय मूल के अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ने की अपील, चीन उकसावे की कार्रवाई करे बंद, निकाले कूटनीतिक समाधान

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय मूल के एक अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ने चीन से अपील की है कि वह भारत के प्रति अपने सैन्य उकसावों को बंद करे और लद्दाख में सीमा पर गतिरोध को लेकर बने तनाव का कूटनीतिक समाधान निकाले।

राजा कृष्णमूर्ति ने ख़ुफिया विषयों पर हाउस परर्मानेंट सेलेक्ट कमेटी द्वारा एक वर्गीकृत ब्रीफिंग के बाद यह कहा, जिसमें वह पहले और एकमात्र भारतीय-अमेरिकी सदस्य हैं। इस मुद्दे पर समिति की बैठक पहली बार हुई थी।

उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे को लेकर बहुत चिंतित हूं। इसलिए मैं एक द्विदलीय प्रस्ताव लाया जिसे सदन ने मंजूरी दी। इसमें चीन से कहा गया है कि वह भारत के प्रति अपने सैन्य उकसावे बंद करे और कूटनीति समाधान पर ध्यान दे।

कृष्णमूर्ति ने कहा, मैं इस विवाद पर करीबी नजर बनाए रखूंगा जब तक कि इसका पूर्ण समाधान नहीं निकल आता।इससे पहले बृहस्पतिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति की उप सहायक लीजा कर्टिस ने शीर्ष अमेरिकी थिंक टैंक से कहा था कि चीन की आक्रामकता के प्रति भारत का रवैया सख्त लेकिन जिम्मेदारी से भरा है।

ट्रंप कोरोना वायरस से निपटने में असफल: ओलिविया ट्रोए

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के उपराष्ट्रपति माइक पेंस की पूर्व सलाहकार और व्हाइट हाउस में कोरोना वायरस कार्यबल में जिम्मेदारी निभा चुकी ओलिविया ट्रोए ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार कहा था कि कोविड-19 कुछ मामलों में अच्छा है क्योंकि यह घिनौने लोगों से उन्हें हाथ मिलाने से रोकता है।

उल्लेखनीय है कि ट्रोए ट्रम्प प्रशासन की हालिया सदस्य हैं जो राष्ट्रपति के खिलाफ सामने आई हैं और उन्होंने मतदाताओं से उन्हें (ट्रम्प को) दूसरा कार्यकाल नहीं देने की अपील की है। ट्रम्प ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह ट्रोए को नहीं जानते हैं जो पेंस की आंतरिक सुरक्षा सलाहकार रह चुकी हैं।

ट्रम्प के खिलाफ रिपब्लिकन मतदाताओं के समूह ने बृहस्पतिवार को वीडियो को जारी किया जिसमें ट्रोए ने कहा कि ट्रम्प के साथ काम करना भयानक था। उन्होंने कहा कि ट्रम्प दोबारा निर्वाचित होने को लेकर अधिक चिंतित हैं बजाय देश की कोरोना वायरस से रक्षा करने के।

ट्रोए ने कहा, सच्चाई यह है कि वह किसी की फिक्र नहीं करते, सिवाय खुद के। उन्होंने जोर देकर कहा, अगर राष्ट्रपति ने कोरोना वायरस को गंभीरता से लिया होता या अगर वह वास्तव में यह बताने की कोशिश करते कि वे कितने गंभीर हैं, तो वह संक्रमण की दर को कम कर सकते थे, वह कई जिंदगियों को बचा सकते थे।

गौरतलब है कि चुनाव प्रचार करने विस्कोंसिन जा रहे ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा, उन्होंने (ट्रोए) उपराष्ट्रपति के साथ काम किया है। वह निम्न श्रेणी की व्यक्ति के तौर पर कार्यबल में थीं। मुझे नहीं पता कि वह कौन हैं।

उन्होंने कहा, जहां तक मेरी जानकारी है मैंने कभी उनसे मुलाकात नहीं की। वह शायद कमरे में थीं। मुझे नहीं पता वह कौन है। वह मुझे नहीं जानती हैं। वह महज अन्य व्यक्तियों की तरह वहां थी। सीएनएन हो या वाशिंगटन पोस्ट वे हमेशा नकारात्मक बाते ही कहेंगे।

इस बीच, पूरी जिंदगी रिपब्लिकन रहीं ट्रोए ने कहा कि उनकी योजना नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प के डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन के पक्ष में मतदान करने की है। इस बीच, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जूड डीर ने ट्रोए के दावे का खंडन किया है और उसे पूरी तरह झूठ करार दिया है।

दक्षिणी इराक में अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर इंग्लिश लर्निंग पर एक आईईडी हमला हुआ जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन इमारत को भारी क्षति पहुंची

कोविड-19 संक्रमण का पता लगाने के लिए ज्यादा कारगर रैपिड जांच विकसित

भाषा। बोस्टन

शोधकर्ताओं ने कोरोना वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए एक नई रैपिड जांच पद्धति विकसित की है। इस तरीके से एक घंटे से भी कम समय में संक्रमण का पता लगाया जा सकता है और इसके लिए बहुत कम उपकरण की जरूरत होगी।

शोधकर्ताओं ने कहा कि स्टॉप कोविड नामक नई जांच पद्धति काफी सस्ती होगी जिससे कि लोग हर दिन जांच करा सकेंगे। अनुसंधान करने वाली टीम में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के वैज्ञानिक भी थे।

न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसीन में प्रकाशित अध्ययन में अनुसंधानकर्ताओं ने कहा है कि नई जांच विधि 93 प्रतिशत संक्रमित मामलों का पता लगा सकती है। पारंपरिक जांच पद्धति में भी यही दर है। अध्ययन के सह लेखक और एमआईटी के वैज्ञानिक उमर अबुदैया ने बताया, हमें रैपिड जांच को मौजूदा स्थिति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना होगा ताकि लोग हर दिन खुद ही जांच करा लें। इससे महामारी की रफ्तार को घटाने में मदद मिलेगी।

अनुसंधानकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि जांच किट को आगे इस तरह तैयार कर लिया जाएगा कि इसका कार्यालय, अस्पताल, स्कूल, घर कहीं पर भी इस्तेमाल हो सकेगा।अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक स्टॉप कोविड जांच के नए संस्करण में किसी मरीज के नमूने में वायरस की आनुवंशिक सामग्री के साथ मैग्नेटिक बीड्स के जरिए संक्रमण का पता लगाया जाएगा।

अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक इस तरीके से जांच की संवेदनशीलता बढ़ जाती है। मानक जांच पीसीआर पद्धति में भी यही तरीका अपनाया जाता है।अध्ययन के एक और सह लेखक जोनाथन गुटेनबर्ग ने कहा, बीड्स पर वायरल जीनोम लेने के बाद हमने पाया कि जांच की संवेदनशीलता काफी बढ़ जाती है। अनुसंधानकर्ताओं ने स्टॉप कोविड पद्धति से मरीजों के 402 नमूने की जांच की। जांच में इसने 93 प्रतिशत संक्रमित मरीजों का पता लगाया।

इजराइल में फिर से लागू हुआ लॉकडाउन

यरुशलम। इजराइल में कोरोना वायरस प्रसार को रोकने के लिए शुक्रवार से एक पूर्ण लॉकडाउन लागू हो जाएगा। इजराइल में पिछले कुछ महीनों में कोरोना वायरस को लेकर स्थिति लगातार खराब हुई है। तीन सप्ताह तक लागू होने वाला लॉकडाउन अपराह्न दो बजे लागू होगा। इसके तहत कई व्यापार बंद होंगे, लोगों के एक जगह जमा होने पर सीमा लागू होगी तथा कुल मिलाकर लोगों को उनके घरों के एक किलोमीटर के दायरे में सीमित किया जाएगा। यह लॉकडाउन यहूदी नववर्ष की छुट्टियां से टकरा रहा है। इस दौरान लोग आमतौर पर अपने परिवार के सदस्यों से मिलने जाते हैं या इबादत के लिए एकत्रित होते हैं।प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने बृहस्पतिवार को अपने संबोधन में चेतावनी दी थी कि निजी अस्पतालों में लोगों की भीड़ बढ़ने से रोकने के लिए और सख्त नियम लागू करने की जरूरत पड़ सकती है।

पाक ने लंदन स्थित उच्चायोग को भेजा शरीफ की गिरफ्तारी का वारंट

● नवाज शरीफ इन दिनों चिकित्सा के लिए ब्रिटेन में हैं

●लाहौर हाईकोर्ट से चार हफ्ते के लिए मिली इलाज की अनुमति के बाद से ही वहां पर है पूर्व पाक पीएम

भाषा। इस्लामाबाद

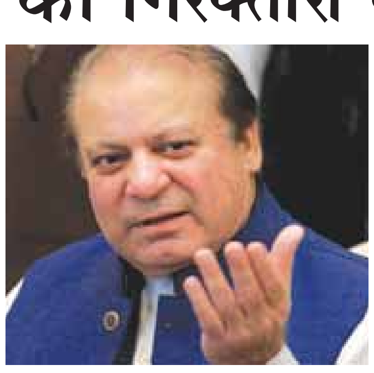

पाकिस्तान की सरकार ने लंदन स्थित अपने उच्चायोग के माध्यम से अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को गिरफ्तारी का वारंट भेजा है। मीडिया में शुक्रवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। शरीफ, चिकित्सा के लिए ब्रिटेन में रह रहे हैं।

लाहौर उच्च न्यायालय से इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की अनुमति मिलने के बाद पिछले साल नवंबर से शरीफ (70) लंदन में हैं। उनकी बेटी मरियम और दामाद मुहम्मद सफदर को एवेनफील्ड संपत्ति के मामले में छह जुलाई 2018 को दोषी पाया गया था।

शरीफ को अल-अजीजिया स्टील मिल्स मामले में दिसंबर 2018 में दोषी पाए जाने पर सात साल की जेल की सजा हुई थी। उन्हें दोनों मामलों में जमानत मिल गई थी और लंदन जाने की अनुमति भी दे दी गई थी। शरीफ के वकील के मुताबिक उन्हें पाकिस्तान लौटने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया गया था, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण वह नहीं आ पाए। डॉन अखबार के अनुसार लंदन स्थित पाकिस्तान उच्चायोग को शरीफ की गिरफ्तारी का वारंट प्राप्त हुआ है। खबर के मुताबिक दस्तावेज बृहस्पतिवार को मिल गए थे लेकिन उच्चायोग ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी थी। खबर के अनुसार, सूत्रों ने अखबार को बताया कि उच्चायोग को शरीफ को गिरफ्तार करने संबंधी दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि सभी कानूनी औपचारिकताओं और प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। ब्रिटेन जाने की अनुमति मिलने से पहले शरीफ लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल की जेल की सजा काट रहे थे।

अफगानिस्तान की महिलाएं निशाने पर

काबुल। अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने आगाह किया है कि कट्टरपंथी संगठन विभन्न लक्ष्यों, विशेषकर महिलाओं को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। दूतावास की ओर से बृहस्पतिवार को जारी की गई इस चेतावनी में किसी संगठन का नाम नहीं लिया गया। यह चेतावनी ऐसे समय में जारी की गई है जब तालिबान और अफगाान सरकार द्वारा नियुक्त वार्ताकार पहली बार एक साथ बैठ कर दशकों के अनवरत युद्ध का कोई शांतिपूर्ण अंत खोजने की कोशिश कर रहे हैं। तालिबान के प्रवक्ता ज़बीउल्ला मुजाहिद ने कहा, तालिबान का इस तरह के हमले करने का कोई इरादा नहीं है। वहीं दूतावास की ओर से जारी चेतावनी के अनुसार, कट्टरपंथी संगठन लगातार अफगानिस्तान में कई लोगों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। शिक्षकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, कार्यालय कर्मचारियों और सरकारी कर्मचारियों सहित महिलाओं और असैन्य श्रमिकों पर बड़ा खतरा है। दूतावास ने इस पर कोई विशिष्ट जानकारी नहीं दी।

सेंट्रल विस्कॉन्सिन एयरपोर्ट पर रैली से लौटने के बाद मीडिया से वार्ता करते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

पायनियर
नई दिल्ली, शनिवार, 19 सितंबर 2020

भिन्न दृष्टिकोण रखने वाले हमारे आइकन्स की कहानी कहता एक शो-'मेगा आइकन्स 2'

नेशनल जियोग्राफिक चैनल पर आने वाले शो 'मेगा आइकन' के सीज़न 2 में आपको दीपिका पादुकोण, रतन टाटा जैसे लोकप्रिय लोगों की जीवन यात्रा के बारे में एक झलकी दिखाने का प्रयास किया गया है। इसमें जीवन में उनके द्वारा चयनित विकल्पों के पीछे की अवधारणा के बारे में जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

क्या आपने कभी सोचा है कि लाखों लोगों में से कुछ ही शिखर व्यक्तित्व क्यों बन पाते हैं? क्या जीवन के प्रति उनकी अवधारणा बिलकुल अलग थी या फिर उनके चयनित विकल्पों के कारण वे ऐसी यात्रा पर निकल पड़े जिसमें वे दुनिया भर में लोकप्रिय हुए? ये सही है कि किसी भी निर्णय को लेने से आपके मन तथा शरीर दबाव पड़ता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जिनमें हर बात को लेकर एक अलग दृष्टिकोण से देखने की शक्ति होती है। वे इन्हीं शक्तियों के बल-बूते महानता की ऊंचाइयों तक जा पहुंचते हैं और फिर वे हमारे सम्माननीय बन जाते हैं।

इन व्यक्तित्वों के बारे में ऐसे ही सत्य का पता लगाने तथा इसके पहले सीज़न से आगे जाते हुए, जिसमें विराट कोहली, एपीजे अब्दुल कलाम सहित अन्य लोगों के बारे में बताया गया था, नेशनल जियोग्राफिक चैनल अब नए मेगा आइकन के साथ वापसी कर रहा है। इस सीरीज़ में हम भारत के 'मैन ऑफ स्टील-रतन टाटा, विश्व प्रसिद्ध अभिनेत्री तथा फैशन आइकन- दीपिका पादुकोण, बॉलिवुड गायक, संगीतकार तथा संगीत निर्माता-ए आर रहमान तथा आकाश से आगे जाने वाली पहली भारतीय महिला कल्पना चावला-जैसा कि उनके माता-पिता ने बताया, के जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों, जिनके कारण आज वे इतने सफल तथा चर्चित माने जाते हैं, को भी रेखांकित करने का प्रयास होगा।'

इस शो में जीवन के विविध क्षेत्रों में विश्व प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही सीजन 2 इससे पूर्व के संस्करण से बड़ा और अद्भुत रहने वाला है। इस सीरीज़ के माध्यम से इन व्यक्तियों की दर्शकों के और निकट लाने का प्रयास किया जाएगा। इसमें उनसे तथा उनके प्रियजनों के अंतरंग साक्षात्कार के साथ ही और रोचक जानकारी जुटाई जाएगी। हमें इस सीरीज़ के माध्यम से सिनेमाई पुनर्रचना के द्वारा जानने का प्रयास किया जाएगा कि उनकी सफलता के पीछे उनका पालन-पोषण, अनुभव और परिश्रम या फिर जीवन के प्रति उनके द्वारा अपनाया गया दृष्टिकोण ही वो कारक था जिसके कारण वे औरों से इतने आगे निकल सके। इस सीरीज़ में दिखाए जाने वाले आइकन्स को जनता के बीच फिल्म, संगीत, विज्ञान या उद्यम के क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता को उनके चयन का आधार बनाया गया है।

इस सीज़न के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए स्टार एंड डिज्नी इंडिया की इनफोटेनमेंट एंड किड्स, की प्रमुख अनुराधा अग्रवाल ने बताया, 'इस बार हम नए प्रेरक आइकन्स को लेकर सीज़न 2 का प्रारंभ कर रहे हैं। शो के माध्यम से हम इन व्यक्तियों के बारे में लोगों की जिज्ञासा को शांत करने का ही प्रयास करने वाले हैं जो जानना चाहते हैं कि जीवन में विकल्पों के चयन से उसकी गुणवत्ता या सफलता पर क्या प्रभाव पड़ता है। इसमें इन आइकन्स की जीवन यात्रा के विविध पहलुओं का खंगालते हुए जानने का प्रयास किया जाएगा कि किस कारण से वो आज यहां तक पहुंचने में सफल हुए हैं?' सीरीज़ के बारे में टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन रतन टाटा ने बताया, 'मैं हमेशा से प्रकृति, विज्ञान, संस्कृति तथा इतिहास के बारे में इस प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदत्त प्रामाणिक जानकारी का कायल रहा हूं।'

उनकी कहानी से हो सकता है कि किसी को प्रेरणा मिल जाए, कहते हुए एआर रहमान ने कहा, 'रतनजी, दीपिका तथा स्वर्गीय कल्पना के साथ इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर मैं अत्यंत प्रसन्न हूं।'

दीपिका का कहना है कि ये प्लेटफॉर्म विष्वसनीयता का प्रतीक है, 'इस सीरीज़ का हिस्सा बनकर मैं अत्यंत विनम्रता का अनुभव कर रही हूं और अपने जीवन की कुछ बातें लोगों के बीच रखकर मैं उपकृत अनुभव करूंगीं।'

(ये सीरीज़ नेषनल जियोग्राफिक चैनल पर 20 सितंबर से हर रविवार सायं 7 बजे प्रसारित की जाएगी आप इसे डिज्नी हॉटस्टार पर भी देख सकते हैं)

झलक

द लास्ट वर्ड

मृत्यु, दुख तथा प्यार के अस्तित्व संबंधी परिदृष्य को समझने के क्रम में अचानक ही एक महिला की जीवन के प्रति प्यास जागृत हो जाती है। इसमें अभिनय किया है एंजेल्का, थॉर्स्टन मेर्टेन तथा नीना गुमिच ने। इसे 17 सितबर से नेटफ्लिक्स पर प्रसारित।

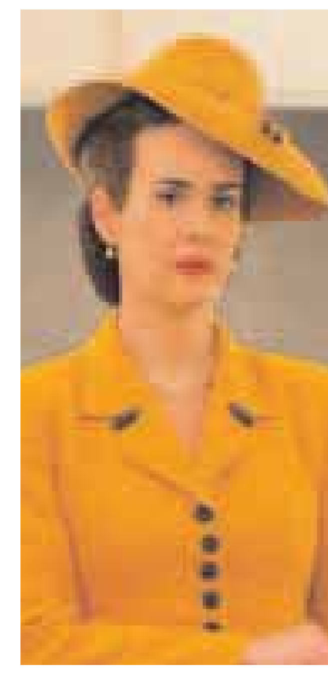

रैचेड

एक मानसिक संस्थान में एक युवा नर्स अपने रोगियों की सेवा करने के क्रम में अचानक ही मानव से परिवर्तित होकर भयानक दैत्यनी बन जाती है। इस मनोविज्ञान से संबंधित कहानी को नेटफ्लिक्स पर 18 सितंबर से देखा जा सकता है।

लव सॉन्ग फॉर लताशा

1992 का लॉस एंजेल्स विद्रोह वास्तव में लताषा हार्लिन्स की हत्या के कारण उपजा था। इस वृतचित्र में उस 15 वर्षीय युवा के जीवन और सपनों के बारे में बताने का प्रयास किया गया है। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर 21 सितंबर से देखी जा सकेगी।

घरेलू, यौन हिंसा पर राष्ट्रमंडल में रखे शबाना ने अपने विचार

राष्ट्रमंडलीय सचिवालय ने कोविड-19 महामारी के दौरान घरेलू तथा यौन हिंसा के बढ़ते प्रकरणों को देखते हुए एक अभियान चलाया है।

अभिनेत्री शबाना आज़मी जो इस अभियान का समर्थन कर रही हैं का कहना है, 'इस महामारी के दौरान महिलाओं के विरुद्ध हिंसा स्वयं ही एक महामारी है जो परिवारों, समुदायों, तथा अर्थव्यवस्थाओं को नष्ट कर देती है। इस दिशा में हमारे समाज ने कभी पर्याप्त प्रयास नहीं किये। लोगों ने इसे निजी घटना बताया और पल्ला झाड़ लिया। ये भी कहा जाता रहा है कि महिला ने कुछ तो ऐसा किया होगा जो उसके साथ ऐसा हुआ। मेरा नाम शबाना आज़मी है। मैं भारत की एक सिनेमा और थियेटर अभिनेत्री हूं। मेरा कहना है कि अब और नहीं! अब किसी पर आरोप लगाना बंद करना चाहिये। अब किसी बहाने की संभावना समाप्त हो चुकी है। मेरे साथ आज आप भी संकल्प लीजिये कि 'राष्ट्रमंडल कहता है कि अब और नहीं!

दर्शकों की प्रतिक्रिया से कविता सेठ हुईं भावुक

अभिनेत्री कविता सेठ का कहना है कि 'मुझे आज भी स्मरण है कि फिल्म 'वेकअप सिड' का ये पहला दिन था। मैं एक थियेटर में इसे देखने गई थी और फिल्म देखते हुए दर्शकों की प्रतिक्रिया देखकर सुखद आष्चर्य हुआ। लोग तो इसका गाना 'इकतारा लगभग गा ही रहे थे। मैं ये देखकर भावुक हो गई और मेरी आंखों से आंसू ढुलकने लगे। मुझे अनुमान भी नहीं था कि इकतारा गाना इतना हिट हो जाएगा।'

अभिनेता सूर्या की टिप्पणी को लेकर अवमानना कार्यवाही से इनकार

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) के आलोक में न्यायपालिका के खिलाफ अभिनेता सूर्या की टिप्पणी को लेकर उन पर आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ए पी साही और न्यायमूर्ति जे सेंथिलकुमार राममूर्ति की पीठ ने महाधिवक्ता विजय नारायण के विचारों से सहमति जताते हुए अभिनेता के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की अनुमति देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, इसलिए, यह विषय हमारे न्यायिक विवेक से आगे बढ़ाए जाने योग्य नहीं है और हम महाधिवक्ता द्वारा प्रकट किए गए विचार से सहमत हैं।

रजनीकांत ने कोरोना संक्रमित प्रशंसक को ऑडियो संदेश भेजकर उसके स्वस्थ होने की कामना की

भाषा। चेन्नई

जाने माने अभिनेता रजनीकांत ने कोविड-19 और किडनी संबंधी एक अन्य बीमारी से संक्रमित अपने एक प्रशंसक को बृहस्पतिवार को ऑडियो संदेश भेजकर उसके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। रजनीकांत ने संदेश में कहा, मुरली। मैं रजनीकांत बोल रहा हूं। आपको कुछ नहीं होगा। बहादुर बनिए। मैं ईश्वर से प्रार्थना कर रहा हूं। उन्होंने कहा, आप जल्द स्वस्थ होंगे और घर लौटेंगे। आप स्वस्थ होने के बाद अपने परिवार के साथ मुझसे मिलने आइए। हौसला रखिए। मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा। ईश्वर आपको लंबी आयु दे। दरअसल, रजनीकांत के इस प्रशंसक ने एक सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर संदेश पोस्ट किया था, जिसमें उसने अपने स्वस्थ होने को लेकर संदेह जताया था और आशंका जताई थी कि वह एक राजनीतिक दल की शुरुआत करने के लिए आयोजित समारोह में अभिनेता के लिए काम नहीं कर पाएंगे। उसने रजनीकांत से 2021 विधानसभा चुनाव जीतकर तमिलनाडु का नेतृत्व करने की अपील की थी। अभिनेता का संदेश सुनने के बाद मुरली ने रजनीकांत को धन्यवाद दिया। उसने ट्वीट करके दावा किया कि हालिया जांच रिपोर्ट में वह कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाया गया है। प्रशंसक ने भरोसा जताया कि वह किडनी संबंधी बीमारी से भी उबरने के बाद स्वस्थ हो जाएगा।

तीन भारतीयों ने महिला फिल्म निर्माताओं की मुश्किलों पर की विस्तार से चर्चा

- टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया गया वीमेन इन इंडियन सिनेमा विषयक टीआईएफएफ स्पॉटलाइट का आयोजन

भाषा। नई दिल्ली

तीन भारतीय महिला निर्देशकों ने 45वें टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) में एक उद्योग स मेलन पैनल में पुरुष-प्रधान फिल्म उद्योग में पितृसत्ता की बेड़ियों को तोड़ने के संघर्ष पर प्रकाश डाला। फिल्म समीक्षक एवं पत्रकार नमन रामचंद्रन द्वारा संचालित वीमेन इन इंडियन सिनेमा विषयक टीआईएफएफ स्पॉटलाइट का आयोजन टोरंटो में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सहयोग से किया गया। पैनल में शामिल फिल्मकारों - लीना यादव (पार्चड, राजमा चावल), अश्विनी अय्यर तिवारी (निल बट्टे सन्नाटा, बरेली की बर्फी, पंगा) और अभिनेता से निर्देशक बनी तनिष्ठा चटर्जी- ने चुनौतियों के साथ ही बदलती दुनिया में अवसरों पर अपने विचार रखे। टोरंटो में भारतीय महावाणिज्यदूत अपूर्व श्रीवास्तव ने कहा, हम दो कारणों से इस पहल के साथ साझेदारी करने के लिए सहमत हुए। पहला यह कि महिला निर्देशक एक नए परिप्रेक्ष्य को लाती हैं और दूसरा यह फिल्म उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य के अनुरूप है, कैमरे के पीछे और सामने, दोनों ही। चटर्जी ने कहा कि रोम रोम में की शूटिंग के दौरान उनकी टीम की

अधिकतर सदस्य महिलाएं थीं जिसमें फोटोग्राफी निर्देशक भी शामिल थीं। इसलिए, इसकी शूटिंग के दौरान लैंगिक कोई मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा कि फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है जिसकी बहन लापता हो जाती है। पुरुष नायक को अपने तलाश अभियान के दौरान अपने स्वयं के गहरे लैंगिक पूर्वाग्रहों का अहसास होता है। उन्होंने कहा, मैं महिलाओं के बारे में एक फिल्म बनाना चाहती थी लेकिन साथ ही पुरुषों में कुछ चीजों को झकझोरना चाहती थी। यादव ने कहा कि मुंबई में फिल्म के सेट पर कुछ लोग महिलाओं को लेकर ऐसी टिप्पणी करते हैं जिसके बारे में वे नहीं जानते कि वास्तव में उसका अर्थ है क्या। उन्होंने कहा कि मुंबई उद्योग में आज काफी प्रतिस्पर्धा है कि यदि आप अपने काम में अच्छे हैं तो इसका निर्णय बिना किसी लैंगिक भेदभाव के होता है कि किसे काम दिया जाएगा और किसे नहीं। अय्यर, तिवारी ने आगरा में पांच वर्ष पहले निल बट्टे सन्नाटा की शूटिंग के अनुभव साझा करते हुए कहा, स्थानीय प्रोडक्शन के लोगों को महिलाओं से आदेश लेने की आदत पड़ने में थोड़ा समय लगा। यह थोड़ा मुश्किल था लेकिन उन्होंने अंत में इसे स्वीकार कर लिया। यादव ने कहा कि जब वह अपनी फिल्म पार्चड की शूटिंग के स्थानों की तलाश में थीं तो उन्हें थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, जिन गांवों में मैं गई वहां मुझे अनुमति देने से इनकार कर दिया गया क्योंकि मैं एक महिला थी। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी महिलाएं मेरी वजह से बिगड़ जाएंगी।

एलेन डी जेनेरेस देंगी आरोपों पर स्पष्टीकरण

कॉमेडियन तथा होस्ट एलेन डी जेनेरेस जल्दी ही अपने चैट शो के नए संस्करण के साथ वापसी करने की तैयारी कर रही हैं, इसके साथ ही वो उन पर लगे विषैले कार्यस्थल संबंधी आरोपों का भी उत्तर देंगी। नस्लीय असंवेदनशीलता तथा यौन दुर्व्यवहार के भीतरी आरोपों के बीच अपने तीन निर्माताओं को निकालने के बाद अब उनका शो 'द एलेन डिजेनेरेस शो' का 18वां संस्करण इसी 21 सितंबर को प्रीमियर होगा।'

आरोपों के संदर्भ में डिजेनेरेस ने कहा, 'मैं काम पर वापसी करते हुए अपने स्टूडियो जाने के लिए व्यग्र हूं और हां हम वहां इसके बारे में भी बात करने वाले हैं।'

स्टूडियो में उनके साथ टिफैनी हैडिस भी नए शो को प्रारंभ करने में मदद करेंगी।

जूना अखाड़ा की छड़ी चारधाम देवस्थलों के लिए हुई रवाना

हरिद्वार (उत्तराखंड)। उत्तराखंड के मु यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बृहस्पतिवार को यहां जूना अखाड़ा स्थित माँ माया देवी मंदिर पहुंच कर देवी का आशीर्वाद लिया और अखाड़े की पौराणिक छड़ी का साधु संतों के साथ पूजन कर उसे चारधाम यात्रा की यात्रा पर रवाना किया। जूना अखाड़ा लंबे समय से छड़ी यात्रा निकाल रहा था, लेकिन यह बीच में करीब 70 साल के लिए बंद हो गईथी। यात्रा 2019 से फिर शुरू हुई है। पहले छड़ी यात्रा बागेश्वर से निकली जाती थी लेकिन दो साल पहले जूना अखाड़ा के हरिगिरि महाराज ने मु यमंत्री रावत से इस प्राचीन छड़ी यात्रा को दोबारा शुरू करने की अनुमति ली और इस प्राचीन छड़ी को हरिद्वार लाकर स्थापित किया। इस मौके पर उत्तराखंड के शहरी विकास मंत्री मदन कौशिक, जूना अखाड़ा के हरिगिरि महाराज सहित भारी सं या में साधु संत और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस अवसर पर कहा कि छड़ी यात्रा के शुभारंभ का यह दूसरा वर्ष है। उत्तराखंड में लगभग 40 दिन यह छड़ी यात्रा चलेगी और इस यात्रा के माध्यम से सभी का मंगल हो, ऐसी हमारी कामना है।

गंगा नदी में आठ अनोखी प्रजातियों की मछलियों की मौजूदगी का पता चला

भाषा। नई दिल्ली

जलशक्ति राज्य मंत्री रतनलाल कटारिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक अध्ययन के माध्यम से पता चला है कि गंगा नदी में आठ अलग-अलग एवं अनोखी प्रजातियों की मछलियां मौजूद हैं। कटारिया ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकीय मापदंडों से संकेत मिलता है कि गंगा नदी की स्थिति में सुधार हो रहा है। मंत्री ने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत सात करोड़ रुपए से अधिक की लागत से मछलियों एवं मत्स्य पालन के आकलन की परियोजना आरंभ की गई थी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत कराए गए अध्ययन में गंगा नदी की मु य धारा में 190 प्रजाति की मछलियों के बारे में पता चला। इनमें आठ अनोखी किस्म की मछलियां हैं।

भारत को भी ब्रिटेन की तरह साइकिल चलाने पर केंद्रित मोटापा विरोधी मुहिम शुरू करनी चाहिए

भाषा। लंदन

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को भी लोगों में मोटापे की समस्या को दूर करने के लिए ब्रिटेन की तरह साइकिल चलाने पर जोर देने की रणनीति अपनानी चाहिए। ऐसा माना जा रहा है कि मोटापे के कारण कोविड-19 संबंधी जटिलताएं भी बढ़ जाती हैं। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अत्यधिक मोटापे की समस्या से ग्रसित लोगों को कोविड-19 के कारण अधिक जटिलताओं एवं मौत का अधिक खतरा है और उन्हें अस्पताल एवं आईसीयू में भर्ती करने की अधिक जरूरत पड़ती है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने देशभर में साइकिल चलाने के लिए हजारों मील लंबा सुरक्षित मार्ग बनाने, साइकिल चलाने एवं पैदल चलने वालों की रक्षा के लिए हाईवे कोड को मजबूत करने और चिकित्सकों को मरीजों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से दो अरब पौंड की निवेश पहल की थी। गुड़गांव स्थित पारस अस्पताल में जनरल एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. नवीन सतीजा ने कहा, मोटापा दूर करने के लिए साइकिल चलाने को प्रोत्साहित करने की ब्रिटेन की नई रणनीति एक दिलचस्प जन स्वास्थ्य नीति पहल है। हमारा मानना है कि भारत को भी विशेषकर शहरी इलाकों में काम पर जाने के लिए मोटर चालित वाहनों के बजाए साइकिल के प्रयोग की मुहिम शुरू करनी चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि कोविड-19 संबंधी चिंताओं ने लोगों की गतिविधियों को बाधित कर दिया है। डॉ. सतीजा ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि लोग इस समय व्यायाम के सुरक्षित तरीके खोजें। गुड़गांव के कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अमिताभ घोष ने कहा, लोग इस समय घरों के भीतर रह रहे हैं और व्यायामशालाओं में जाने एवं समूह में योग करने से बच रहे हैं, ऐसे में अधिक वजन वाले लोगों की सं या और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा, शहरों में साइकिल चलाने के लिए समर्पित एवं सुरक्षित मार्ग लोगों को काम पर जाने के लिए साइकिल के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करेगा। हीरो मोर्टस कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पंकज एम मुंजाल ने भी ब्रिटेन की तरह साइकिल चलाने को प्रोत्साहित करने का समर्थन किया।